आज का विचार

असफलताएं आपको डगमगाने की कोशिश करेंगी, लेकिन आप मेहनत करने में व्यस्त रहिए, सफलता आपके कदम जरुर चूमेगी

दैनिक

सिटी दर्पण

आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़। वीरवार, 19 फरवरी, 2026 वर्ष 24, अंक 42, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

नीयत, नीति और अंत्योदय के संकल्प पर ही प्रदेश में तीसरी बार बनी सरकार: सैनी

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

- प्रदेश सरकार ने उचाना क्षेत्र का हक सूद समेत लौटाने का काम किया: मुख्यमंत्री
- मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर किया प्रहार, कहा: दुष्प्रचार करने के अलावा इनके पास कोई काम नहीं

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार की नीयत, नीति और अंत्योदय के संकल्प पर ही प्रदेश में तीसरी बार डबल इंजन की सरकार बनी है। उचाना के विकास के पहिए को अब और भी तीव्र गति दी जाएगी और यहां की खुशहाली में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रहने दी जाएगी।

मुख्यमंत्री जींद के उचाना में बुधवार को धन्यवाद रैली को संबोधित कर रहे थे। रैली में पहुंचने पर आयोजक एवं उचाना विधानसभा से विधायक देवेन्द्र चतुर्भुज अत्री ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का स्वागत किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने 103 करोड़ 31 लाख रुपये लागत की 5 विकास परियोजनाओं के उद्घाटन एवं शिलान्यास भी किए हैं। इनमें 28 करोड़ 54 लाख रुपये लागत के 3 उद्घाटन और 74 करोड़ 77 लाख रुपये की लागत के 2 शिलान्यास शामिल हैं। इस दौरान प्रदेश के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोकनिर्माण मंत्री रणबीर गंगवा, समाज कल्याण व अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी, हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ कृष्ण मिड्ढा, विधायक पवन खरखौदा भी मौजूद थे रैली में उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि उचाना की भूमि परिश्रम, परंपरा और प्रगति का संगम है। यह हरियाणा की वह धड़कन है, जहां जब किसान का पसीना मिट्टी में मिलता है, तो देश के अन्न भंडार भर जाते हैं। जब यहां का युवा संकल्प लेता है, तो पूरी दुनिया में भारत की प्रतिभा का परचम लहराता है। उन्होंने कहा कि अन्न भण्डार भरने वाले किसानों की भूमि उचाना को लम्बे समय से नजर अंदाज किया गया। झूठे वायदे करके आपके वोटों की फसल तो दो-दो-तीन-तीन पीढ़ियों तक काटी गई, लेकिन विकास के नाम पर कुछ नहीं किया गया। पिछले लंबे समय से आपको झूठे सपने दिखाकर अपनी पीढ़ियों को आगे बढ़ाने के अलावा कुछ नहीं किया। परिवारवाद की दलदल में फंसे ये लोग आपके बच्चों के भविष्य को लेकर संजीदा नहीं रहे। उन्होंने सिर्फ अपने बच्चों का भविष्य ही सुरक्षित किया है। लेकिन प्रदेश सरकार ने विकास के मामले में इस क्षेत्र का हक सूद समेत लौटाने का काम किया है और आगे भी यह जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने राजनीति को केवल सत्ता का साधन नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम माना है। उचाना हलके के विकास को गति देने के लिए 11 वर्षो के कार्यकाल में 98 सीएम अनाउंसमेंट हुई। इनमें से 78 का काम पूरा हो चुका और 15 का काम प्रगति पर है। उचाना विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्य का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हलके में विकास कार्यों पर पिछले 11 वर्षों में 1 हजार 409 करोड़ रुपये इस सरकार में खर्च किए गए हैं। जबकि, कांग्रेस के 10 साल के शासनकाल में मात्र 386 करोड़ रुपये खर्च किये गये थे। उन्होंने कहा कि बीजेपी के शासन में उचाना तहसील को उपमंडल और अलेवा उप-तहसील को तहसील का दर्जा दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में भी जनकल्याण के काम गति से कर रही है। बीजेपी का लक्ष्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि जनता का विश्वास जीतना है। विपक्ष केवल आरोप लगाता है, लेकिन सरकार के पास काम का रिपोर्ट कार्ड है। प्रदेश सरकार ने जो कहा, वह करके दिखाया है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में इस क्षेत्र को केवल सब्जबाग दिखाते हुए वोट लेने का काम किया। विपक्ष आज मुद्दा विहिन हो चुका है। लेकिन हम जो कहते हैं, उसे करते भी हैं। इसका प्रमाण यह है कि हमने पिछले विधानसभा चुनावों के अपने संकल्प-पत्र के 217 संकल्पों में से 60 को एक साल में ही पूरा कर दिखाया है। प्रदेश सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल में भी प्रदेश के सर्वांगीण विकास और हर वर्ग के हितों की सुरक्षा के लिए अनेक ठोस कदम उठाए हैं। इसी के तहत गरीब महिलाओं को अपनी रसोई चलाने के लिए हर महीने केवल 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिया जा रहा है।

हरबरिंदर सिंह हत्या मामला में अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी: भगवंत मान

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने डीजीपी गौरव यादव से की हत्या की समीक्षा

- डीजीपी ने डीआईजी फिरोजपुर रेंज और एसएसपी तरनतारन को मामले की जांच करने और दोषियों को न्याय के दायरे में लाने के निर्देश दिए
- डीएसपी पट्टी और एसएचओ सरहाली को निलंबित किया

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़/तरनतारन

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा हरबरिंदर सिंह की हत्या की जांच का व्यक्तिगत रूप से जायजा लेने के बाद डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस, फिरोजपुर रेंज स्नेहदीप शर्मा और सीनियर सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस, तरनतारन सुरेंद्र लांबा को निर्देश दिए हैं कि वे जांच की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करें और जल्द से जल्द दोषियों को न्याय के दायरे में लाया जाए।

जानकारी के अनुसार पीड़ित हरबरिंदर सिंह को सरहाली पुलिस थाने के क्षेत्राधिकार में आने वाले सिद्धू फार्म में एक विवाह समारोह के दौरान दो अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी थी और अस्पताल ले जाते समय उनकी मौत हो गई थी। मौके पर मौजूद एक अन्य व्यक्ति ने हमलावरों का पीछा करने की कोशिश की और गोलीबारी के दौरान उसकी टांग में गोली लगी और वह वर्तमान में इलाजाधीन है।

घटना की जवाबदेही तय करते हुए डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि डीएसपी पट्टी जगबीर सिंह और एसएचओ सरहाली गुरविंदर सिंह को उचित एहतियातन पुलिस कार्रवाई न करने के कारण निलंबित कर दिया गया है। डीजीपी ने राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पंजाब सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की।

एसएसपी सुरेंद्र लांबा ने आगे बताया कि अब तक की गई जांच के आधार पर इस मामले में धमकी या जबरन वसूली आदि से संबंधित कोई भी पहलू सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक पूछताछ से ऐसा लगता है कि व्यक्तिगत दुश्मनी या बदला लेना वारदात का संभावित कारण हो सकता है। एसएसपी ने पुष्टि करते हुए कहा कि मामले की वैज्ञानिक और तकनीकी तरीके से जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि विभिन्न अधिकारियों की निगरानी में सीसीटीवी विश्लेषण के लिए चार अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं। इसके अलावा एक टीम एफएसएल टीम के साथ घटनास्थल की जांच कर रही है।

एसएसपी ने आगे कहा, ह्यह्यमामले की गहराई से जांच की जाएगी और हम दोषियों के लिए मिसाली सजा सुनिश्चित बनाएंगे।

प्रधानमंत्री ने संपूर्ण और वैज्ञानिक रूप से आधारित ज्ञान के महत्व पर दिया जोर

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को संस्कृत में एक सुभाषित साझा करते हुए संपूर्ण और वैज्ञानिक रूप से आधारित ज्ञान के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसा समग्र और सत्य ज्ञान व्यक्ति को पूर्णता, स्पष्टता और सत्य की सर्वोच्च अनुभूति की ओर ले जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर प्राचीन संस्कृत श्लोक उद्धृत किया, ह्ज्ञानं तेऽहं विज्ञानमिदं वक्ष्याम्यशेषतः। यज्ज्ञात्व नेह भूयोऽन्यज्ज्ञातव्यमवशिष्यते।।ॾ यह श्लोक ज्ञान और विज्ञान अर्थात सैद्धांतिक समझ तथा उसके व्यावहारिक अनुप्रयोग दोनों की समग्रता पर बल देता है। प्रधानमंत्री ने संदेश में रेखांकित किया कि जब व्यक्ति संपूर्ण और प्रमाणित ज्ञान अर्जित करता है, तब उसके लिए जानने योग्य कुछ शेष नहीं रह जाता और वह सत्य के उच्चतम स्तर को प्राप्त करता है।

प्रधानमंत्री ने एस्टोनिया के राष्ट्रपति अलार कारिस से की मुलाकात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को एस्टोनिया के राष्ट्रपति अलार कारिस से मुलाकात कर द्विपक्षीय वार्ता की। यह मुलाकात एआई इम्पैक्ट समिट के इतर हुई। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक एआई इम्पैक्ट समिट के इतर हुई इस वार्ता में दोनों नेताओं ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के सफल निष्कर्ष का स्वागत किया। यह समझौता जनवरी 2026 में हुए 16वें भारत-ईयू शिखर सम्मेलन में हुआ था। बैठक में द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की गई।

भारत-क्रोएशिया ने एआई, स्वच्छ ऊर्जा व अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर की चर्चा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट से इतर क्रोएशिया के प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेंकोविच से द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों नेताओं ने भारत और क्रोएशिया के बीच संबंधों को और मजबूत बनाने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, नवाचार और स्वच्छ ऊर्जा जैसे नए क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पोस्ट में बताया कि दोनों नेताओं ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को जल्द लागू करने के लिए काम करने पर सहमति जताई।

प्रधानमंत्री ने की स्पेन के राष्ट्रपति से परस्पर संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने पर जोर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री ने बुधवार को इंडिया एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन से इतर स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज से द्विपक्षीय वार्ता की। इस वार्ता के दौरान दोनों नेताओं ने भारत और स्पेन के बीच सहयोग को अधिक सशक्त बनाने पर जोर दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इसकी जानकारी देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में भाग लेने आए स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज से प्रधानमंत्री मोदी ने इस समिट से इतर यहां द्विपक्षीय वार्ता की।

मोदी ने फिनलैंड के पीएम से आपसी सहयोग बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को इंडिया एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन में भाग लेने आए फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेटेरी ओर्पो के साथ द्विपक्षीय मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत और फिनलैंड के बीच सहयोग को अधिक प्रगाढ़ बनाने पर व्यापक चर्चा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इस बैठक की जानकारी देते हुए बताया कि दोनों नेताओं के बीच हुई इस बातचीत में स्थिरता, डिजिटलीकरण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) अनुसंधान और नैतिक नवाचार जैसे प्रमुख विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

अमित शाह ने गांधीनगर में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का किया अनावरण

एजेंसी (हि.स.)

गांधीनगर

गांधीनगर के सेक्टर-21 स्थित महाराष्ट्र भवन में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को छत्रपति शिवाजी महाराज की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि शिवाजी महाराज की यह प्रतिमा वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों को साहस, रणनीति और ह्यस्वराजह्न के संकल्प की निरंतर प्रेरणा देती रहेगी। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज की शौर्यगाथा और सुशासन के आदर्श आज भी समाज को दिशा देने का कार्य करते हैं।

उन्होंने शिवाजी महाराज के ऐतिहासिक योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि जब देश का बड़ा हिस्सा गुलामी की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था, तब मात्र 16 वर्ष की आयु में शिवाजी महाराज ने रायरेश्वर महादेव मंदिर में ह्यहिंदवी स्वराजह्न की स्थापना का संकल्प लिया था। माता जीजाबाई के संस्कार और दृढ़ संकल्प के बल पर उन्होंने स्वतंत्रता और स्वाभिमान की नई राह दिखाई। अमित शाह ने कहा कि शिवाजी महाराज ने मंदिरों की रक्षा और पुनर्स्थापना का जो मार्ग दिखाया, उसी दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और सोमनाथ मंदिर सहित कई धार्मिक स्थलों का विकास किया गया है, जिससे सनातन परंपरा को मजबूती मिली है। उन्होंने यह भी कहा कि शिवाजी महाराज ने स्वभाषा को महत्व देते हुए प्रशासन में भारतीय भाषाओं को बढ़ावा दिया और भारतीय नौसेना की नींव रखने का कार्य किया। उन्होंने राष्ट्रीय शायर झवेरचंद मेघाणी का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी रचनाओं में शिवाजी महाराज की वीरता का वर्णन आज भी बच्चों और युवाओं में देशभक्ति की भावना जगाता है।

विशाखापत्तनम में भारतीय नौसेना ने वैश्विक साझेदारी के साथ दिखाई समुद्री ताकत

- राष्ट्रपति मुर्मु ने इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू देखकर समुद्री परंपराओं पर भरोसा जताया

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

भारत ने 1971 के युद्ध में जिस जगह में पाकिस्तान की पनडुब्बी गाजी को डुबो दिया था, वहीं एक बार फिर इतिहास की गूंज सुनाई दी। विशाखापत्तनम के उसी ऐतिहासिक किनारे पर बुधवार को भारतीय नौसेना ने अपनी समुद्री ताकत, व्यावसायिकता और वैश्विक साझेदारी का प्रदर्शन किया है। भारतीय सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू को देखा और भरोसा जताया कि इस फ्लीट रिव्यू में शामिल सभी नौसेनाएं मिलकर समुद्रों को दुनिया भर के विकास, खुशहाली और पूरी भलाई के रास्ते के तौर पर आगे बढ़ाने में मदद करेंगी।

राष्ट्रपति ने कहा कि इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू समुद्री परंपराओं के लिए देशों के बीच एकता, भरोसा और सम्मान दिखाता है। समुद्रों के साथ भारत का रिश्ता गहरा और हमेशा रहने वाला रहा है। सदियों से ये समुद्र भारत के लिए कॉमर्स, कनेक्शन और कल्चरल लेन-देन के रास्ते रहे हैं। उन्होंने कहा कि समुद्री क्षेत्र समेत इंटरनेशनल रिश्तों को लेकर भारत का नजरिया ह्यवसुधैव कुटुम्बकमह्न या ह्यदुनिया एक परिवार हैह्न की हमारी सोच को दिखाता है। उन्होंने सभी भारतीयों की ओर से मित्र देशों की नौसेनाओं के अधिकारियों और नाविकों को बधाई देते हुए कहा कि आप अपनी सेवाओं से अपने देशों की सबसे अच्छी परंपराओं को दिखाते हैं।

नौसेना के कैप्टन विवेक मधवाल ने बताया कि यह भारत में किया गया तीसरा इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू है। आज हमने इस समुद्री समीक्षा में 70 से ज्यादा प्लेटफॉर्म्स को हिस्सा लेते देखा है, जिसमें 18 दूसरे देशों के 19 जहाजों के साथ ही भारतीय तटरक्षक बल और शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के जहाज शामिल हैं। इस साल भारत के फ्लीट रिव्यू में पहली बार देसी एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रांत हिस्सा ले रहा है। हमने मोबाइल कॉलम में देसी कलवरी-क्लास सबमरीन को भी हिस्सा लेते देखा है। इसके अलावा भारत में डिजाइन और बनाए गए हमारे कई प्लेटफॉर्म्स ने हिस्सा लिया है, जिनमें डिस्ट्रॉयर, फ्रिगेट, एएसडब्ल्यू शैलो वाटर क्राफ्ट, सर्वे वेसल और डाइविंग सपोर्ट वेसल शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि फ्लाईपास्ट के जरिये नौसेना की हवाई ताकत का प्रदर्शन किया गया है, जिसमें फाइटर, ट्रेनर, हेलीकॉप्टर और लंबी दूरी के मैरीटाइम पेट्रोल एयरक्राफ्ट रहे। इन सभी ने इस बार इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू में हिस्सा लिया है। कैप्टन मधवाल ने बताया कि विशाखापत्तनम में तीन बड़े कार्यक्रम इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू, बहुराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास 'मिलन' और नौसेना प्रमुखों के कॉन्क्लेव के साथ भारत ऐतिहासिक समुद्री मेलजोल का एक अहम हिस्सा बन रहा है।

शिक्षा, स्वास्थ्य मूलभूत आवश्यकता, यह सबको सुलभ होना चाहिए : मोहन भागवत

एजेंसी (हि.स.)

लखनऊ

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने शिक्षा और स्वास्थ्य को मूलभूत आवश्यकता बताते हुए कहा कि यह सबके लिए सुलभ होना चाहिए। यह व्यवसाय नहीं हो सकते। डॉ. भागवत ने बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में शोधार्थी छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम में कहा कि पश्चिम के लोगों ने शिक्षा के साथ खिलवाड़ किया। हमारी शिक्षा व्यवस्था हटाकर अपनी थोपी, जिससे उन्हें काम करने के लिए 'काले अंग्रेज' मिल जाएं। अंग्रेजों ने जो बिगाड़ा है उसको ठीक करना ही होगा। उन्होंने कहा कि संघ का कार्य देश को परम वैभव सम्पन्न बनाना है। मैं और मेरा परिवार ही सबकुछ है, यह न सोच कर पूरे देश के लिए सोचना होगा। संघ समाज की एकता और गुणवत्ता की चिंता करता है। संघ को समझना है तो संघ में आकर कर देखिये। संघ को पढ़ कर नहीं समझा जा सकता है। संघ को सम्पूर्ण हिन्दू समाज को संगठित करने वाला एक ही काम करना है। संघ किसी के विरोध में नहीं है। संघ को लोकप्रियता, प्रभाव और शक्ति नहीं चाहिए।

सरसंघचालक डॉ. भागवत ने कहा कि भारत की दिशा और दशा बदलने में शोध की बड़ी भूमिका है। सत्यपरक बातें सामने आनी चाहिए। अज्ञानता से भारत को हम समझ ही नहीं पाएंगे। उन्होंने शोधार्थियों छात्रों से कहा कि जो भी शोध करें उसे उत्कृष्ट रूप से, प्रामाणिकता पूर्वक, तन-मन-धन से, निःस्वार्थ भाव से देश के लिए करें। उन्होंने कहा कि संघ को लेकर बहुत दुष्प्रचार होता है। शोधार्थियों को सत्य सामने लाना चाहिए।

वैश्वीकरण के विषय पर उन्होंने कहा कि यह कोई बहुत बड़ी चुनौती नहीं है। आज वैश्वीकरण का मतलब बाजारीकरण से है, जो खतरनाक है। हम वसुधैव कुटुंबकम् की बात करते हैं। यानी पूरे विश्व को अपना परिवार मानते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा जीवन संयमित होना चाहिए, उपभोगवादी नहीं। संयम और त्याग का जीवन हमारे संस्कृति आत्मबोध में है। पश्चिमी देशों ने जड़वाद फैलाया। उन देशों की सोच है कि बलशाली बनकर खुद जियो और बाकी को छोड़ दो, जो बाधक बने, उन्हें मिटा दो। यही काम आज अमेरिका, चीन कर रहे हैं, लेकिन आज दुनिया भर की समस्याओं के प्रश्नों का उत्तर भारत के पास है। विश्व गुरु बनना है तो सभी क्षेत्रों में शक्तिशाली बनना होगा। दुनिया तभी मानती है जब सत्य के पीछे शक्ति हो।

टैरिफ वार से भारत का कुछ नहीं बिगड़ेगा : डॉ मोहन भागवत

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने बुधवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित प्रमुख जन गोष्ठी में कहा कि टैरिफ वार से भारत का कुछ नहीं बिगड़ेगा। हम किसी देश से नहीं दबेंगे, खड़े रहेंगे। कुछ दिन बाद सबकुछ सामान्य हो जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था पूंजीपतियों और बैंको में हाथों में नहीं, हमारे घरों में है। भारत के पास इतना सामर्थ्य है कि वह दबाव सहन करके भी आगे बढ़ सकता हैं। उन्होंने कहा कि हिन्दू धर्म ही सच्चा मानव धर्म है। दुनिया मे पंथ निरपेक्षता वाला कोई समाज है तो वह हिन्दू समाज है। संघ का काम देश के लिए है। अनेक जाति, पंथ संप्रदाय बताने से अच्छा है कि हम सब अपनी पहचान हिन्दू मानें। उन्होंने कहा सामाजिक समरसता समाज मे एकता का आधार है। जाति, भाषा की पहचान महत्वपूर्ण नहीं हैं। हम सब हिन्दू हैं यह भाव रखना होगा। जाति नाम की व्यवस्था धीरे-धीरे जा रही है। तरुण पीढ़ी के आचरण में यह दिख रहा है। संघ में किसी की जाति नहीं पूछी जाती है। सब हिन्दू सहोदर हैं, इस भाव से काम करते हैं। समाज से जाति को मिटाने के लिए जाति को भुलाना होगा। समाज में जिस दिन जाति-पाति को महत्व नहीं मिलेगा, उस दिन जाति पर राजनीति करने वाले नेता भी बदल जाएंगे। उन्होंने कहा कि दूर-दूर रहने वाले परिवार भावनात्मक रूप से जुड़े रह सकते हैं। हमें अपने बच्चों को नाते रिश्तेदारों, संबंधियों से मिलाते रहना चाहिए। परिवारों को वर्ष में एक बार कुल परंपरा परिवार के संस्कार के निर्वहन के लिए एकत्रित होना चाहिए।

विधायक क्षेत्र विकास निधि की दो किस्तें 31 मार्च से पहले जारी होंगी: मुख्यमंत्री सुक्खू

कहा, सरकार विधायक ऐच्छिक निधि जारी करने पर भी कर रही विचार

एजेंसी (हि.स.)

शिमला

हिमाचल प्रदेश के विधायकों को जल्द ही विधायक क्षेत्र विकास निधि (एमएलए एलएडी) की शेष दो किस्तें मिलने वाली हैं। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बुधवार को विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान यह घोषणा की। विपक्ष द्वारा इस मुद्दे पर हंगामे के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि 1.10 करोड़ रुपये की बाकी दो किस्तें 31 मार्च से पहले जारी कर दी जाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार विधायक ऐच्छिक निधि जारी करने पर भी विचार कर रही है।

प्रश्नकाल के दौरान विधायक प्रकाश राणा के सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य में विधायक क्षेत्र विकास निधि जारी करने के स्वरूप को लेकर विपक्ष के नेताओं के साथ जल्द चर्चा की जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि नियमों के अनुसार विधायक क्षेत्र विकास निधि का केवल 10 प्रतिशत हिस्सा ही महिला मंडलों को दिया जा सकता है, लेकिन कुछ मामलों में इससे अधिक राशि जारी की गई है। उन्होंने कहा कि महिला मंडलों को सहायता दी जा सकती है, पर तय सीमा का पालन जरूरी है। साथ ही उन्होंने विधायकों को सलाह दी कि निधि का उपयोग पूंजीगत विकास कार्यों पर भी किया जाए, ताकि प्रदेश की अर्थव्यवस्था और जीएसडीपी को मजबूती मिले।

इस दौरान प्रकाश राणा ने सरकार पर विधायक क्षेत्र विकास निधि को लेकर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। उनका कहना था कि सरकार ने निधि जारी नहीं करके विधायकों को लगभग निष्क्रिय बना दिया है। उन्होंने कहा कि जब बजट में निधि का प्रावधान किया गया है, तो राशि समय पर क्यों नहीं मिल रही और यदि विधायक के पास विकास कार्यों के लिए संसाधन ही नहीं होंगे, तो वे अपने क्षेत्र के लोगों की अपेक्षाओं को कैसे पूरा करेंगे।

20 फरवरी को नई दिल्ली में कांग्रेस की अहम बैठक, संगठन व प्रदेश के मुद्दों पर होगी चर्चा

शिमला। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने बताया है कि 20 फरवरी को नई दिल्ली में मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में प्रदेश कांग्रेस की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू, उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सहित प्रदेश मंत्रिमंडल के सभी सदस्य मौजूद रहेंगे। इसके अलावा प्रदेश मामलों की प्रभारी रजनी पाटिल, सह-प्रभारी चेतन चौहान तथा विदित चौधरी भी विशेष रूप से बैठक में शामिल होंगे। नई दिल्ली रवाना होने से पूर्व शिमला में पत्रकारों से बातचीत करते हुए विनय कुमार ने कहा कि बैठक में प्रदेश की ताजा राजनीतिक परिस्थितियों और संगठनात्मक गठन से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। उन्होंने बताया कि 16वें वित्त आयोग द्वारा प्रदेश का राजस्व घाटा अनुदान बंद करने के निर्णय से उत्पन्न स्थिति से केंद्रीय आलाकमान को अवगत कराया जाएगा। साथ ही केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा प्रदेश के साथ किए जा रहे कथित भेदभाव के मुद्दे को भी मजबूती से उठाया जाएगा। विनय कुमार ने कहा कि राजस्व घाटा अनुदान बंद करने के फैसले के विरोध में मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश कांग्रेस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मिलने के लिए समय मांगेगी। उन्होंने यह भी कहा कि हाल ही में अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते से प्रदेश के सेब बागवानों को होने वाले संभावित नुकसान के विषय में भी केंद्रीय नेतृत्व को जानकारी दी जाएगी। इसके अतिरिक्त महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को कमजोर किए जाने के विरोध में प्रदेश में चल रहे आंदोलन की पूरी रिपोर्ट भी बैठक में प्रस्तुत की जाएगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि बैठक में प्रदेशहित से जुड़े सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर ठोस रणनीति बनाई जाएगी।

सेब बागवानों को ठगी से बचाने के लिए बैंक गारंटी राशि बढ़ाएगी प्रदेश सरकार

एजेंसी (हि.स.)

शिमला

हिमाचल प्रदेश सरकार सेब बागवानों को भुगतान न मिलने की समस्या को रोकने के लिए व्यापारियों और आढ़तियों से ली जाने वाली बैंक गारंटी की शर्तों में बदलाव करने जा रही है। सरकार इस राशि को बढ़ाने की तैयारी में है ताकि सेब खरीदने के बाद कोई आढ़ती या लदानी भुगतान किए बिना फरार न हो सके। यह जानकारी कृषि मंत्री चौधरी चंद्र कुमार ने विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान विधायक कुलदीप सिंह राठौर के सवाल के जवाब में दी।

कृषि मंत्री ने बताया कि राज्य की तीन कृषि उपज मंडी समितियों में सेब खरीद के बाद भुगतान न करने के कुल 379 मामले सामने आए हैं। इनमें शिमला-किन्नौर क्षेत्र में 144, सोलन में 191 और कुल्लू-लाहौल स्पीति में 44 शिकायतें शामिल हैं। इन मामलों में कुल 8.05 करोड़ रुपये की देनदारी सामने आई है। उन्होंने कहा कि अब तक 69 मामलों में लगभग 1.93 करोड़ रुपये की राशि सेब उत्पादकों को दिलाई जा चुकी है, जबकि करीब 6.12 करोड़ रुपये का भुगतान अभी लंबित है।

कृषि मंत्री ने बताया कि किसानों और बागवानों की शिकायतों को देखते हुए वर्ष 2019 में राज्य कृषि विपणन बोर्ड की बैठक में निर्णय लिया गया था कि अधिनियम की धारा 39 के तहत व्यापारियों के पंजीकरण के समय उनसे प्रतिभूति राशि ली जाएगी। इसके बावजूद कुछ मामलों में भुगतान में देरी या डिफॉल्ट की शिकायतें सामने आई हैं, इसलिए अब बैंक गारंटी की राशि बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है ताकि बागवानों का पैसा सुरक्षित रह सके।

उन्होंने यह भी बताया कि कृषि उपज मंडी समिति सोलन में पिछले तीन वर्षों में 28 दोषी डिफॉल्टर आढ़तियों में से 12 ने किसानों और बागवानों का पैसा लौटा दिया है। वहीं 12 डिफॉल्टरों के खिलाफ मामले अदालत में विचाराधीन हैं और दो अन्य को रिकवरी नोटिस जारी किए गए हैं।

इससे पहले विधायक कुलदीप सिंह राठौर ने कहा कि हर साल छोटे बागवानों को करोड़ों रुपये का नुकसान उठाना पड़ता है और अदालतों तथा नोटिस की प्रक्रिया में लंबा समय लगने से किसानों को और परेशानी होती है। उन्होंने कहा कि कई मामलों में कार्रवाई धीमी है और कुछ मंडियों में बागवानों की बड़ी राशि फंसी हुई है, इसलिए सरकार को इस दिशा में त्वरित कदम उठाने चाहिए और एपीएमसी व्यवस्था को और मजबूत करना चाहिए।

आठ मामलों में गिरफ्तार चिट्टा तस्कर को प्रिवेंटिव डिटेंशन में तीन महीने की जेल

एजेंसी (हि.स.)

शिमला

नशा तस्करी के मामलों में बार-बार पकड़े जा चुके एक आरोपी को पुलिस ने प्रिवेंटिव डिटेंशन के तहत गिरफ्तार कर तीन महीने के लिए जेल भेज दिया है। यह कार्रवाई जिला पुलिस शिमला ने नशा तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने और समाज को नशे के दुष्प्रभाव से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से की है।

पुलिस के अनुसार अजीत राम पुत्र मिश्री लाल, निवासी फागली रोड महाशिव कॉलोनी शिमला लंबे समय से अवैध नशा गतिविधियों में शामिल पाया जा रहा था। उसके खिलाफ वर्ष 2016 से 2024 के बीच एनडीपीएस एक्ट के तहत आठ अलग-अलग मामले दर्ज हैं। इन मामलों में उसे कई बार स्मैक, चरस और हेरोइन/चिट्टा की अलग-अलग मात्रा के साथ पकड़ा गया था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार 2016 में उसके पास से स्मैक बरामद हुई थी, 2017 में चरस और स्मैक मिली थी, जबकि 2019 में दो मामलों में चिट्टा बरामद हुआ। इसके बाद 2020, 2021, 2023 और 2024 में भी वह चिट्टा के साथ पकड़ा गया। लगातार मामलों में संलिप्तता सामने आने के कारण पुलिस ने पिआईटी-एनडीपीएस अधिनियम के तहत उसे निवारक नजरबंदी में लिया और अदालत में पेश करने के बाद तीन महीने के लिए जेल भेज दिया गया। शिमला के एसएसपी गौरव सिंह ने बताया कि इस कार्रवाई का उद्देश्य नशा तस्करी के नेटवर्क को कमजोर करना और बार-बार अपराध में शामिल हो रहे लोगों को भविष्य में ऐसी गतिविधियों से रोकना है।

रोहड़ू में चिट्टा और हजारों की नकदी के साथ युवक पकड़ा

शिमला। शिमला जिले के रोहड़ू क्षेत्र में नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चल रही पुलिस कार्रवाई के दौरान एक युवक को चिट्टा और नकदी के साथ पकड़ा गया है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई गश्त के दौरान मिली गुप्त सूचना के आधार पर की गई। पुलिस थाना रोहड़ू की टीम मंगलवार की शाम को क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान एक विश्वसनीय मुखबिर ने सूचना दी कि कमल चौहान नाम का व्यक्ति एम.डी. वॉशिंग सेंटर, लंबाखाल के पास चिट्टा बेचने और खरीदने के काम में लगा हुआ है। आरोपी रोहड़ू के समोली का रहना वाला है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए संदिग्ध व्यक्ति की तलाशी ली। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 1.79 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद किया गया। इसके अलावा उसके पास से 7,800 रुपये नकद भी मिले, जिन्हें पुलिस ने जब्त कर लिया। चिट्टे की मात्रा कम होने पर पूछताछ के बाद आरोपी को नोटिस पर रिहा कर दिया गया है, जबकि मामले की जांच जारी है। पुलिस के अनुसार इस संबंध में थाना रोहड़ू में मादक द्रव्य एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

श्रीनगर की प्रमुख सड़कों का उन्नयन किया जा रहा है: सरकार

एजेंसी (हि.स.)

जम्मू

जम्मू-कश्मीर सरकार ने बुधवार को सदन को सूचित किया कि यातायात की भीड़ को कम करने और सड़क सुरक्षा में सुधार के लिए श्रीनगर शहर में कई प्रमुख सड़क उन्नयन और चौड़ीकरण परियोजनाएं सर्वेक्षण, अनुमोदन और निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं। विधायक तनवीर सादिक के एक सवाल का जवाब देते हुए सरकार ने विधानसभा को सूचित किया कि श्रीनगर शहर में कई मुख्य सड़कें दशकों पहले सीमित राइट ऑफ वे (आरओडब्ल्यू) के साथ विकसित की गई थीं और अब तेजी से शहरीकरण और वाणिज्यिक गतिविधि के कारण भारी यातायात दबाव का सामना कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा और यातायात सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर नियमित रखरखाव और आवश्यक मरम्मत की जाती है।

विशिष्ट गलियारों के संबंध में सरकार ने कहा कि नौशेरा-सौरा (केजेडपी रोड) पहले से स्वीकृत केजेडपी सड़क चौड़ीकरण कार्यक्रम का हिस्सा है। उन्होंने कहा, नालाबल ब्रिज के पास की संरचनाओं का अधिग्रहण किया जा चुका है जबकि शेष संरचनाओं का अधिग्रहण लंबित अदालती मामलों के निपटान और अंतिम रूप देने के बाद किया जाएगा।

सैदा कदल से आशाजीपोरा (एसएमएस रोड) तक के विस्तार के लिए उन्होंने कहा कि वर्तमान में लगभग 1.75 किमी के चौड़ीकरण के लिए एक सर्वेक्षण चल रहा है। प्रस्ताव में कैरिजवे को 7.50 मीटर से 21.00 मीटर तक विस्तारित करने की परिकल्पना की गई है। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) सर्वेक्षण और व्यवहार्यता औपचारिकताओं के पूरा होने के बाद प्रस्तुत की जाएगी। सरकार ने आगे कहा कि देवी आंगन-हवल रोड के चौड़ीकरण और उन्नयन के लिए प्रारंभिक परियोजना रिपोर्ट सीआरआईएफ योजना के तहत 31.25 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर तैयार की गई है जिसमें भूमि अधिग्रहण और उपयोगिता स्थानांतरण शामिल है। परियोजना को मंजूरी और धन की उपलब्धता के आधार पर शुरू किया जाएगा।

इसी तरह आलमगिरी बाजार चौक की परियोजना को यूटी सेक्टर 2025-26 के तहत 335 लाख रुपये की मंजूरी दी गई है जिसमें पांच संरचनाओं का अधिग्रहण और जंक्शन रीडिजाइनिंग शामिल है।

संक्षिप्त-समाचार

पांवटा साहिब में स्टोन क्रशर की मशीन में फंसने से 19 वर्षीय युवक की मौत

नाहन। जिला सिरमौर के उपमंडल पांवटा साहिब के अंतर्गत सालवाला-डोबरी पंचायत में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहाँ स्थित एक स्टोन क्रशर प्लांट में कार्यरत विकास (19 वर्षीय) नामक युवक की मशीन की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि विकास ड्यूटी पर तैनात था और अचानक काम के दौरान उसका शरीर मशीन के घातक पुर्जों के बीच फंस गया। चीख-पुकार सुनकर सहकर्मियों ने तुरंत मशीन बंद की, लेकिन तब तक विकास दम तोड़ चुका था। घटना की गंभीरता को देखते हुए पांवटा साहिब पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। डीएसपी पांवटा, एस डी एम पांवटा साहिब गुंजित सिंह चीमा ने स्वयं घटनास्थल का निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल पांवटा साहिब भेज दिया है। इस मामले की आधिकारिक सूचना जिला उपायुक्त को भी दे दी गई है ताकि प्रशासनिक स्तर पर आगामी कदम उठाए जा सकें। डीएसपी मानवेंद्र ठाकुर ने मामले की पुष्टि करते हुए स्पष्ट किया है कि पुलिस इस घटना को हर संभावित एंगल से देख रही है। उन्होंने कहा कि फिलहाल मौत की असली वजह पर कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। पुलिस अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है, जो मौत के सही कारणों का खुलासा करने में सबसे महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगी। इसके साथ ही, घटनास्थल से वैज्ञानिक और तकनीकी साक्ष्य भी जुटाए जा रहे हैं, ताकि घटनाक्रम की कड़ियों को आपस में जोड़ा जा सके। ग्रामीणों ने प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र में चल रहे सभी स्टोन क्रशरों की सुरक्षा ऑडिट कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए दोषी पाए जाने वाले प्रबंधन पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए।

श्रीनगर-बारामूला राजमार्ग पर हाजीवारा पायिन में मिली संदिग्ध वस्तु, जांच जारी

बारामूला। सुरक्षा बलों ने बुधवार को उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के हाजीवारा पायिन इलाके में श्रीनगर-बारामूला राष्ट्रीय राजमार्ग रिंग रोड पर एक संदिग्ध वस्तु देखी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने तुरंत इलाके को घेर लिया और आवश्यक एहतियाती कदम उठाए गए। पुलिस की एक टीम बम निरोधक दस्ते के साथ वस्तु की जांच के लिए मौके पर पहुंची। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

एचडीएफसी बैंक धोखाधड़ी मामले में पांच कर्मचारी गिरफ्तार

शोपियां। जम्मू-कश्मीर की क्राइम ब्रांच की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) कश्मीर शोपिया और बडगाम जिलों में भारतीय न्याय संहिता और आयकर अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत दर्ज एफआईआर संख्या 30/2025 के संबंध में तलाशी अभियान चला रही है। यह मामला ईओडब्ल्यू कश्मीर पुलिस स्टेशन, क्राइम ब्रांच जम्मू-कश्मीर में दर्ज किया गया है। यह मामला एचडीएफसी बैंक की शोपिया शाखा में बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी की लिखित शिकायत के बाद सामने आया। पीएचक्यू जम्मू-कश्मीर के निर्देशों का पालन करते हुए व्यापक जांच के लिए मामले को पुलिस स्टेशन शोपियन से क्राइम ब्रांच जम्मू-कश्मीर को स्थानांतरित कर दिया गया। इस मामले में अब तक पांच बैंक कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार कर्मचारियों में आदिल अयूब गनई पिता मोहम्मद अयूब गनई निवासी मेमिंदर शोपियन, मौजूदा समय में हमजा कॉलोनी बागत-ए-कनीपोरा, नौगाम, इरफान मजीद जरगर पिता अब्दुल मजीद जरगर निवासी शेख मोहल्ला बोनीगाम, शोपियां, मुबाशिर हुसैन शेख पिता गुलाम मोहम्मद शेख निवासी करीना, कुलगाम, जैद मंजूर पिता मंजूर अहमद दीन निवासी डागेरपोरा खन्नाबल, अनंतनाग, जावेद अहमद भट पिता अब्दुल रहीम भट निवासी राजपोरा पुलवामा शामिल हैं। मामले में साक्ष्य जुटाने के लिए शोपियां और बडगाम के कई स्थानों पर तलाशी अभियान जारी है। कश्मीर की आर्थिक अपराध शाखा वित्तीय अखंडता की रक्षा के लिए सभी कानूनी उपाय करती रहेगी।

सुक्खू सरकार में हिमाचल की स्थिति हास्यास्पद और चिंताजनक : राकेश शर्मा

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता राकेश शर्मा ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि हिमाचल में स्थिति हास्यास्पद और चिंताजनक बन चुकी है। कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू और उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री का ध्यान केवल अपने 'मित्रों' को कैबिनेट रैंक बांटने और परिवार के सदस्यों को नौकरी व पेंशन के लाभ पहुंचाने तक सीमित रह गया है। प्रदेश के लाखों बेरोजगार युवा हर साल एक लाख सरकारी नौकरियों की उस गारंटी के पूरा होने का इंतजार कर रहे हैं जो कांग्रेस ने चुनाव से पहले दी थी। राकेश शर्मा ने कहा कि सरकार के तीन साल पूरे होने के बावजूद 10 हजार युवाओं को भी रोजगार नहीं मिल पाया है, जिससे यह स्पष्ट है कि झूठी गारंटियों के सहारे जनता को ठगा गया है। सरकार की नाकामी अब साफ दिखाई दे रही है। बुधवार को जारी एक प्रेस बयान में भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की व्यवस्था अब भगवान भरोसे चल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार स्थायी अधिकारियों की नियुक्ति करने में नाकाम साबित हुई है और कार्यवाहक अधिकारियों के सहारे प्रदेश की पूरी व्यवस्था संभाली जा रही है। उन्होंने तंज करते हुए कहा कि व्यवस्था परिवर्तन के नाम पर यह सरकार ह्यव्यवस्था पतनह्व की राह पर चल रही है। उन्होंने सुक्खू सरकार से प्रश्न किया कि सरकार जब नए अधिकारियों की नियुक्ति नहीं करना चाहती, तो फिर सेवानिवृत्त अधिकारियों को ऊंचे पद और रैंक क्यों दे रही है।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का

न्वोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एंव संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट न. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एंव 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

श्रीनगर में कॉन्वेंट स्कूल और जनरल पोस्ट ऑफिस के पास नए पुल के प्रस्ताव की सरकार कर रही जांच

जम्मू। सरकार ने बुधवार को सदन को सूचित किया कि श्रीनगर में कॉन्वेंट स्कूल और जनरल पोस्ट ऑफिस (जीपीओ) के पास नए पुल के निर्माण का प्रस्ताव लोक निर्माण (आर एंड बी) विभाग के समक्ष जांच के अधीन है। विधायक शेख अहसान अहमद द्वारा प्रस्तावित पुल की स्थिति के बारे में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में सरकार ने कहा कि संबंधित विभाग द्वारा प्रस्ताव की जांच की जा रही है। सरकार ने आगे कहा कि आवश्यक व्यवहार्यता और तकनीकी सर्वेक्षण करने के बाद, कॉन्वेंट रोड (जॉगर्स पार्क) से शेरवानी रोड होते हुए एम.ए. लिंक रोड तक झेलम नदी पर वीओपी/पुल/फ्लाईओवर के निर्माण के लिए 143.89 करोड़ रुपये की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की गई है। इसमें आगे कहा गया है कि डीपीआर को सहमति के लिए वित्त विभाग को सौंप दिया गया है।

जम्मू-कश्मीर सरकार के कर्मचारियों के लिए मृत्यु-सह-सेवानिवृत्ति ग्रेच्युटी बढ़ाकर 25 लाख की गई

एजेंसी (हि.स.)

जम्मू

जम्मू कश्मीर सरकार ने स्पष्ट किया है कि 7वें वेतन आयोग के अंतर्गत नियमित वेतनमान पर कार्यरत कर्मचारियों के लिए मृत्यु-सह-सेवानिवृत्ति ग्रेच्युटी (डीसीआरजी) की अधिकतम सीमा 1 जनवरी, 2024 से 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दी गई है। यह वृद्धि महंगाई भत्ता (डीईआरजी) के मूल वेतन के 50% तक पहुंचने के बाद की गई है। वित्त के प्रधान सचिव द्वारा जारी स्पष्टीकरण परिपत्र में कहा गया है कि जम्मू और कश्मीर सिविल सेवा विनियम, खंड 1 के अनुच्छेद 240-बीबी के नीचे नोट 8 की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है, जिसे एसआरओ-194 दिनांक 24.04.2018 के माध्यम से जोड़ा गया था। इसमें यह प्रावधान है कि जब भी महंगाई भत्ता मूल वेतन के 50% तक बढ़ता है तो मृत्यु-सह-सेवानिवृत्ति ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा में 25% की वृद्धि होगी। दिनांक 21.05.2024 के सरकारी आदेश संख्या 178-एफ के अनुसार यह आदेश दिया गया था कि 7वें वेतन आयोग की अनुशंसाओं के अंतर्गत नियमित वेतनमानों पर कार्यरत सरकारी कर्मचारियों को 01.01.2024 से मूल वेतन के 50% की संशोधित दर से महंगाई भत्ता दिया जाएगा। वित्त विभाग को 01.01.2024 से महंगाई भत्ता 50% तक पहुंचने के परिणामस्वरूप मृत्यु-सह-सेवानिवृत्ति ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा में वृद्धि के संबंध में स्पष्टीकरण हेतु अनुरोध प्राप्त हुए हैं। मामले की जांच की गई है और यह स्पष्ट किया जाता है कि मृत्यु-सह-सेवानिवृत्ति ग्रेच्युटी प्रदान करने वाले नियमों के तहत निर्धारित अन्य शर्तों के अधीन रहते हुए मृत्यु-सह-सेवानिवृत्ति ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा को मौजूदा सीमा से 25% बढ़ाकर यानी 25 लाख रुपये कर दिया जाएगा जो 01.01.2024 से प्रभावी होगा।

कांगड़ा में 23 फरवरी को पात्र बच्चों को दी जाएगी कृमिनाशक दवा और विटामिन ए की खुराक

धर्मशाला। अतिरिक्त उपायुक्त ने कांगड़ा विनय कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर 23 फरवरी को 1 से 19 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को कृमिनाशक दवा दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इस दिन स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से जहां कृमि नाशक दवा दी जाएगी, वहीं 5 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन-ए की खुराक भी प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन का प्रयास है कि शिक्षा एवं जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए प्रत्येक बच्चे को इस अभियान के तहत कवर किया जाए। इसी कड़ी में बुधवार को अतिरिक्त उपायुक्त कांगड़ा विनय कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विवेक करोल, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के. सूद, जिला पंचायत अधिकारी सचिन ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विवेक करोल ने बताया कि विटामिन-ए की खुराक 5 वर्ष तक के बच्चों को आंखों की बीमारियों से बचाव के लिए दी जाती है, जबकि अल्बेंडाजोल की खुराक 1 से 19 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को दी जाती है।

नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ अभद्र शब्दों का प्रयोग कर रहे विधायक सुंदर सिंह : विपिन परमार

एजेंसी (हि.स.)

धर्मशाला

सुलह विधान सभा क्षेत्र के विधायक एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष विपिन सिंह परमार ने सदन में कांग्रेस विधायक सुंदर सिंह द्वारा नेता प्रतिपक्ष जय राम ठाकुर के प्रति एक्सीडेंटल मुख्यमंत्री जैसे शब्दों का प्रयोग करने पर उन्हें कड़ी फटकार लगाई है। विपिन सिंह परमार ने एक बयान में कहा कि मुख्यमंत्री को खुश करने के लिए तथा मंत्री पद को हथियाने के लिए कांग्रेस विधायक किस प्रकार के हथकंडों को अपना सकते हैं तथा सदन की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाले शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं इसे साफ तौर पर देखा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि विधानसभा में जो भी विधायक आए हैं वह लोगों के आशीर्वाद के द्वारा आए हैं, परंतु विधानसभा सत्र में आरडीजी (रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट) पर चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायक सुन्दर सिंह ने प्रतिपक्ष नेता वह पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के खिलाफ जिन शब्दों का प्रयोग किया है उन शब्दों ने सदन की गरिमा का उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधायक ने जो टिप्पणियां की उस समय नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर सदन में मौजूद नहीं थे। विपिन सिंह परमार ने कहा कि जयराम ठाकुर को सिराज की जनता ने 6 बार जितवाकर सदन में भेजा है और भाजपा पार्टी के निर्णय के बाद जयराम ठाकुर नेता बने और प्रदेश के मुख्यमंत्री चुने गए। कांग्रेस विधायक सुंदर सिंह ने जयराम ठाकुर के खिलाफ एक्सीडेंटल मुख्यमंत्री जैसे जिन शब्दों का प्रयोग किया है, उन्हें सदन से हटाया जाए।

बांदीपोरा में वन क्षेत्र में 5.73 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि दर्ज,

एजेंसी (हि.स.)

जम्मू

जम्मू कश्मीर सरकार ने बुधवार को सदन को सूचित किया कि भारत वन स्थिति रिपोर्ट (आईएसएफआर) 2023 के अनुसार बांदीपोरा वन प्रभाग में वन क्षेत्र में 5.73 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि दर्ज की गई है। विधायक निजामुद्दीन भट द्वारा वनों की कटाई से संबंधित एक प्रश्न के उत्तर में वन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण विभाग के प्रभारी मंत्री ने बताया कि बांदीपोरा में 1,864 वर्ग किलोमीटर का दर्ज वन क्षेत्र है जिसमें हिमालयी आर्द्र शीतोष्ण, शुष्क शीतोष्ण, उप-अल्पाइन और अल्पाइन वन प्रकार शामिल हैं। सरकार ने बताया कि वन क्षेत्र का आकलन राष्ट्रीय स्तर पर किया जाता है और आईएसएफआर-2023 के अनुसार बांदीपोरा जिले में पिछले आकलन की तुलना में वन क्षेत्र में 5.73 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि हुई है।

अनियंत्रित वनों की कटाई के मुद्दे पर सरकार ने कहा कि बांदीपोरा जिले से व्यवस्थित वनों की कटाई की कोई घटना सामने नहीं आई है। सरकार ने यह भी कहा कि वन संरक्षण विभाग का मुख्य कार्य है और इस पर लगातार निगरानी और जमीनी स्तर पर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने आगे बताया कि दोषियों के खिलाफ संबंधित वन कानूनों के तहत कार्रवाई की गई है। कुल 12 वन अपराध के मामले दर्ज किए गए, 26 दोषियों पर मामला दर्ज किया गया और 1,498.86 घन फुट लकड़ी और छह वाहन जब्त किए गए।

सरकार ने यह भी कहा कि हरित आवरण बढ़ाने और खराब हो चुके वन क्षेत्रों के पुनर्वास के लिए चालू वित्त वर्ष 2025-26 में स्वीकृत योजनाओं के तहत वृक्षारोपण गतिविधियां चलाई जा रही हैं। सीएएमपीए के तहत 181 हेक्टेयर क्षेत्र का उपचार किया गया है।

मौसम

हिमाचल में बदला मौसम, पहाड़ों पर बर्फबारी

शिमला में सर्द हवाएं, ठंड बढ़ी, तापमान में गिरावट

एजेंसी (हि.स.)

शिमला

हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में ताजा बर्फबारी के साथ मौसम ने एक बार फिर करवट ले ली है। जनजातीय और ऊंचे पर्वतीय क्षेत्रों में रात से शुरू हुई हल्की बर्फबारी ने ठंड का असर बढ़ा दिया है, जबकि निचले और मध्य पर्वतीय इलाकों में बादल छाए रहने और ठंडी हवाएं चलने से तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। राजधानी शिमला सहित कई शहरों में आज सुबह से सर्द हवाओं के कारण लोगों को फिर से सर्दी का अहसास होने लगा है।

मौसम विभाग के अनुसार ताजा पश्चिमी विक्षोभ के असर से मौसम में बदलाव आया है और ऊंचे क्षेत्रों लाहौल-स्पीति, किन्नौर, कुल्लू और चम्बा की ऊंची चोटियों पर हल्की बर्फबारी हो रही है। कई स्थानों पर आसमान बादलों से घिरा है। मौसम विभाग का कहना है कि आज कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा या बर्फबारी की संभावना बनी रह सकती है, जबकि 19 से 22 फरवरी तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम सामान्यतः शुष्क रहने का अनुमान है। इसके बाद 23 फरवरी को एक नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से ऊंचे क्षेत्रों में फिर हल्की बर्फबारी और कुछ स्थानों पर वर्षा की संभावना जताई गई है।

मौसम के इस बदलाव का असर तापमान पर भी दिखने लगा है। पिछले कुछ दिनों से लगातार धूप निकलने के कारण अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर चल रहा था, लेकिन अब बादल छाने और हवाएं तेज होने से तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। खासकर ऊंचाई वाले जनजातीय क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे बना हुआ है।

मौसम विभाग का कहना है कि अगले कुछ दिनों तक रात का तापमान कम बना रह सकता है, जबकि दिन का तापमान धीरे-धीरे सामान्य स्तर के आसपास रहने की संभावना है।

प्रदेश के विभिन्न शहरों में दर्ज न्यूनतम तापमान के अनुसार कई स्थानों पर सर्दी का असर स्पष्ट दिखाई दे रहा है। शिमला में आज न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुंदरनगर में 9.9 डिग्री, भुंतर में 9.2 डिग्री, धर्मशाला में 9.4 डिग्री, ऊना में 9.0 डिग्री, नाहन में 9.5 डिग्री, पालमपुर में 10.0 डिग्री और सोलन में 6.0 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रिकॉर्ड किया गया। मनाली में यह 5.4 डिग्री, कांगड़ा में 10.5 डिग्री, मंडी में 9.7 डिग्री, बिलासपुर में 10.5 डिग्री और जुब्बड़हट्टी में 9.4 डिग्री दर्ज किया गया। ऊंचाई वाले इलाकों में ठंड ज्यादा रही, जहां कुकुमसेरी में तापमान माइनस 5.9 डिग्री और ताबो में माइनस 5.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मुख्यमंत्री सैनी ने उचाना हलके में खोला घोषणाओं का पिटारा

मुख्यमंत्री ने उचाना में स्वास्थ्य, सड़क और सिंचाई सहित मूलभूत सुविधाओं के लिए कई बड़े विकास कार्यों की घोषणाएं की

उचाना में नई अतिरिक्त अनाज मंडी और मार्केट कमेटी भवन बनेगा: मुख्यमंत्री

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जींद जिले के उचाना विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य, सड़क और सिंचाई सहित मूलभूत सुविधाओं को बढ़ावा देने के लिए कई अहम घोषणाएं की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड द्वारा उचाना में नई अतिरिक्त अनाज मंडी और मार्केट कमेटी के भवन का निर्माण करवाया जाएगा।

मुख्यमंत्री बुधवार को उचाना में आयोजित धन्यवाद रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान उचाना विधानसभा के विकास के लिए 5 करोड़ रुपये, इसके अतिरिक्त उचाना शहर की ब्राह्मण धर्मशाला, पिछड़ा समाज की धर्मशाला तथा अग्रवाल समाज की धर्मशाला के लिए स्वेच्छिक कोटे से 11-11 लाख रुपए देने की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि गांव थुआ के मोगा नंबर 3600 एल बधाना माइनर के खाल को 75 लाख रुपये की लागत से पक्का किया जाएगा। साथ ही उचाना विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न वाटर कोर्स की रिमॉडलिंग तथा रिहैबिलिटेशन तथा छह जल मार्गों की रिमॉडलिंग तथा रिहैबिलिटेशन कराई जाएगी। इस कार्य पर 3 करोड़ 72 लाख रुपये का खर्चा आएगा। उन्होंने कहा कि घोघड़ियां के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तथा उचाना खुर्द में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का नया भवन बनवाया जाएगा। साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र करसिंधु को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अपग्रेड किया जाएगा। इन विकास कार्यों पर लगभग 20 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि सिंचाई विभाग की गांव बरसोला सब माइनर आरडी 19000 से 36500 तक का पुनर्वास किया जाएगा। उचाना विधानसभा में पंचायती राज विभाग के तहत ग्राम पंचायतों द्वारा दिये गए भवनों में ई-लाइब्रेरी तथा जिम हॉल खोले जाएंगे। पीडब्ल्यूडी के दायरे में आने वाले कहसुन-बड़ौदा से लेकर बाबा नागदेव मंदिर तक की सड़क को 18 फुट चौड़ा किया जाएगा। इसी प्रकार गांव सफा खेड़ी, तारखा, सुदकैन खुर्द तथा थुआ में आंगनवाड़ी केंद्रों का निर्माण करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि गांव कहसुन में जल घर का नवीनीकरण, बुस्टिंग स्टेशन ,वाटर ट्रीटमेंट प्लांट व गलियों में नई पाइपलाइन बिछाई जाएगी। इन विकास कार्यों पर 3 करोड़ रुपए की राशि खर्च की जाएगी। मुख्यमंत्री ने 9 करोड़ रुपये की लागत से उचाना शहर की पुरानी व अधूरी सीवरेज व्यवस्था को दुरुस्त करवाने की घोषणा भी की। उन्होंने गांव पेगा में जल निकासी योजना के विस्तार करने तथा डीआई पाइप लाइन बिछाने का ऐलान भी किया। इन विकास कार्यों पर लगभग 9 करोड़ 33 लाख रुपए की धन राशि खर्च की जाएगी। इसी प्रकार गांव करसिंधु को महाग्राम योजना में शामिल कर वहां सीवरेज सिस्टम तथा एसटीपी लगाने जैसे विकास कार्यों पर लगभग 50 करोड़ की धन राशि खर्च की जाएगी। उन्होंने राजकीय उच्च विद्यालय घासो, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कहसुन और राजकीय माध्यमिक विद्यालय बिघाना, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अलेवा तथा राजकीय माध्यमिक विद्यालय खांडा में कुल 15 अतिरिक्त क्लासरूम का निर्माण तथा अन्य कार्य कराए जाने की घोषणा भी की।

उन्होंने कहा कि बरसोला माइनर और ढाकल हेड के लिए एक कमेटी बनाकर इस काम को पूरा करवाने का काम करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उचाना में टीएससी एवं पुरानी अनाज मंडी की स्पेशल रिपेयर कराई जाएगी। हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड द्वारा उचाना हलके के विभिन्न गांवों की लगभग 5 करोड़ की लागत से पुरानी सड़कों को चौड़ा और उनकी मरम्मत कराई जाएगी तथा 25 कि.मी. की नई सड़कों का निर्माण भी किया जाएगा।

उचाना विधानसभा की 122 कि.मी. की 146 सड़क जो डीएनपी की अवधि में है, उन्हें आवश्यकता अनुसार संबंधित एजेंसी द्वारा ठीक करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में इसी प्रकार 15 कि.मी. की 7 सड़कों का निर्माण प्रगति पर है और 3 कि.मी. की दो सड़कों की 51 लाख 61 हजार की लागत से स्पेशल रिपेयर करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि उचाना विधानसभा क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग की 18 सड़कों की 32 करोड 75 लाख रुपए की लागत से विशेष मरम्मत एवं नवीनीकरण करवाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने उचाना में 103.30 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं को दी सौगात

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज उचाना में आयोजित धन्यवाद रैली के दौरान विधानसभा क्षेत्र के विकास को नई गति देते हुए 103 करोड़ 30 लाख 84 हजार रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। प्रदेश सरकार का उद्देश्य हर क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत कर आमजन के जीवन को सरल और बेहतर बनाना है। मुख्यमंत्री ने तीन विकास कार्यों का उद्घाटन किया गया है, जिन पर 28 करोड़ 54 लाख 7 हजार रुपये की लागत आई है। वहीं दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी, जिनकी कुल लागत 74 करोड़ 76 लाख 77 हजार रुपये है। इन कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र में पेयजल, सिंचाई, खेल और स्वच्छता से जुड़ी सुविधाओं में व्यापक सुधार होगा। नरवाना के जल सेवा मंडल के तहत 22 करोड़ 31 लाख 74 हजार रुपये की लागत से सुदकैन डिस्ट्रीब्यूटरी (आरडी 56000 से 118000 तक) के जीर्णोद्धार कार्य का उद्घाटन किया गया। इसके अंतर्गत सिरसा ब्रांच के आरडी 189990/एल से ऑफ-टेक सहित संबंधित ढांचागत संरचनाओं का पुनर्निर्माण भी किया जाएगा, जिससे सिंचाई व्यवस्था अधिक सुदृढ़ और प्रभावी बनेगी। मुख्यमंत्री ने खेल विभाग के 3 करोड़ 52 लाख रुपये की लागत से ब्लॉक उचाना के गांव डूमरखां कलां में निर्मित मल्टीपर्पज हॉल का उद्घाटन किया, इससे युवाओं को खेल गतिविधियों के लिए बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। इसके साथ ही 2 करोड़ 70 लाख 33 हजार रुपये की लागत से गांव सुदकैन कलां में जलापूर्ति योजना के नवीनीकरण, सुदृढ़ीकरण और शेष पाइपलाइन बिछाने के कार्य किया जाएगा। इससे ग्रामीणों को स्वच्छ और पर्याप्त पेयजल की सुविधा सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा 43 करोड़ 81 लाख 29 हजार रुपये की लागत से महाग्राम योजना के तहत गांव नगूरा में जलापूर्ति को मजबूत करने तथा नए वाटर वर्क्स के निर्माण का शिलान्यास किया तथा 30 करोड़ 95 लाख 48 हजार रुपये की लागत से गांव छातर में सीवरेज योजना लागू करने की आधारशिला भी रखी।

राज्यपाल घोष ने स्वामी रामकृष्ण परमहंस को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने बुधवार को लोक भवन में स्वामी रामकृष्ण परमहंस जी की जयंती पर उन्हें दिल से श्रद्धांजलि दी। राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा, मैं महान संत स्वामी रामकृष्ण परमहंस जी को उनकी जयंती पर दिल से श्रद्धांजलि देने के लिए सिर झुकाता हूं। दुनिया भर में भाईचारा, भक्ति और आध्यात्मिक जागृति की उनकी हमेशा रहने वाली शिक्षाएं इंसानियत को प्रेरित करती रहती हैं।

राज्यपाल के सचिव डीके बेहेरा, राज्यपाल के अउ्ळ (ढ) शुभम सिंह और लोक भवन के दूसरे बड़े अधिकारियों ने भी स्वामी रामकृष्ण परमहंस जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी।

उचाना धन्यवाद रैली में गरजे कैबिनेट मंत्री

कहा: मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हो रहा प्रदेश का चहुंमुखी विकास

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जींद जिला के उचाना में आयोजित धन्यवाद रैली में उचाना विधानसभा क्षेत्र को 103 करोड़ 31 लाख रुपये लागत की 5 विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास भी किए। इनमें 28 करोड़ 54 लाख लागत के 3 उद्घाटन और 74 करोड़ 77 लाख रुपए की लागत के 2 शिलान्यास शामिल है।

इस दौरान उपस्थित जनसमूह को प्रदेश के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोकनिर्माण मंत्री रणबीर गंगवा, समाज कल्याण व अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी और हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ कृष्ण मिड्ढा ने भी संबोधित किया।

जनता ने घरानों का वहम निकालने का काम किया: गंगवा

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोकनिर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में डबल इंजन की सरकार तेजी से विकास कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान प्रदेश में जो माहौल था, उसे दूर करने का काम करते हुए उचाना की जनता ने बीजेपी सरकार बनवाई। आज पूरे हरियाणा में मुख्यमंत्री समान विकास करने का काम कर रहे है। गंगवा ने कहा कि कई लोगों को वहम था कि यहां से केवल बड़े घराने ही जीत सकते है। इतना ही नहीं, यह वहम भी था कि वे बीजेपी के अंदर आएं है तभी बीजेपी की सरकार बनी है। यह वहम भी निकालने का काम उचाना की जनता ने किया है।

किसी की पेंशन नहीं काटी: बेदी

समाज कल्याण व अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि बांगर की धरती का हमेशा से राजनीति में अहम रोल रहा है। एक समय था, जब कांग्रेस की यहां से 5 सीट आई थी, ऐसे ही चौधरी देवीलाल भी यहां से जीते। लेकिन अब यहां की जनता बीजेपी पर राजी है, और नरेंद्र मोदी और नायब सिंह सैनी पर यहां की जनता ने विश्वास जताया है। उन्होंने कहा कि जनता का भला होता देख विपक्षियों को यह हजम नहीं हो रहा और वो जनता के बीच दुष्प्रचार करने का काम कर रहे है। बेदी ने पेंशन के मुद्दे पर कहा कि सरकार ने ना किसी की पेंशन बंद की, ना किसी के काटने की योजना थी। सिर्फ जिनकी शिकायत थी अधिकारियों द्वारा उन्हें चैक करने के लिए रोका गया था। मगर मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि चैकिंग बाद में करते रहना पर पेंशन किसी की नहीं रुकनी चाहिए।

हरियाणा में हो रहा है चहुमुंखी विकास: मिड्ढा

हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का एक ही भाव है कि सत्ता नहीं, सेवा बड़ी होती है, राजनीति नहीं, जिम्मेदारी बढ़ी होती है। इसी के तहत 90 विधानसभा में जाकर मुख्यमंत्री विकास कार्यो को गति दे रहे है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार विकास कार्यो को तेज गति से कर रही है। डॉ मिड्ढा ने जींद जिला में हाल ही में करवाये गये विकास कार्यो का भी ब्यौरा देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने जींद में नया बाईपास, मेडिकल कॉलेज, नया रेलवे स्टेशन, जींद जिला को आईएमटी जैसी सौगाते दी है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यो को देख आज हालात यह है कि विपक्ष बौखला चुका है। चुनाव से पहले कांग्रेस सत्ता में आने की बातें करती थी, लेकिन जनता ने उनकी हवा ही निकाल कर रख दी।

संक्षिप्त-समाचार

बजट सत्र के लिए इनेलो की तरफ से दिए गए 11 ध्यानाकर्षण प्रस्ताव

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा में 20 फरवरी से शुरू होने वाले बजट सत्र के लिए सदन में इनेलो के विधायक दल के नेता आदित्य देवीलाल और विधायक अर्जुन चौटाला ने विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर जनहित से जुड़े 11 ध्यानाकर्षण प्रस्ताव दिए हैं। बुधवार को इनेलो कार्यालय की तरफ से जारी जानकारी के अनुसार एसवाईएल नहर निर्माण के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए आदेश पर कोई कार्रवाई न किए जाने, स्पष्टीकरण, प्रदेश में बढ़ते अपराध के कारण खराब हुई कानून व्यवस्था, प्रदेश के सरकारी स्कूलों में हजारों की संख्या में खाली पड़े शिक्षकों के पद, प्रदेश में बेतहाशा बढ़ रहे नशे, विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक कर्मचारियों की भारी कमी, एचटेट में परीक्षार्थियों से करीब 72 लाख रुपए की अतिरिक्त वसूली करने, वृद्धावस्था सम्मान पेंशन, चंडीगढ़ में विधानसभा भवन के लिए जगह अलॉट न करवा पाने, श्रम मंत्रालय में हुए 1500 करोड़ रुपए के घोटाले पर अभी तक कोई कार्रवाई न करने, वोकेशनल शिक्षा के लिए प्रशिक्षण संस्थानों में शिक्षकों की भारी कमी, धान एवं बाजरा खरीद में हुए घोटाले पर कोई ठोस कार्रवाई न करने बारे ध्यानाकर्षण प्रस्ताव दिए हैं। साथ ही विधायक आदित्य देवीलाल की तरफ से मुख्यमंत्री समेत स्वास्थ्य मंत्री, कृषि मंत्री, राजस्व मंत्री, सिंचाई मंत्री, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री एवं आबकारी मंत्री से उनके विभागों से संबंधित 9 तारांकित एवं 2 अतारांकित प्रश्न भी पूछे गए हैं। इनेलो विधायक अर्जुन चौटाला की तरफ से भी मुख्यमंत्री, गृह मंत्री, कृषि मंत्री, शिक्षा मंत्री और स्वास्थ्य मंत्री से उनके विभागों से जुड़े अति महत्वपूर्ण 8 तारांकित और 2 अतारांकित प्रश्न पूछे गए हैं।

सरकार सिरसा से पलवल तक साफ पीने का पानी देने में नाकाम: सैलजा

चंडीगढ़। पलवल जिले के छाइंसा गांव में गंदे पानी से हुई मौतों और बीमारियों के फैलने ने पूरे राज्य को हिलाकर रख दिया है। कांग्रेस की महासचिव, पूर्व मंत्री और सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने इस घटना पर हरियाणा सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि यह सिर्फ एक गांव की त्रासदी नहीं है, बल्कि पूरे राज्य में खराब हो रहे पीने के पानी के सिस्टम की एक बुरी झलक है। मीडिया को जारी एक बयान में सांसद सैलजा ने कहा कि सिर्फ 15 दिनों में 15 मौतें, जिनमें छह मासूम बच्चे भी शामिल हैं, प्रशासनिक लापरवाही की हद दिखाती है। उन्होंने कहा कि घरों में बिना सही क्लोरीनेशन या प्यूरिफिकेशन के पानी सप्लाई किया जा रहा था, जिससे जानलेवा बीमारियां हो रही हैं। टेस्ट किए गए 107 पानी के सैंपल में से 23 क्वालिटी चेक में फेल हो गए, और कई सैंपल में कोलीफॉर्म बैक्टीरिया का मिलना साफ दिखाता है कि लोगों को गंदा पानी सप्लाई किया गया था। कुमारी सैलजा ने कहा कि 1,500 से ज्यादा लोगों की स्क्रीनिंग, 800 से ज्यादा ओपीडी जांच और सैकड़ों ब्लड सैंपल इका करने के बाद भी, सरकार ने तुरंत एक्शन नहीं लिया। गाँव वाले बुखार, पीलिया, उल्टी और पेट दर्द से परेशान होते रहे, जबकि जिम्मेदार विभाग व अधिकारी चुपचाप देखते रहे। कुमारी सैलजा ने कहा कि यह मामला सिर्फ. पलवल तक ही सीमित नहीं है। सिरसा से लेकर पलवल तक, हरियाणा के कई हिस्सों में साफ पीने के पानी की भारी कमी और क्वालिटी की गंभीर चिंताएँ हैं। कुछ जगहों पर हेपेटाइटिस फैल रहा है, जबकि दूसरी जगहों पर कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, यह लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ करने जैसा है। कुमारी सैलजा ने सवाल किया कि जब लोगों के नलों तक साफ पानी नहीं पहुंच रहा है, तो सरकार तथाकथित अमृत काल में तरक्की का दावा कैसे कर सकती है। अगर पानी ही जहर बन जाए तो आम नागरिक की जिंदगी कैसे सुरक्षित रह सकती है। उन्होंने आगे सवाल किया कि क्या गरीब और किसान समुदायों की जिंदगी को बेकार समझा जा रहा है। सैलजा ने छाइंसा घटना की हाई-लेवल और समय पर जांच, दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, प्रभावित परिवारों को सही मुआवजा और पीने के पानी की क्वालिटी टेस्ट करने के लिए राज्य भर में एक खास ड्राइव की मांग की ताकि यह पक्का हो सके कि भविष्य में ऐसी दुखद घटना दोबारा न हो।

बीएड में दाखिले हेतु ऑनलाइन आवेदन 27 फरवरी तक

चंडीगढ़। इग्नू द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026 के लिए बैचलर ऑफ एजुकेशन (इ.एं) कार्यक्रम में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस कार्यक्रम में प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा। इग्नू क्षेत्रीय केंद्र करनाल के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्मपाल ने जानकारी देते हुए बताया कि अभ्यर्थियों को केवल ऑनलाइन माध्यम से ही पंजीकरण करना होगा। किसी प्रकार के हार्ड कॉपी आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि 27 फरवरी, 2026 है। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों को पहले पोर्टल पर पंजीकरण करना अनिवार्य है, तत्पश्चात वे ऑनलाइन आवेदन/प्रवेश परीक्षा फॉर्म भर सकेंगे। ऑनलाइन पंजीकरण एवं आवेदन के लिए आधिकारिक पोर्टल https://ignou-bed. samarth. edu. in/index. php पर जाएं। उन्होंने बताया कि बी.एड. कार्यक्रम में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी के पास मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक/स्नातकोत्तर डिग्री निर्धारित अंकों सहित होना आवश्यक है तथा एनसीटीई के मानकों को पूरा करना अनिवार्य है। अंतिम चयन प्रवेश परीक्षा में प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा।

टीबी को खत्म करने की राह पर मजबूती से आगे बढ़ रहा हरियाणा : एसीएस हेल्थ

राज्य में 90 प्रतिशत टीबी रोगियों का ईलाज सफल: डॉ. सुमिता मिश्रा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा में स्वास्थ्य के प्रति दृढ प्रतिबद्धता, डिजिटल नवाचार, मजबूत निदान प्रणाली एवं जनभागीदारी के साथ टीबी को खत्म करने और हर प्रभावित व्यक्ति की सम्मानजनक देखभाल सुनिश्चित करने करने के लिए कार्य किया जा रहा है। अतिरिक्त मुख्य सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत रोगियों पर फोकस करते हुए निरीक्षण में टीबी दवा अभियान सबसे आगे रहा है।

स्वास्थ्य विभाग का राज्य टीबी सेल वेबसाइट टीबी सेवाओं की सही समय पर लोगों तक पहुँच बनाने, टीबी से होने वाली मौतों को कम करने के लिए चलाए जाने वाले जागरूकता अभियान के रूप में कार्य कर रहा है। नेशनल निक्षय डिजिटल प्लेटफॉर्म टीबी से ठीक हुए लोगों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में सहायता करने वाला अग्रणी केन्द्र है। उन्होंने बताया कि राज्य में टीबी से जुड़ी सेवाओं तक पारदर्शी जनभागीदारी बढ़ाई जा रही है। राज्य सरकार ऐसे लाभार्थियों को जल्द ही लाभ दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि टीबी मुक्त होने के बाद लोगों को सुरक्षित जीवन मिल सके। जनवरी से दिसंबर 2025 तक राज्य की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने बताया कि हरियाणा में एक लाख आबादी पर 9,75,000 लक्ष्य के मुकाबले 3,848 टेस्ट लिए गए जिसमें 2,52,537 थूक सैम्पल में से 88,689 टीबी केस पाए गए, जो सालाना लक्ष्य का 98 प्रतिशत है। इसी प्रकार प्राइवेट सेक्टर में भी पब्लिक-प्राइवेट कोऑर्डिनेशन से 105 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है। वर्ष 2024 में 74,483 टीबी रोगियों का सफलतापूर्वक इलाज करते हुए 90 प्रतिशत ईलाज रेट हासिल किया। इसमें एचआईवी टेस्टिंग 98 प्रतिशत, जबकि डायबिटीज जांच में 96 प्रतिशत टीबी रोगियों को कवर किया गया, जिससे सहयोगी परिस्थितियों में एकीकरण प्रबंधन मजबूत हुआ। सूक्ष्म जीव विज्ञान से कन्फर्म 90 प्रतिशत मामलों में सर्वभौमिक दवा संवेदनशीलता परीक्षण किया गया, जिससे देखभाल की गुणवता बेहतर हुई और ईलाज के सार्थक परिणाम रहे। डॉ. मिश्रा ने बताया कि हरियाणा में स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर लगातार बढ़ रहा है, जिसमें 23 जिला टीबी सेंटर, 168 टीबी यूनिट और 452 माइक्रोस्कोपी सेंटर में 45 सीबीएनएएटी मशीनों, 53 ट्रूनेट मशीनों और करनाल और पीजीआईएमस रोहतक में दो कल्चर और दवा संवेदनशीलता टेस्टिंग लैब से बेहतर सेवाएं दी जा रही हैं।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन 28 फरवरी तक

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति योजना के तहत अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं विमुक्त जनजाति के विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। पात्र विद्यार्थियों को नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर पंजीकरण करवाना अनिवार्य है।

विभाग के एक प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि योजना के तहत 10वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के उपरांत सरकारी अथवा निजी शिक्षण संस्थाओं में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे अनुसूचित जाति व पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थी इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। इस योजना के तहत अनुसूचित जाति व पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए छात्रवृति प्रदान की जाती है। पात्र विद्यार्थी 28 फरवरी तक पंजीकरण अवश्य करें ताकि वे आर्थिक वजह से उच्च शिक्षा ग्रहण करने से वंचित न रहें। उन्होंने बताया कि पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति के लिए छात्र को पीएमएस-एससी के लिए अनुसूचित जाति श्रेणी और पीएम-यशस्वी घटक-2 के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग या विमुक्त जनजाति से संबंधित श्रेणी से होना चाहिए, छात्र हरियाणा राज्य का निवासी हो और छात्र की वार्षिक पारिवारिक आय 2 लाख 50 हजार रुपये से अधिक न हो। वह पात्र शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए 28 फरवरी तक www.scholarships.gov.in पोर्टल से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

शिव स्तुति गायन प्रतियोगिता एवं व्याख्यान का आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला के संस्कृत प्रकोष्ठ द्वारा शिवरात्रि के उपलक्ष्य में शिव स्तुति गायन प्रतियोगिता एवं व्याख्यान का आयोजन किया गया। पंचकूला एवं पंचकूला के समीपवर्ती गुरुकुल एवं संस्कृत संस्थाओं के छात्रों ने इस प्रतियोगिता में बड़े उत्साह से भाग लिया। इस प्रतियोगिता में लगभग 25 विद्यार्थियों ने शिव स्तुति गायन से अकादमी वातावरण को पवित्र एवं रसमय बना दिया। शिवस्तुति प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए चन्दन भारद्वाज, सनातन धर्म संस्कृत महाविद्यालय, सैक्टर-23 बी, चण्डीगढ़ को प्रथम, गीतांश, आर.के.एस.डी. कॉलेज, कैथल को द्वितीय तथा पुष्कर, सनातन धर्म संस्कृत महाविद्यालय, सैक्टर-23 बी. चण्डीगढ़ को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। इसी प्रकार चण्डीगढ़ से राहुल चमोली और हिमांशु शर्मा तथा

मनसादेवी गुरुकुल से प्रियांशु अवस्थी तथा रुद्रांश ठाकुर को प्रोत्साहन पुरस्कार दिये गये।

इस अवसर पर अकादमी के कार्यकारी उपाध्यक्ष प्रो. कुलदीप चन्द अग्निहोत्री ,अकादमी सदस्य सचिव मनजीत सिंह ,उर्दू प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ चन्द्रत्रिखा तथा हिन्दी एवं हरियाणवी प्रकोष्ठ के निदशक डॉ. धर्मदेव विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ताओं के रूप में डॉ. कामदेव झा. डॉ. आशुतोष अंगिरस तथा डॉ. विनय सिंघल ने शिव स्तुति एवं शिव शक्ति पर बड़े ही रोचक ढंग से अपने-अपने वैदुष्यपूर्ण विचार प्रस्तुत किए।

विकास | **एसएलएससी ने दी 402 करोड़ रुपये से अधिक की सौर ऊर्जा आधारित सूक्ष्म सिंचाई परियोजनाओं को मंजूरी**

हरियाणा के 94 गांवों के लगभग 8,900 किसानों को मिलेगा लाभ

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

11,040 हेक्टेयर क्षेत्र आएगा आधुनिक सिंचाई के दायरे में

सतत कृषि और वैज्ञानिक जल प्रबंधन को बढ़ावा देने के मकसद से राज्य स्तरीय स्वीकृति समिति (एसएलएससी) ने हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में सूक्ष्म सिंचाई एवं कमान एरिया विकास प्राधिकरण (मिकाडा) के अंतर्गत चार सामुदायिक सौर ऊर्जा आधारित एकीकृत सूक्ष्म सिंचाई परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

कुल 402.41 करोड़ रुपये लागत की ये परियोजनाएं भिवानी, झज्जर, कुरुक्षेत्र और महेंद्रगढ़ जिलों के 20 ब्लॉकों में स्थित 61 नहरी आउटलेट्स पर लागू की जाएंगी। वर्ष 2026-27 से 2028-29 के बीच पूरी होने वाली इन परियोजनाओं से 11,040 हेक्टेयर कृषि योग्य कमांड एरिया आधुनिक सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली के अंतर्गत आ जाएगा तथा 94 गांवों के 8,926 किसानों को सीधा लाभ होगा। जिला-वार स्वीकृत राशि में भिवानी के लिए 95.78 करोड़, झज्जर के लिए 114.68 करोड़, कुरुक्षेत्र के लिए 77.17 करोड़ तथा महेंद्रगढ़ के लिए 114.78 करोड़ रुपये शामिल हैं। परियोजनाओं का लाभ-लागत अनुपात 1.21:1 से 1.65:1 के बीच है, जो उनकी आर्थिक व्यवहार्यता और दीर्घकालिक लाभ को दशार्ता है। नहरी क्षेत्रों में ड्रिप और स्प्रिंकलर प्रणाली को बढ़ावा देकर, इन परियोजनाओं का लक्ष्य जल उपयोग दक्षता बढ़ाना, ट्रांसमिशन हानि कम करना और फसल उत्पादकता बढ़ाना है।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि जल की आपूर्ति और मांग का समन्वित प्रबंधन जलवायु

परिवर्तन और गिरते भूजल स्तर की चुनौतियों से निपटने के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विभागों को परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन, सख्त निगरानी और बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि निर्धारित अवधि में किसानों तक इनका लाभ पहुंच सके। सौर ऊर्जा आधारित प्रणाली से परिचालन लागत में कमी आएगी और सिंचाई पर्यावरण के अनुकूल बनेगी। उन्होंने अधिकारियों को खेतों में जाकर किसानों के साथ श्रेष्ठ प्रथाओं को साझा करने के निर्देश भी दिए। समिति ने पीडीएमसी (पर ड्रॉप मोर क्रॉप) दिशानिर्देश, 2025 के अनुसार निमार्ता एवं आपूर्तिकताओं के पंजीकरण सहित 16 व्यापक सुधार एजेंडों की समीक्षा कर उन्हें मंजूरी दी। 165 आवेदनों की गहन जांच के बाद 147 निमार्ताओं एवं आपूर्तिकताओं को वर्ष 2025-26 से 2029-30 तक पंजीकरण के लिए पात्र पाया गया। विक्रेताओं ने राज्य/पीडीएमसी मानकों के अनुरूप दरें निर्धारित करने पर सहमति व्यक्त की, जिससे किसानों को कीमतों के उतार-चढ़ाव से संरक्षण मिलेगा। यह योजना लाभार्थी-आधारित प्रत्यक्ष लाभ अंतरण/इन-काइंड मॉडल के तहत जारी रहेगी। इससे किसान आपूर्तिकर्ता का चयन कर सकेंगे परंतु अनुदान स्वीकृत लागत सीमा के भीतर ही जारी किया जाएगा। पारदर्शिता बढ़ाने के लिए मिकाडा पोर्टल को जीएसटी पोर्टल से जोड़ा जाएगा, ताकि बिलों का डिजिटल सत्यापन हो सके और फर्जी या बढ़े हुए बिलों पर रोक लगे। विक्रेताओं के लिए वित्तीय जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए घटक-वार बैंक गारंटी व्यवस्था को भी मंजूरी दी गई है तथा नियमानुसार जीएसटी को अनुदान हिस्से के तौर पर शामिल किया गया है। गुणवत्ता आश्वासन तंत्र को भी मजबूत किया गया है। प्रयोगशाला परीक्षण रिपोर्टों की राज्य स्तर पर जांच, उल्लंघन पर कड़े दंड प्रावधान तथा प्रतिवर्ष कम से कम 20 प्रतिशत परियोजनाओं की स्वतंत्र निगरानी का प्रावधान किया गया है। क्लस्टर-आधारित क्रियान्वयन रणनीति और सार्वजनिक-निजी-सीएसआर मॉडल पर भी विचार किया गया, ताकि खास तौर पर अनुसूचित जाति, लघु एवं सीमांत किसानों को दीर्घकालिक रखरखाव सहयोग मिल सके। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022-23 से 2024-25 के बीच मिकाडा ने 18 जिलों में नाबार्ड वित्तपोषित 99 माइक्रो सिंचाई फंड योजनाएं 563.43 करोड़ रुपये की लागत से सफलतापूर्वक लागू की हैं। सहायक अवसंरचना का कार्य पूरा किया जा चुका है और लक्षित क्षेत्र के लगभग 40 प्रतिशत भाग में सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली स्थापित की जा चुकी है।

संपादकीय

अरुणाचल के करीब चीन की परमाणु तैयारी? एशिया की सुरक्षा पर मंडराने लगे खतरे के बादल

एशिया की सामरिक राजनीति में हाल के समय में जिस विषय ने सुरक्षा विश्लेषकों, कूटनीतिज्ञों और नीति-निमार्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा है, वह हिमालयी सीमाओं के आसपास बढ़ती सैन्य गतिविधियाँ हैं। विशेष रूप से यह चर्चा तेज हुई है कि चीन अपने पश्चिमी थिएटर कमांड क्षेत्र में सैन्य ढाँचे को तेजी से सुदृढ़ कर रहा है, जिसमें आधुनिक मिसाइल प्रणालियाँ, भूमिगत भंडारण नेटवर्क और परमाणु-संबंधित क्षमता से जुड़े बुनियादी ढाँचे के विस्तार जैसी संभावनाएँ शामिल बताई जा रही हैं। यह परिदृश्य भारत के लिए इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि ऐसी गतिविधियों का उल्लेख पूर्वोत्तर सीमा के आसपास, विशेषकर अरुणाचल प्रदेश से जुड़े भूभाग के संदर्भ में किया जा रहा है। पत्रकारिता और रणनीतिक विमर्श के मंचों पर यह सवाल बार-बार उठ रहा है कि क्या यह केवल सैन्य आधुनिकीकरण की सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है या फिर क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को प्रभावित करने वाला दीर्घकालिक कदम। सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचनाएँ सीमित हैं, किंतु सैटेलाइट चित्रों और रक्षा अध्ययन संस्थानों के विश्लेषणों के आधार पर यह संकेत मिलते हैं कि सीमा क्षेत्रों में लॉजिस्टिक नेटवर्क का विस्तार, एयरफील्ड उन्नयन तथा संभावित मिसाइल तैनाती से संबंधित गतिविधियाँ बढ़ी हैं। ऐसी परिस्थितियों में सुरक्षा समुदाय की चिंता स्वाभाविक है, क्योंकि परमाणु क्षमता से जुड़ी किसी भी संभावना का विवादित सीमा क्षेत्रों के समीप उभरना रणनीतिक जोखिमों को बढ़ा देता है और संकट की स्थिति में प्रतिक्रिया समय को सीमित कर सकता है। यह भी उल्लेखनीय है कि पिछले एक दशक में चीन ने अपने सैन्य ढाँचे में व्यापक परिवर्तन किए हैं। विशेष रूप से पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने तकनीकी आधुनिकीकरण, साइबर युद्धक क्षमता, अंतरिक्ष निगरानी प्रणालियों और लंबी दूरी की मिसाइल तकनीक में उल्लेखनीय निवेश किया है। इन पहलों का उद्देश्य केवल सीमित क्षेत्रीय सुरक्षा नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन में अपनी भूमिका को सुदृढ़ करना भी माना जाता है। इसी कारण हिमालयी सीमाओं पर सैन्य ढाँचे का विस्तार केवल द्विपक्षीय मुद्दा नहीं रह जाता, बल्कि यह व्यापक भू-राजनीतिक समीकरणों का हिस्सा बन जाता है, जिसमें इंडो-पैसिफिक रणनीति से लेकर अंतरराष्ट्रीय गठबंधनों तक अनेक आयाम शामिल होते हैं। भारत के दृष्टिकोण से यह चुनौती बहुआयामी है। एक ओर उसे सीमावर्ती सुरक्षा ढाँचे और निगरानी तंत्र को मजबूत करना आवश्यक है, वहीं दूसरी ओर क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने के लिए कूटनीतिक संतुलन बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है। बीते वर्षों में सीमावर्ती सड़कों, पुलों, सुरंगों और हवाई संपर्क के विकास के साथ-साथ तकनीकी निगरानी प्रणालियों के विस्तार जैसे कदम इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा रहे हैं। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि आधुनिक सुरक्षा वातावरण में केवल सैन्य शक्ति पर्याप्त नहीं होती; तकनीकी नवाचार, डेटा-आधारित खुफिया समन्वय और अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी सामरिक संतुलन के महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुके हैं। वैश्विक संदर्भ में देखें तो परमाणु हथियारों का प्रसार दशकों से अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा विमर्श का केंद्र रहा है। चाहे शीतयुद्ध के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस के बीच प्रतिस्पर्धा रही हो या एशिया-प्रशांत क्षेत्र में बदलते सामरिक समीकरण–परमाणु क्षमता हमेशा शक्ति संतुलन का निर्णायक तत्व रही है। इस पृष्ठभूमि में किसी संवेदनशील सीमा क्षेत्र के निकट परमाणु-संबंधी ढाँचों की चर्चा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बहस को जन्म देती है और वैश्विक रणनीतिक समुदाय की निगाहें इस दिशा में केंद्रित हो जाती हैं। क्षेत्रीय तनाव को समझने के लिए केवल सैन्य गतिविधियों को देखना पर्याप्त नहीं है। राजनीतिक संदेश, कूटनीतिक संकेत और रणनीतिक घोषणाएँ भी तनाव के स्वरूप को प्रभावित करती हैं। उदाहरण के तौर पर ताइवान को लेकर बढ़ता तनाव या दक्षिण चीन सागर में प्रतिस्पर्धी दावे यह दशार्ते हैं कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र एक जटिल शक्ति संतुलन के दौर से गुजर रहा है। इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में भारत-चीन सीमा पर होने वाली गतिविधियों को देखा जाता है, जहाँ सामरिक कदम केवल स्थानीय प्रभाव तक सीमित नहीं रहते, बल्कि वैश्विक भू-राजनीतिक समीकरणों से भी जुड़े होते हैं। हालाँकि, सुरक्षा मामलों से जुड़ी किसी भी रिपोर्ट या विश्लेषण को अंतिम निष्कर्ष मानने से पहले तथ्यों की पुष्टि आवश्यक होती है। अक्सर ऐसी सूचनाएँ आंशिक या व्याख्या-आधारित होती हैं, इसलिए पत्रकारिता की जिम्मेदारी संतुलित और तथ्यपरक दृष्टिकोण अपनाने की होती है। भय या सनसनी पैदा करने के बजाय व्यापक संदर्भ में स्थिति का मूल्यांकन करना और आधिकारिक स्रोतों के आधार पर निष्कर्ष निकालना ही पेशेवर दृष्टिकोण माना जाता है। अंततः यदि सीमा क्षेत्रों के आसपास परमाणु-संबंधी सैन्य क्षमताओं के विस्तार की संभावनाएँ सुदृढ़ होती हैं, तो यह केवल सामरिक प्रतिस्पर्धा का संकेत नहीं बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता के लिए दीर्घकालिक चुनौती भी बन सकती है। भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह रक्षा तैयारियों, तकनीकी क्षमता और कूटनीतिक संवाद को समानांतर रूप से आगे बढ़ाए। साथ ही बहुपक्षीय मंचों और अंतरराष्ट्रीय संवाद प्रक्रियाओं को सक्रिय रखना भी शांति और स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। वर्तमान परिदृश्य यह संकेत देता है कि एशिया में शक्ति संतुलन का एक नया अध्याय आकार ले रहा है–जहाँ सतर्कता, रणनीतिक संयम और दूरदर्शिता ही भविष्य की दिशा तय करेंगे।

बांग्लादेश सरकार में हिंदु समुदाय के सांसदों को मंत्री बनाने के निहितार्थ

डॉ. रमेश ठाकुर (हि.स)

पड़ोसी देश बांग्लादेश में तारिक रहमान की अगुवाई में नई सरकार शपथ ले चुकी है। खास बात ये है नयी सरकार में दो हिंदू सांसदों को मंत्री बनाया गया है। समूची दुनिया इस निर्णय को भारत के साथ प्रत्यक्ष रूप से बांग्लादेश के बिगड़े संबंधों को सुधारने की पहल के रूप में देख रही है। इस कदम से चीन-पाकिस्तान चिढ़े भी हैं। यह उनके लिए असहज स्थिति पैदा करता है कि बांग्लादेश, भारत या उसके नजदीकियों को तवज्जो दे। लेकिन, देश के नये प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने ऐसे मंसूबों को धता बताते हुए बड़ी सूझबूझ से कदम आगे बढ़ाया। बीते कुछ महीनों में 11 हिंदुओं की बर्बरता के साथ हुई हत्या ने बांग्लादेश की न सिर्फ थू-थू करवाई बल्कि दशकों से चले आ रहे भारत के साथ उसके मधुर संबंधों को भी पटरी से उतार दिया। इसे लेकर दोनों देशों में तल्खियां बनी हुई थीं। रहमान जानते हैं अगर माहौल ऐसा ही रहा तो रिश्तों की दूरियां घटने वाली नहीं। इसपर गौर करते हुए रहमान ने अपनी कैबिनेट में हिंदू समुदाय से ताल्लुक रखने वाले सांसदों को अहम औहदे सौंपे ताकि रिश्तों में फिर से नरमी लाई जा सके।

शेख हसीना की सरकार के पतन के साथ ही देश के हिंदु समुदाय को जिस तरह निशाना बनाया गया और बड़ी संख्या में भीड़ की हिंसा की घटनाएं तेजी से बढ़ीं, तारिक रहमान के सामने इन घटनाओं को तत्काल रोकने की बड़ी चुनौती है। हालांकि, इन घटनाओं को रोकने के लिए वह अपने कदम तेजी से बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री रहमान सबसे पहले पूर्व की अंतरिम सरकार के मुखिया रहे मोहम्मद यूनुस के फैसलों की गहन समीक्षा करेंगे। मोहम्मद यूनुस का झुकाव भारत को परेशान करने वाली पाकिस्तान-चीन की संयुक्त खुराफाती नीतियों की ओर ज्यादा रहा था। रहमान अच्छी तरह से समझते हैं कि जबतक मोहम्मद यूनुस कार्यकारी प्रधानमंत्री रहे, उन्होंने भारत के साथ संबंधों को बिगाड़ने की हरसंभव कोशिशे की। कुछ उन्होंने की और कुछ दूसरे देशों ने करवाई।

तारिक रहमान अपनी कैबिनेट में अल्पसंख्यक हिंदू मंत्रियों की आमद के साथ बांग्लादेश में अगले पांच सालों तक स्थिर और प्रभावशाली सरकार चलाने की मंशा रखते हैं। इसी को ध्यान में रखकर जब उनकी पार्टी बीएनपी चुनावों में जीती तो सबसे पहले वह अपने धुर विरोधी विपक्षी नेता और जमात-ए-इस्लामी प्रमुख शफीकुर रहमान के बिना बुलाए ढलती शाम के बाद उनके आवास पहुंच गए। चुनावी गुस्सेबाजियों के इतर उनसे नई सरकार में सहयोग की गुजारिश की। विपक्षी नेता ने भी राजनीतिक दुश्मनी छोड़ कर अपने घर पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

इस तरह की राजनीतिक परंपरा का प्रचार-प्रसार पूरे विश्व में होना चाहिए कि चुनाव बाद विपक्ष से सत्ता पक्ष को कैसे व्यवहार करना चाहिए। ये उन देशों के लिए सीख भी है जहां पक्ष-विपक्ष आपस में अनैतिकता की सभी सीमाएं लांघ रहे हैं। रहमान उस विपक्षी नेता के घर भी पहुंचे जिनकी पार्टी चुनाव में तीसरे स्थान पर रही। नेशनल सिटीजन पार्टी के नाहिद इस्लाम को भी गले लगाया और बांग्लादेश के विकास में उनसे भी सहयोग मांगा। राजनीति में ऐसी तस्वीरों का दिखना दुर्लभ होता है लेकिन बांग्लादेश में दिखी।

रहमान की जीत पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का उन्हें भाई बताना और उनकी जीत की खुशी में फूल-मिठाइयां को ढाका भेजना भी खतरे में पड़े संबंधों में रस भरने जैसा कहा जाएगा। साथ ही रहमान के शपथग्रहण समारोह में भारत सरकार की ओर से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का पहुंचना भी संबंधों को नए सिरे से गढ़ने जैसा है। भारत के खिलाफ अपने मंसूबों को पूरा करने के लिए जिस तरह चीन-पाकिस्तान ने बांग्लादेश के कंधों का इस्तेमाल कर देश को सत्यानाश के रास्ते पर धकेल दिया, उसका अंदाजा नवगठित सरकार के मुखिया को है। बांग्लादेश-भारत संबंध जितने बिगड़ेंगे, दोनों देश मिलकर उतना ही फायदा उठाएंगे। चीन-पाकिस्तान की जुगलबंदी ने पूर्व की कार्यकारी सरकार को कठपुतली की तरह इस्तेमाल किया। पाकिस्तान की शह पर बंगाली और हिंदुओं को खूब लड़ाया गया लेकिन 13वें राष्ट्रीय चुनाव में हिंदू समुदाय के तीन सांसद जीते हैं- जिनमें निताई रॉय चौधरी को स्पीकर, चटगांव से जीते अधिवक्ता दीपेन दीवान को पहाड़ी क्षेत्रों के संरक्षण के लिए मंत्री और गोयेश्वर रॉय चौधरी को रेलमंत्री बनाया गया है। यह तथ्य एक उम्मीद जगाते हैं।

बांग्लादेश में नई सरकार के गठन के साथ करीब एक-डेढ़ साल से देश के विभिन्न हिस्सों में हिन्दुओं के खिलाफ भीड़ की हिंसा का जो दौर चल रहा था, वो फिलहाल थमता दिख रहा है। देश की जनता को इस दिन का लंबे समय से इंतजार था। काफी जद्दोजहद और राजनीतिक अस्थिरता के बीच हुए आम चुनाव में बीएनपी ने बड़े अंतर से विजय हासिल की है। कुल 298 संसदीय सीटों में 297 पर चुनाव हुए, उनमें से रिकॉर्ड 209 सीटें बीएनपी ने जीतीं। दूसरे नंबर पर जमात-ए-इस्लामी रही जिसने 68 सीटें जीतीं। तारिक रहमान की नई कैबिनेट में डॉ. खलीलुर रहमान को विदेश मंत्री, सलाहुद्दीन अहमद को गृह मंत्री, डॉ. अमीर खसरू महमूद को वित्त एवं प्लानिंग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कुल मिलाकर तारिक रहमान ने शिक्षित और बुद्धिजीवी लोगों से अपनी कैबिनेट को सजाया है। कैबिनेट में कुल 50 मंत्री हैं, जिनमें 25 कैबिनेट और 24 राज्यमंत्री हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशिफल

मेषः आज आपका व्यक्तित्व आकर्षण का केंद्र बना रहेगा और सामाजिक दायरा मजबूत होगा। परिवार, विशेषकर बच्चों के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा। कला, संगीत या अन्य रचनात्मक गतिविधियों में रुचि बढ़ सकती है। *(सिटी दर्पण)*

वृषभः विदेश से करियर या रोजगार के नए अवसर मिलने की संभावना है, जिससे भविष्य की योजनाओं को दिशा मिल सकती है। आत्मविश्वास में वृद्धि आपको चुनौतीपूर्ण कार्यों को पूरा करने में मदद करेगी। *(सिटी दर्पण)*

मिथुनः नई योजनाओं और प्रोजेक्ट्स को लेकर आज आप अत्यधिक सक्रिय रहेंगे। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारी बढ़ सकती है और पदोन्नति या नई भूमिका मिलने की संभावना बन रही है। दाम्पत्य जीवन में संवाद की कमी से गलतफहमियां उत्पन्न हो सकती हैं, इसलिए खुलकर बात करना जरूरी रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

कर्कः आज ऊर्जा स्तर कम महसूस हो सकता है, इसलिए स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें। बिना वजह विवाद की स्थिति बन सकती है, इसलिए धैर्य बनाए रखें। वित्तीय मामलों में सतर्कता जरूरी है क्योंकि छोटी गलती से नुकसान हो सकता है। *(सिटी दर्पण)*

सिंहः आप अपनी कार्यशैली में सकारात्मक बदलाव लाने में सफल रहेंगे। व्यवसाय से जुड़े बड़े समझौते या अनुबंध मिलने के संकेत हैं। आय के नए स्रोत खोजने के अवसर मिल सकते हैं। छात्रों के लिए उच्च शिक्षा में प्रवेश के द्वार खुल सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

कन्याः दिन की शुरूआत तनावपूर्ण हो सकती है, लेकिन शाम तक मन शांत और संतुलित हो जाएगा। बीमार व्यक्तियों के स्वास्थ्य में सुधार देखने को मिल सकता है। पारिवारिक जिम्मेदारियों के चलते भागदौड़ करनी पड़ सकती है। *(सिटी दर्पण)*

तुलाः आज का दिन सकारात्मकता से भरा रहेगा। सरकारी सेवा से जुड़े लोगों पर कार्यभार कम हो सकता है। व्यापार या व्यवसाय को लेकर नए विचार मन में आते रहेंगे। निवेश से जुड़े मामलों में कुछ राहत मिल सकती है। साहित्य, दर्शन या ज्ञानवर्धक विषयों में रुचि बढ़ेगी। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिकः कार्यक्षेत्र में अपनी प्रतिष्ठा को लेकर सजग रहेंगे। वाहन से संबंधित समस्या सामने आ सकती है, इसलिए सावधानी रखें। नई जानकारी और कौशल सीखने की प्रेरणा मिलेगी, हालांकि आर्थिक सीमाएं कुछ योजनाओं को रोक सकती हैं। *(सिटी दर्पण)*

धनुः स्वास्थ्य की दृष्टि से दिन अनुकूल रहेगा। दिखावे या अनावश्यक खर्च से बचना लाभकारी होगा। नए कार्य या परियोजना की शुरूआत के लिए समय शुभ है। व्यापारिक कारणों से यात्रा करनी पड़ सकती है। कोई पुरानी इच्छा पूर्ण होने की संभावना है। *(सिटी दर्पण)*

मकरः आपके कुछ निर्णयों से परिवारजन असंतुष्ट हो सकते हैं, इसलिए संवाद बनाए रखना जरूरी है। दूसरों की मदद के लिए आर्थिक सहयोग देने की स्थिति बन सकती है। छिपे विरोधियों से सावधान रहने की जरूरत है। विश्वास से जुड़े मामलों में सतर्कता बरतें क्योंकि धोखे की आशंका है। *(सिटी दर्पण)*

कुंभः मांगलिक या सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिल सकता है। विद्यार्थियों के लिए अध्ययन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के संकेत हैं। नौकरी या करियर में उच्च पद प्राप्ति की संभावना है। लंबे समय से देखे गए सपने साकार होने की दिशा में बढ़ सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

मीनः व्यवसाय से जुड़े लोग बड़े निवेश से फिलहाल दूरी बनाए रखें। घर का वातावरण उत्साहपूर्ण रहेगा। अनुशासनहीन व्यवहार से बचना आवश्यक होगा। व्यापारिक मामलों को लेकर महत्वपूर्ण बैठक हो सकती है। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। *(सिटी दर्पण)*

साउथ ब्लॉक से सेवा तीर्थः औपनिवेशिक युग का अंत

विवेक शुक्ला (हि.स)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीती 13 फरवरी को राजधानी में सेवा तीर्थ का उद्घाटन किया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) साउथ ब्लॉक से अब सेवा तीर्थ में शिफ्ट कर गया। दरअसल, राजधानी दिल्ली आज आधुनिकता और परंपरा के अनोखे मिश्रण का प्रतीक बन रही है। केन्द्र में साल 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के आने के बाद राजधानी के सेंट्रल विस्टा में बड़े पैमाने पर विकास कार्य शुरू हो गए। सेंट्रल विस्टा री-डवलपमेंट प्रोजेक्ट 2019 में शुरू हुए थे और इसके साल 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। इस परियोजना के तहत संसद का नया भवन, सेवा तीर्थ (नया प्रधानमंत्री कार्यालय), कर्तव्य भवन और कई अन्य इमारतें बनी हैं। ये निर्माण न केवल प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने के लिए हैं बल्कि इनमें वास्तुशास्त्र के सिद्धांतों का भी व्यापक उपयोग किया गया है, जो भारतीय संस्कृति की जड़ों से जुड़े हैं।

सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट की शुरूआत इसलिए की गई क्योंकि पुरानी इमारतें बदलती हुई जरूरतों के लिहाज से अपर्याप्तहैं। पुराना संसद भवन, जो साल 1927 में बना था, अब सांसदों की बढ़तीसंख्या और आधुनिक आवश्यकताओं के लिए अपर्याप्त हो गया था। इसलिए, संसद के नये भवनका निर्माण किया गया, जिसका उद्घाटन 28 मई 2023 को किया गया। यह इमारत 64,500 वर्गमीटर में फैली है और त्रिकोणीय आकार की है, जो वास्तुशास्त्र में 'अग्नितत्व' का प्रतीक मानी जाती है। प्रख्यात वास्तु शास्त्री डॉ. जयप्रकाश शर्मा लालधागेवाले बताते हैं कि अग्नि तत्व ऊर्जा, शक्ति और सकारात्मकता का प्रतीक है, जो संसद औरसेवा तीर्थ जैसे महत्वपूर्ण स्थानों के लिए उपयुक्त है। डॉ. लालधागेवाले भी इन इमारतों के निर्माण में सलाहकार की भूमिका निभा रहे हैं। वास्तु के अनुसार, त्रिकोणीय डिजाइन भवन में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह सुनिश्चित करता है, जो निर्णय लेने की प्रक्रिया को मजबूत बनाता है।

संसद के नये भवन में छह मुख्य द्वार हैंः गज द्वार, अश्वद्वार, गरुड़ द्वार, मकर द्वार, शार्दुल द्वार और हंस द्वार। ये सभी वास्तुशास्त्र से प्रेरित हैं और भारतीय संस्कृति केप्रतीकों को दशार्ते हैं। उदाहरण के लिए, गज द्वार उत्तर दिशा में है, जो वास्तु में बुध ग्रह से जुड़ा है और बुद्धि का स्रोत माना जाता है। हाथी (गज) समृद्धि और खुशी का प्रतीक है। इसी तरह, पूर्व दिशा में अश्व द्वार सूर्योदय से जुड़ा है, जो विजय का प्रतीक है। गरुड़ द्वार उत्तर-पूर्व में है, जो ज्ञान और विवेक का प्रतिनिधित्व करता है। ये द्वार न केवल सौंदर्य बढ़ाते हैं बल्कि वास्तु के अनुसार भवन में संतुलन बनाए रखते हैं। भवन के अंदर लगभग 5,000 कलाकृतियां हैं, जो 5,000 वर्षों की भारतीय सभ्यता को दशार्ती हैं और वास्तु तथा सनातन परंपरा पर आधारित हैं। डिजाइनरोंने ब्रह्मेश्वर मंदिर से प्रेरणा ली है, जो तांत्रिक यंत्र पर आधारित है, हालांकि कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि वास्तु की गहन समझ की कमी हो सकती है। सेवा तीर्थ सेंट्रल विस्टा का महत्वपूर्ण हिस्सा है और साउथ ब्लॉक के पास 15 एकड़ में फैला है। सेवा तीर्थ में प्रधानमंत्री कार्यालय, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और कैबिनेट सचिवालय एक ही जगह पर हैं। इसका नाम 'सेवा तीर्थ' इसलिए रखा गया है क्योंकि यह 'नागरिक देवो भव' की भावना को दशार्ता है, जहां सेवा को तीर्थ के समान पवित्र माना गया है।

वास्तु के संदर्भ में, इसका डिजाइन प्रकृति से जुड़ी है, जिसमें ऊर्जा संरक्षण और सकारात्मक प्रवाह पर जोर है। यह इमारत आधुनिक बुनियादी ढांचे से सुसज्जित है लेकिन वास्तु सिद्धांतों का पालन करती है, जैसे दिशाओं का संतुलन और प्राकृतिक तत्वों का समावेश। सेवा तीर्थ के अलावा कर्तव्य भवन 1 और 2 का भी उद्घाटन हो चुका। ये कॉमन सेंट्रल सेक्रेटेरिएट (CCS) के हिस्से हैं, जो कुल 10 इमारतों की योजना में पहले हैं। कर्तव्य भवन में गृह, विदेश, ग्रामीण विकास जैसे मंत्रालय हैं।

नामचीन आर्किटेक्ट उज्ज्वल उपाध्याय कहते हैं कि ये सभी इमारतें पर्यावरण अनुकूल हैं। ये 30 फीसदी ऊर्जा बचत करती हैं और सौर ऊर्जा से 5.34 लाख यूनिट बिजली पैदा करती हैं। सेंट्रल विस्टा में कई अन्य इमारतों का निर्माण चल रहा है। राजपथ को कर्तव्य पथ में बदलना भी इसी परियोजना का हिस्सा है, जो 3 किमी लंबा है और पैदल यात्री अनुकूल है। मोदी सरकार के तहत ये निर्माण न केवल बुनियादी ढांचे को मजबूत करते हैं, बल्कि वास्तुशास्त्र को आधुनिक संदर्भ में अपनाते हैं। वास्तु भवनों को प्रकृति से जोड़ता है। मोदी युग में स्मार्ट सिटी और गेटेड कम्युनिटीज में वास्तु का उपयोग बढ़ा है, जो स्थिरता और जीवन गुणवत्ता को बढ़ाता है। उदाहरण के लिए, नई इमारतों में उत्तर-पूर्व दिशा को महत्व दिया गया है, जो ज्ञान का प्रतीक है। ये परियोजनाएं पर्यावरण संरक्षण पर जोर देती हैं, जैसे पानी और ऊर्जा का कुशल उपयोग, जो वास्तु के सतत विकास के सिद्धांत से मेल खाता है। ये इमारतें भारतीय इतिहास को भी सम्मान देती हैं। पुराने नॉर्थ और साउथ ब्लॉक को संग्रहालय में बदलना योजना है, जो सांस्कृतिक विरासत को बचाता है।

कुल मिलाकर, 20,000 करोड़ की यह परियोजना प्रशासन को एकीकृत करती है और वास्तु के माध्यम से सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है। मोदी सरकार ने 8 प्रमुख प्लॉट्स का भूमि उपयोग बदला है, जो विकास को गति देता है। दिल्ली में नया संसद भवन, सेवा तीर्थ और अन्य इमारतें मोदी युग की उपलब्धियां हैं, जो आधुनिकता और वास्तुशास्त्र का सुंदर संगम हैं। ये न केवल कार्यक्षमता बढ़ाती हैं बल्कि भारतीय संस्कृति को जीवंत रखती हैं। भविष्य में ये इमारतें 'विकसित भारत' की नींव बनेंगी, जहां परंपरा और प्रगति साथ चलेंगी।

(लेखक, जाने-माने पत्रकार और स्तंभकार हैं।)

शिवाजी ने मुगल और बीजापुर सल्तनत की नींव को खोखला कर दिया था

डॉ. लोकेश कुमार (हि.स)

छत्रपति शिवाजी महाराज एक साहसी, कुशल रणनीतिकार और दूरदर्शी शासक के रूप में याद किए जाते हैं, जिन्होंने मराठा पहचान दी। वे मराठा साम्राज्य के संस्थापक थे, जिन्होंने मुगलों और बीजापुर सल्तनत की नींव को खोखला कर दिया। उन्होंने गोरिल्ला युद्ध (छापामार युद्ध) नीति का उपयोग कर मराठा साम्राज्य की स्थापना की। माना जाता है कि गोरिल्ला युद्ध महाराणा प्रताप की खोज थी, उन्होंने मुगल शासक अकबर के खिलाफ छापामार युद्ध अपना कर उनको घुटनों के बल ला दिया था।

शिवाजी को उनकी मां जीजाबाई ने न्याय, धर्म और रामायण-महाभारत की कहानियां सुनाकर एक धर्मपरायण योद्धा के रुप में तैयार किया था। समर्थ गुरु रामदास और दादाजी कोणदेव ने भी उनके व्यक्तित्व को निखारने में हरसम्भव कोशिश की। 16 साल की आयु में उन्होंने बीजापुर सल्तनत के खिलाफ युद्ध का बिगुल बजाकर तोरण दुर्ग पर अधिकार जमा लिया। सन 1659 में बीजापुर के सेनापति अफजल खान को कूटनीति से मार गिराया, जो उनकी पहली बड़ी सैन्य सफलता मानी गई। उनका जन्म 19 फरवरी, 1630 को हुआ था। इस कारण उनकी जयंती 19 फरवरी को मनाई जाती है।

उन्होंने गुरिल्ला युद्ध, मजबूत नौसेना और कुशल प्रशासन के साथ तोरना, प्रतापगढ़ और रायगढ़ जैसे किले जीतकर एक शक्तिशाली राज्य की स्थापना की थी। 1674 में रायगढ़ में छत्रपति के रूप में राज्याभिषेक के बाद धर्म, न्याय और प्रगतिशील शासन के प्रतीक बन गए, जिन्होंने भारत के इतिहास में वीरता और स्वतंत्रता की मिसाल कायम की। वे एक उत्कृष्ट प्रशासक थे। एक सुदृढ़ प्रशासनिक व्यवस्था की नींव रखीं। शिवाजी का मराठा साम्राज्य महाराष्ट्र से लेकर कर्नाटक और तमिलनाडु तक फैला हुआ था। प्रशासन को सुदृढ़ करने के लिए, शिवाजी ने जागीर प्रथा को समाप्त कर दिया और अपने अधिकारियों को नकद वेतन देना प्रारंभ किया। जागीरदारी व्यवस्था समाप्त करने के बावजूद उन्होंने

विद्यालयों और मंदिरों के लिए भूमि अनुदान देना प्रारंभ किया। उनका प्रशासन एक केंद्रीकृत, सुव्यवस्थित और जनकल्याणकारी माना जाता है, जिसका मुख्य केंद्र 'अष्टप्रधान' (आठ मंत्री) नामक मंत्रिपरिषद थी। उनके शासन की मुख्य विशेषताओं में मलिक अंबर पर आधारित भू-राजस्व प्रणाली (33-40 प्रतिशत कर), चौथ (1/4 रक्षा कर) और सरदेशमुखी (1/10 कर) वसूली, अनुशासित स्थायी सेना, किलों का विशेष महत्व, नागरिक अधिकारियों की सर्वोच्चता और धार्मिक सहिष्णुता का गुण शामिल था।

छत्रपति के प्रशासन की विशेषताएं

शिवाजी का शासन केन्द्रीयकृत शासन था। उनके पास ही सारी शक्तियाँ निहित थी। उन पर किसी प्रकार का प्रतिबंध अथवा नियंत्रण नहीं था। उनके आदेशों का पालन सभी को करना पड़ता था। उनके पास पदाधिकारियों की नियुक्ति एवं पदच्युति करने का पूर्ण अधिकार था। व्यवहारिक दृष्टिकोण से देखें तो पता चलता है कि अपनी समकालीन तानाशाहों से बिल्कुल भिन्न थे। उन्होंने कभी भी अपने स्वार्थ के लिए आम जनता की उपेक्षा नहीं की और न जनता के अधिकारों का हनन किया। कभी भी सत्ता का दुरूपयोग नहीं किया।

हरसंभव तरीके से जनता की उत्थान की चेष्टा की। प्रजा के लिए कल्याण किया और प्रजाहित, प्रजा सुरक्षा, न्याय, नैतिकता और धर्म के लिए उदार भावना थी। प्रशासनिक कार्यों में सलाह के लिए आठ मंत्रियों की एक परिषद का गठन किया, जिसमें पेशवा (प्रधानमंत्री) सर्वोच्च माना जाता था। अन्य मंत्री अमात्य, वकनीस, सचिव, सुमंत, सेनापति, पंडितराव और न्यायाधीश थे।

आमात्यः- शिवाजी के अष्टप्रधान में दूसरा मंत्री आमात्य कहलाता था। आमात्य अर्थ विभाग का प्रधान होता था इसे मजूमदार भी कहा जाता था इसका कार्य राज्य के आय-व्यय का ब्योरा और विभिन्न प्रांतों के हिसाब-किताब की जांच पड़ताल करना था।

पैदल सेनाः- पैदल सैनिकों में नवपायिकों की सबसे छोटी इकाई होती थी इसका मुख्य नायक कहलाता था। इसका वेतन साधारण होता था पांच नायकों पर एक हवलदार होता था। दो या तीन हवलदार पर एक जुमलदार होता था।

जल सेनाः- शिवाजी ने अपने राज्य की रक्षा एवं जंजीरा के विरुद्ध युद्ध करने के लिए एक जल सेना का भी गठन किया था। शिवाजी के पास 400 जहाज थे, इनमें पांच प्रकार के युद्धपोत और कुछ बड़ी-बड़ी नावें भी थीं।

अंगरक्षक की सेनाः उनके पास दो हजार चुने हुए अंगरक्षक थे, जो बड़े साहसी एवं वीर होते थे। अंगरक्षक की सेना पर पूरा व्यय राज्य वहन करता था।

भू-राजस्व और कृषक कल्याणः-भूमि की पैमाइश (माप) के लिए 'काठी' का उपयोग किया जाता था। उपज का 33 प्रतिशत (बाद में 40 प्रतिशत) कर लिया जाता था। अकाल के समय किसानों को बीज और पशु खरीदने के लिए 'तकावी' (ऋण) देने की व्यवस्था कर रखी थी।

सैन्य व्यवस्थाः- उन्होंने एक मजबूत, अनुशासित और स्थायी सेना बनाई। सैनिकों को जागीर के बदले नकद वेतन देना प्रारंभ किया। सेना में 'पागा' (नियमित) और 'सिलहदार' (अस्थायी) दो प्रकार के घुड़सवार थे। शिवाजी ने किलों को सामरिक महत्व का केंद्र मानते हुए प्रत्येक किले में हवलदार, सबनीस और कारखानिस नामक तीन समान रैंक के अधिकारी बनाए, ताकि एक व्यक्ति निरंकुश नहीं हो सकें। प्रशासन का केंद्र बिंदु स्वयं शिवाजी थे। वे सभी धर्मों के प्रति सहिष्णु भी थे और उनकी सेना व प्रशासन में मुस्लिम अधिकारी भी महत्वपूर्ण पदों आसीन थे। न्याय व्यवस्था सरल थी, जिसमें ग्राम पंचायतें स्थानीय विवादों का निपटारा करती थीं और उच्च स्तर पर न्यायधीश व पंडितराव न्याय करते थे।

सैनिक अनुशासनः - शिवाजी के शासनकाल में मराठा सैनिक को एकत्रित करते हुए राष्ट्रीय सेना की स्थापना की थी, सैनिक राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत थे। वे अपने देश की रक्षा के लिए सर्वस्व न्योछावर करने के लिए हमेशा तैयार रहते थे। बहरहाल, हम यही कह सकते हैं कि छत्रपति शिवाजी महाराज दूरदर्शी थे। शक्तिशाली होने के साथ उन्होंने जनकल्याण के कार्य किए। उनका विचार अंतिम व्यक्ति के कल्याण पर टिका था।

(लेखक, स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

किला रायपुर ग्रामीण ओलंपिक 2026 के दूसरे दिन बैलगाड़ी दौड़ से गूंज उठा मैदान

12 साल बाद बैलगाड़ी दौड़ें फिर से शुरू होना ऐतिहासिक मील का पत्थर: स्पीकर संधवां

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़/किला रायपुर (लुधियाना)

किला रायपुर ग्रामीण ओलंपिक के दूसरे दिन उत्साह का एक अभूतपूर्व उछाल देखने को मिला, हजारों लोग, खासकर युवा, पंजाब की समृद्ध ग्रामीण खेल विरासत का जश्न मनाने के लिए ऐतिहासिक स्टेडियम किला रायपुर में एकत्र हुए।

दूसरे दिन की खेलों ने दर्शकों के मन को मोह लिया क्योंकि ऐतिहासिक बैलगाड़ी दौड़ें 12 साल के अंतराल के बाद पुनर्जीवित हुईं हैं, जो दर्शकों का ध्यान का केंद्र बनी। स्टेडियम में बैठे दर्शकों/लोगों ने जोरदार जयकारों की गूंज के साथ पारंपरिक बैलगाड़ी दौड़ों का स्वागत किया। दर्शकों ने न केवल बैलगाड़ी दौड़ों का उत्साह से समर्थन किया बल्कि पारंपरिक खेलों और एथलेटिक मुकाबलों की एक जीवंत श्रृंखला का भी समर्थन किया। जिसमें हॉकी मैच, कबड्डी मुकाबले, शॉट पुट थ्रो, 100 मीटर स्प्रिंट, टग ऑफ वॉर मुकाबले, लंबी छलांग के मुकाबले, बाजीगर शो और कई अन्य ग्रामीण एथलेटिक खेल शामिल थे। खेल मैदान परिवारों, किसानों, युवा समूहों, राज्य और बाहर के दर्शकों से खचाखच भरा हुआ था, जिससे एकता, उत्साह और भाईचारे की भावना का एक अलग ही माहौल पैदा हुआ।

पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने उत्साही दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा कि बैलगाड़ी दौड़ें फिर से शुरू होना एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित हुई है। यह उपलब्धि पंजाब पशु क्रूरता निवारण (पंजाब संशोधन) अधिनियम, 2025 में दर्ज सोच-समझकर किए गए विधायी सुधारों और पशुओं की भलाई एवं सुरक्षा के माध्यम से संभव हुई। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस पारंपरिक खेल की वापसी न केवल पंजाब की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखती है बल्कि युवा पीढ़ी में पारंपरिक ग्रामीण खेलों के लिए नया उत्साह भी जगाती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि ये खेल युवाओं को खेल के मैदानों की ओर वापस खींचेंगे और उन्हें नशों तथा अत्यधिक मोबाइल उपयोग से दूर रखेंगे। उन्होंने इन खेलों से लोगों के गहरे भावनात्मक संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि ये खेल पंजाब की संस्कृति, विरासत को जीवंत और बनाए रखने में सहायता करते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम युवाओं को इन परंपराओं से फिर से जोड़ें, खासकर ऐसे समय में जब रील संस्कृति और डिजिटल भटकाव ने उन्हें असली पंजाबी जड़ों से दूर कर दिया है। इस मौके पर डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन, एडिशनल डिप्टी कमिश्नर (ग्रामीण विकास) अमरजीत बैंस, एस.डी.एम लुधियाना पूर्वी जसलीन कौर भुल्लर, एस.डी.एम उपिंदरजीत कौर बराड़, सहायक कमिश्नर डॉ. प्रगति वर्मा, जिला खेल अधिकारी कुलदीप चुघ और अन्य व्यक्तित्व तथा बड़ी संख्या में दर्शक शामिल थे।

ड्यूटी में लापरवाही करने वालों शिक्षकों पर होगी सख्त कार्यवाही: हरजोत बैंस

- 6 अध्यापकों को कारण बताओ नोटिस किए जारी

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

शैक्षिक गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के प्रति अपनी दृढ़ वचनबद्धता को उजागर करते हुए मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार की तरफ से पंजाब के शिक्षा मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस द्वारा माछीवाड़ा के सरकारी प्राथमिक स्कूल में किए गए अचानक निरीक्षण दौरान सामने आई गंभीर खामियों सम्बन्धित तत्काल और निर्णायक कार्यवाही की गई है। इस दौरे दौरान, पंजाब के शिक्षा मंत्री के सामने स्कूल प्रबंधन में कमियां और विद्यार्थियों को प्राथमिक शिक्षा के साथ जूझते देखा गया, जिसके चलते तुरंत सुधारात्मक उपाय किए गए।

पंजाब स्कूल शिक्षा विभाग ने बाद में छह अध्यापकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए, जिनमें बी.आर.सी., मुख्य अध्यापक, एक एसोसिएट अध्यापक, तीन ई.टी.टी. अध्यापक और एक आई. ई.ए.टी. अध्यापक शामिल हैं। यह कार्यवाही भगवंत मान सरकार की तरफ से पंजाब में शुरू की गई 'शिक्षा क्रांति' मुहिम के अंतर्गत सीखने के नतीजों को और बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करने का प्रत्यक्ष प्रमाण है। लापरवाही या कोताही प्रति जीरो- सहनशीलता वाली पहुंच की पुष्टि करते शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने जोर देकर कहा कि शिक्षा भगवंत सिंह मान सरकार के लिए प्राथमिकता है और यह यकीनी बनाने के लिए हर स्तर पर जवाबदेही अनिवार्य है जिससे विद्यार्थियों को मानक शिक्षा मिल सके।

इस लापरवाही पर सख्त नाराजगी प्रकट करते स. हरजोत सिंह बैंस ने कहा, छोटे से छोटी लापरवाही भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बच्चों का भविष्य कलासरूमों में सृजित किया जा रहा है। मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार के लिए शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण है और ड्यूटी में किसी भी तरह की कोताही विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। जिक्रयोग्य है कि पंजाब के शिक्षा मंत्री की तरफ से शैक्षिक गुणवत्ता, मिड-डे मील और बुनियादी ढांचो की संभाल के मूल्यांकन के लिए सूबे भर के सरकारी स्कूलों का अचानक निरीक्षण किया जा रहा है। यह अचानक दौरे जनतक शिक्षा प्रणाली को और बेहतर बनाने और विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य प्रति पंजाब सरकार की वचनबद्धता को दर्शाते हैं।

शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने एक्स हैंडल पर अपने दौरे की क्लिप सांझी करते हुए कहा: माछीवाड़ा साहिब के सरकारी स्कूलों का अचानक दौरा किया और शैक्षिक गुणवत्ता और समूचे कामकाज का जायजा लिया गया। हमारे लिए हमारे बच्चों की शिक्षा से अधिक महत्वपूर्ण कुछ नहीं है। यदि कोई भी अध्यापक ड्यूटी में कोताही या लापरवाही करता पाया जाता है तो उसके विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। आज इस प्राइमरी स्कूल के सभी अध्यापकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। विद्यार्थियों की शिक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

अमृतसर और कटिहार के बीच फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलेंगी

सिटी दर्पण संवाददाता

जैतो

परमदीप सिंह सैनी, सीनियर डिविजनल कमर्शियल मैनेजर, फिरोजपुर डिविजन ने बताया कि रेल यात्रियों की सुविधा के लिए, रेलवे ने अमृतसर और कटिहार के बीच फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाने का फैसला किया है, जो इस शेड्यूल के हिसाब से होंगी। 05735/05736 अमृतसर झकटिहार झ अमृतसर फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें। फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन नंबर 05735 अमृतसर से कटिहार के लिए 27.02.2026 से 27.03.2026 तक (05 ट्रिप) हर शुक्रवार को चलेगी। ट्रेन अमृतसर से 13:25 बजे चलेगी और 34 घंटे (लगभग) की यात्रा के बाद 23:45 बजे कटिहार पहुंचेगी। फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन नंबर 05736 कटिहार से अमृतसर के लिए 25.02.2026 से 25.03.2026 तक (05 ट्रिप) हर बुधवार को चलेगी। ट्रेन कटिहार से रात 9:00 बजे निकलेगी और लगभग 36 घंटे की यात्रा के बाद सुबह 09:45 बजे अमृतसर पहुंचेगी। रास्ते में ये ट्रेनें इन स्टेशनों पर रुकेंगी: ब्यास, जालंधर सिटी, ढंडारी कलां, राजपुरा, अंबाला कैंट, सहारनपुर, रुड़की, लक्सर, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, सीतापुर, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, कप्तानगंज, नरकटियागंज, रक्सौल, सीतामढ़ी, शीशो, सकरी, झंझारपुर, निर्मली, सरायगढ़, राघोपुर, ललितग्राम, फोर्ब्सगंज, अररिया कोर्ट और पूर्णिया रेलवे स्टेशन दोनों दिशाओं में। यात्रियों से अनुरोध है कि त्योहारों के मौसम में आसान और आरामदायक यात्रा के लिए इन फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों का लाभ उठाएं।

गुरचरन सिंह ने कैबिनेट मंत्रियों की उपस्थिति में पैसको के चेयरमैन का पद संभाला

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

पंजाब के कैबिनेट मंत्रियों मोहिंदर भक्त, लालजीत सिंह भुल्लर, हरदीप सिंह मुंडियां, तरुनप्रीत सिंह सौंद और डा.बलबीर सिंह की उपस्थिति में, मेजर (डा.) गुरचरन सिंह, सेवामुक्त ने आज पंजाब एक्स-सर्विसमैन निगम (पैसको) के चेयरमैन का पद संभाला।

इस मौके कैबिनेट मंत्रियों ने मेजर (डा.) गुरचरन सिंह को बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि उनके प्रशासकीय अनुभव, अनुशासित पृष्टभूमि और पूर्व सैनिकों की भलाई प्रति वचनबद्धता से निगम के कामकाज को ओर मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिकों के राष्ट्र प्रति कीमती योगदान को सम्मान देते पंजाब सरकार सैनिकों और उनके परिवारों की भलाई एंव पुर्नवास के लिए वचनबद्ध है।

मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय कनवीनर अरविन्द केजरीवाल का उनपर विश्वास दिखाने के लिए धन्यवाद करते मेजर (डा.) गुरचरन सिंह ने कहा कि वह अपनी जिम्मेदारी पूरे समर्पण और इमानदारी के साथ निभाएंगे। उन्होंने राज्य भर में पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के लिए भलाई उपायों, रोजगार मौके और सहायता प्रणालियों को ओर मजबूत करने के लिए अपनी वचनबद्धता की पुष्टि की।

भारतीय सेना में 21 साल की सेवा निभाने वाले मेजर (डा.) गुरचरन सिंह, सेवामुक्त, एक अनुभवी सैनिक है, जो आतंकवाद विरोधी कार्यवाहियों और जंगल युद्ध में माहिर है। उन्होंने कंपनी कमांडर और सैकिंड- इन- कमांड समेत मुख्य लीडरशिप भूमिकाएं निभाई है और उनको व्यापक प्रशासकीय और कामकाजी अनुभव हासिल है। सेवामुक्ती के बाद, वह समाज भलाई और पूर्व सैनिकों की सहायता के उद्देश्य के साथ की गई पहलकदमियों में सक्रियता के साथ जुड़े रहे हैं।

पी.आई.ओ.-कम-ब्लाक विकास और पंचायत अधिकार अबोहर के खिलाफ वारंट जारी

चंडीगढ़। पंजाब राज्य सूचना कमिश्न ने एक मामले की सुनवाई दौरान ब्लाक विकास और पंचायत अधिकारी, ब्लाक अबोहर जिला फाजिलका खिलाफ वारंट जारी किए है। इस संबंधित जानकारी देते हुए पंजाब राज्य सूचना कमिश्न के कमिश्नर हरप्रीत सिंह संधू ने जानकारी देते बताया कि हाकम सिंह सुपुत्र अमर सिंह निवासी गांव रामगढ़ तहसील अबोहर की तरफ से दायर केस नं. 6508 आफ 2023 में अंतरप्रीत सिंह के पी.आई.ओ. कम-ब्लाक विकास और पंचायत अधिकारी, अबोहर जिला फाजिलका 19 मार्च, 2026 को कमिश्न में पेश होने के वारंट जारी किए है। स. हरप्रीत सिंह संधू ने बताया कि अंतरप्रीत सिंह अब तक हुई 5 सुनवाईयों के मौके कमिश्न की हिदायतों के बावजूद गैर उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि आयोग की तरफ से अंतरप्रीत सिंह की तनख़्वाह भी अटेच करने संबंधी ग्रामीण विकास और पंचायत विभाग को आदेश जारी कर दिए गए है। उन्होंने कहा कि अब इस मामले में कमिश्न की तरफ से आर.टी. एक्ट 2005 की धारा 18 (3) (ए) अधीन एस.एस.पी. फाजिलका को आदेश जारी किया गया है कि वह अंतरप्रीत सिंह के पी.आई.ओ. कम-ब्लाक विकास और पंचायत अधिकारी, अबोहर को इन वारंट की कापी तामील करवाने और केस की आगे वाली तारीख 19 मार्च, 2026 को कमिश्न के समक्ष पेश होने की हिदायत जारी करे।

संक्षिप्त-समाचार

स्पीकर कुलतार सिंह संधवा ने प्रसिद्ध पंजाबी कवि नवराही घुगियाणवी के देहांत पर दुख व्यक्त किया

चंडीगढ़। पंजाब विधान सभा स्पीकर स.कुलतार सिंह संधवा ने फरीदकोट के प्रसिद्ध पंजाबी कवि नवराही घुगियाणवी के देहांत पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि कविता प्रति उनका अटूट समर्पण हमेशा हमें प्रेरित करेगा और हमारे दिल में जीवंत रहेगा। स्पीकर संधवा को उनके देहांत की खबर सुन कर बहुत दुख हुआ। उन्होंने परमात्मा से बिछड़ी रूह की आत्मिक शांति के लिए और इस दुख की घड़ी में दुखी परिवार को न पूरा होने वाली कमी को सहन की शक्ति देने की प्रार्थना की।

गैंगस्टरां ते वार का 29वां दिन: पंजाब पुलिस ने 689 ठिकानों पर की छापेमारी, 196 गिरफ्तार

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेर्शों पर शुरू की गई निर्णायक मुहिम 'गैंगस्टरां ते वार' के 29वें दिन पंजाब पुलिस ने बुधवार को पूरे राज्य में गैंगस्टरों के सहयोगियों के पहचाने गए और मैप किए गए 689 ठिकानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि 'गैंगस्टरों पर वार' - पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए एक निर्णायक जंग है, जिसकी शुरूआत पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव द्वारा 20 जनवरी, 2026 को की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (ए.जी.टी.एफ.) पंजाब के पूर्ण समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें राज्य भर में विशेष कार्रवाइयां कर रही हैं। 29वें दिन, पुलिस टीमों ने 196 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 1 हथियार बरामद किया, जिसके साथ मुहिम की शुरूआत से अब तक गिरफ्तारियों की कुल संख्या 9,978 हो गई है। इसके अलावा 78 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई की गई है, जबकि 232 व्यक्तियों को जांच और पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। पुलिस टीमों ने कार्रवाई के दौरान नौ भगोड़े अपराधियों (पी.ओ.) को भी गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि लोग गुप्त रूप से वांछित अपराधियों/गैंगस्टरों के बारे में एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर-93946-93946 के माध्यम से रिपोर्ट कर सकते हैं और किसी भी प्रकार के अपराध तथा आपराधिक गतिविधियों के बारे में सूचना/जानकारी भी साझा की जा सकती है। उल्लेखनीय है कि पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपनी मुहिम 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' को 354वें दिन भी जारी रखा है, जिसके तहत आज 110 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया और उनके कब्जे से 1 किलो हेरोइन, 2.7 किलो अफीम, 419 नशीली गोलियां/कैप्सूल तथा 2120 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई। इसके साथ ही मात्र 354 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 50,184 हो गई है। नशा छुड़ाऊ मुहिम के हिस्से के रूप में पंजाब पुलिस ने आज 36 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास उपचार करवाने के लिए राजी किया है।

जल संरक्षण की दिशा में निरंकारी मिशन का सशक्त कदम 'प्रोजेक्ट अमृत' का चौथा चरण

जैतो। जब सेवा साधना बन जाए और प्रकृति के प्रति संवेदना जीवन का मूल मंत्र हो, तब पावन संकल्प जन्म लेते हैं। मानव सेवा और लोक कल्याण की इसी दिव्य चेतना को साकार रूप प्रदान करने हेतु संत निरंकारी मिशन द्वारा 'प्रोजेक्ट अमृत' के अंतर्गत 'स्वच्छ जल, स्वच्छ मन' अभियान के चौथे चरण का भव्य शुभारंभ रविवार, 22 फरवरी 2026 प्रातः 8 बजे से 11 बजे तक परम श्रद्धेय सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के निदेर्शानुसार समस्त भारत में भव्य रूप से आयोजित किया जा रहा है।संत निरंकारी मंडल जोन फिरोजपुर के जोनल इंचार्ज एन एस गिल ओर संत निरंकारी सतसंग भवन ब्रांच जैतो के मुखी अशोक धीर ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताया के इसी लड़ी के तहत संत निरंकारी मिशन ब्रांच जैतो द्वारा, रविवार 22 फरवरी 2026 प्रांतः 8 बजे से 11बजे तक बठिंडा रोड जैतो के वॉटर वर्कस के एरिये को साफ किया जायेगा जिसमे वाटर वर्कस के अंदर जितना भी घास फूस ओर कुड़ा कर्कट होगा उसको साफ किया जायेगा। इसमें संत निरंकारी सतसंग भवन जैतो का सारा सेवादल ओर वलंटियर भाग लेंगे इसमें भाई बहने ओर बच्चे भी शामिल रहेंगे।

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं अधीन जनवरी 2026 तक 5,748 करोड़ से अधिक की रकम जारी: डॉ. बलजीत कौर

- कहा, पंजाब सरकार हाशियाग्रसत वर्गों के कल्याण के लिए पूरी तरह समर्पित

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़। मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार राज्य के हाशियाग्रसत, गरीब और आर्थिक तौर पर कमजोर वर्गों की भलाई के लिए पूरी संवेदनशीलता और वचनबद्धता के साथ लगातार काम कर रही है। यह बात सामाजिक सुरक्षा, स्त्री और बाल विकास मंत्री डा. बलजीत कौर ने कही।

इस सम्बन्धित जानकारी देते सामाजिक सुरक्षा, स्त्री और बाल विकास मंत्री डा. बलजीत कौर ने बताया कि अलग-अलग सामाजिक सुरक्षा योजनाओं अधीन पंजाब सरकार की तरफ से जनवरी 2026 तक (वित्तीय साल 2025- 26 दौरान) 5,748 करोड़ रुपये से अधिक की रकम लाभपातरियो तक सीधे तौर पर पहुंचाई जा चुकी है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं अधीन राज्य के 35.70 लाख से अधिक लाभपातरियो को नियमित और निरंतर वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है, जिसके साथ गरीब, बुजुर्ग, महिलाएं, बच्चों और दिव्यांग व्यक्तियों की आर्थिक सुरक्षा यकीनी बनाई गई है। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि बुढापा पैन्शन अधीन 3,806.43 करोड़, रुपये विधवा और निराश्रित महिलाओं के लिए 1,099.97 करोड़ रुपये , अनाथ और आश्रित बच्चों के लिए 385.94 करोड़ रुपये, जबकि दिव्यांग व्यक्तियों को 456.03 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता जारी की जा चुकी है। कैबिनेट मंत्री डा. बलजीत कौर ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा योजनाएं केवल वित्तीय मदद तक सीमित नहीं, बल्कि यह लाखों परिवारों के लिए सम्मान के साथ जीने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि जब एक बुजुर्ग को बुढापा पैन्शन मिलती है, एक विधवा महिला को आत्म-निर्भर बनने का सहारा मिलता है या एक दिव्यांग व्यक्ति अपने पैरों पर खडा होता है, तो यही सरकार की असली सफलता होती है। उन्होंने कहा कि सरकार की कोशिश है कि कोई भी जरूरतमंद अपने आप को अकेला न समझे और हर परिवार तक सरकारी सहायता सम्मान, संवेदनशीलता और पारदर्शिता के साथ पहुंचे। हाशियाग्रसत और आर्थिक तौर पर कमजोर वर्गों की भलाई प्रति सरकार की वचनबद्धता दोहराते डा. बलजीत कौर ने कहा कि मुख्य मंत्री स. भगवंत सिंह मान के दिशा-निदेर्शों अनुसार पंजाब सरकार का उदेश्य प्रत्येक जरूरतमंद तक सामाजिक सुरक्षा, सम्मान और आर्थिक मजबूती यकीनी बनाना है।

5000 रुपये रिश्वत लेते हुए पीएसपीसीएल का लाइनमैन रंगे हाथों काबू

चंडीगढ़। राज्य में भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए चलाई जा रही मुहिम के दौरान पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने पी.एस.पी.सी.एल. अटोवाल, जिला होशियारपुर के सब-डिविजनल ऑफिस में तैनात लाइनमैन बलवीर सिंह (फौजी) को 5000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। बुधवार यह जानकारी साझा करते हुए राज्य विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी को गांव तनुली, जिला होशियारपुर के एक निवासी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। प्रवक्ता ने बताया कि शिकायतकर्ता खेतीबाड़ी का काम करता है और उसने मीटर से अपने घर तक आने वाली बिजली की तार का रूट बदलवाने के लिए अर्जी दी थी। इस संबंध में शिकायतकर्ता आरोपी लाइनमैन बलवीर सिंह (फौजी) से मिला, जिसने मीटर से उसके घर तक आने वाली बिजली की तारों का रास्ता बदलने के बदले 5000 रुपये रिश्वत की मांग की। उल्लेखनीय है कि शिकायतकर्ता ने आरोपी लाइनमैन बलवीर सिंह (फौजी) द्वारा रिश्वत मांगने की बातचीत रिकॉर्ड कर ली थी। उसकी शिकायत पर प्रारंभिक जांच के बाद, विजिलेंस ब्यूरो की टीम ने दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में आरोपी को शिकायतकर्ता से 5000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

विजीलैंस ब्यूरो ने नायब कोर्ट को 8000 रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों किया काबू

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रस्टाचार विरुद्ध चल रही मुहिम दौरान, उप मंडल मैजिस्ट्रेट कपूरथला की अदालत में तैनात नायब कोर्ट रजिन्दर सिंह को 8000 रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों काबू किया है। इस सम्बन्धित जानकारी देते आज यहां, राज्य विजीलैंस ब्यूरो के एक सरकारी वक्ता ने बताया कि उपरोक्त दोषी को नकोदर, जिला जालंधर के एक निवासी की तरफ से दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार पर गिरफ़्तार किया गया है।

उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता, जो कि पेशे से एक मजदूर है, ने बताया कि उसे और उसके दोस्त जोबन को पुलिस ने बीएनएसएस की धारा 128 (पहले सीआरपीसी की धारा 109 सी) के अंतर्गत एक मामले में गिरफ़्तार किया था और एसडीएम कपूरथला की अदालत में पेश किया था। इस उपरांत, शिकायतकर्ता को जमानत पर रिहा कर दिया गया और आगे वाली सुनवाई की तारीख 18. 02. 2026 निर्धारित की गई। उन्होंने आगे बताया कि शिकायतकर्ता ने दोष लगाया है कि नायब कोर्ट रजिन्दर सिंह उसे बार- बार परेशान करता था और उसने केस खारिज करने बदले 10, 000 रुपए रिश्वत की मांग की। शिकायतकर्ता की विनती और मांगी गई रकम का भुगतान करने में असमर्थता जाहिर करने पर दोषी 8,000 रुपए रिश्वत लेने को मान गया। रिश्वत मांगने सम्बन्धित सारी बातचीत शिकायतकर्ता द्वारा रिकार्ड कर ली गई थी। शिकायतकर्ता रिश्वत नहीं देना चाहता था इस लिए उसने विजीलैंस ब्यूरो यूनिट, जालंधर के साथ संपर्क किया।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए 1300 करोड़ रुपये के निवेश से बागवानी क्षेत्र में मिलेगा बड़ा प्रोत्साहन: मोहिंदर भगत

- पंजाब अपनाएगा महाराष्ट्र बागवानी मॉडल; एफ.पी.ओ. को मजबूत करने के लिए समझौता हुआ सहीबद्ध

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब के बागवानी मंत्री मोहिंदर भगत ने कहा कि पंजाब लगभग 1300 करोड़ रुपये के प्रस्तावित निवेश के साथ बागवानी क्षेत्र में बड़ी सकारात्मक बदलाव लाने के लिए पूरी तरह तैयार है। इससे जहां किसानों की आय में वृद्धि होगी, वहीं नए निर्यात अवसरों के लिए भी रास्ता साफ होगा। बुधवार को जारी प्रेस ब्यान में मंत्री ने महाराष्ट्र के नासिक में सहियाद्री किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड के हालिया दौरे के नतीजों को साझा किया। उन्होंने कहा कि पंजाब महाराष्ट्र बागवानी मॉडल के सफल अभ्यासों को अपनाएगा ताकि राज्य के किसान संगठित खेती, प्रोसेसिंग और बेहतर मार्केट लिंकेज के माध्यम से अधिक मुनाफा कमा सकें। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण और संस्थागत सहायता के जरिए पंजाब में किसान उत्पादक संगठनों (एफ.पी.ओ.) को मजबूत करने के लिए सहियाद्री के साथ समझौते भी हस्ताक्षर किये गये हैं। भगत ने कहा कि उनका यह दौरा बहुत सफल रहा क्योंकि प्रतिनिधिमंडल ने इस दौरान अध्ययन किया कि किसान उत्पादन, ग्रेडिंग, पैकेजिंग, प्रोसेसिंग और निर्यात को बेहतर बनाने के लिए एफ.पी.ओ. के माध्यम से कैसे सामूहिक रूप से काम कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में सहियाद्री 30,000 एकड़ से अधिक क्षेत्र में हजारों किसानों के साथ काम कर रहा है और 42 देशों को फल एवं सब्जियों का निर्यात कर रहा है। मंत्री ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने आधुनिक पैकहाउस, प्रोसेसिंग यूनिट्स, रिसर्च फार्म और प्रशिक्षण केंद्रों का दौरा किया, जहां उन्होंने किसानों और विशेषज्ञों से सीधे बातचीत की। उन्होंने कहा कि पंजाब के किसान भी महाराष्ट्र की तरह वैज्ञानिक फसल योजना, बेहतर गुणवत्ता नियंत्रण और मजबूत बाजार संपर्कों से लाभ उठा सकते हैं।

समझौते के बारे में बताते हुए मंत्री ने कहा कि यह पंजाब में मजबूत किसान समूह बनाने, प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करने में मदद करेगा ताकि किसान सामूहिक रूप से काम करके लाभ उठा सकें और अपने उत्पादों की बेहतर कीमतें प्राप्त कर सकें। भगत ने कहा कि पंजाब सरकार बागवानी क्षेत्र में फसली विविधता को प्रोत्साहित करने, फसलों के मूल्य में वृद्धि करने और किसानों के लिए टिकाऊ आय के अवसर पैदा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पंजाब पूरे देश में एक अग्रणी बागवानी हब के रूप में उभरने में सक्षम है।

वृद्धि | सरकार की पहलकदमियों से 2 महीनों में 80, 508 सैलानियों की हुई आमद

'पंजाब ने 13 वन्यजीव अभ्यारण्य को प्लास्टिक मुक्त किया घोषित'

- पांच वैट्टलैंडज को तरजीही विकास के लिए चुना गया: लाल चंद कटारूचक्क

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

वन्य जीवों की सुरक्षा और लोगों को जागरूक करने संबंधी भगवंत सिंह मान सरकार के ठोस प्रयत्नों के सार्थक नतीजे सामने आ रहे है जिससे महिंद्र चौधरी जूआलोजीकल पार्क, छत्तबीड़ में सैलानियों की आमद में काफी विस्तार हुआ है। इस सम्बन्धित जानकारी देते वन और वन्यजीव सुरक्षा मंत्री लाल चंद कटारूचक्क ने कहा कि साल के पहले दो महीनों दौरान ही चिड़ियाघर में 80, 508 सैलानियों की आमद हुई है जो कि जंगली जीवों की सुरक्षा सम्बन्धित लोगों की बढ़ रही जागरूकता और शमूलियत को दशार्ता है। इस सम्बन्धित पंजाब के वन और वन्यजीव सुरक्षा मंत्री लाल चंद कटारूचक्क ने आगे कहा, मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में हमारी सरकार लोगों को जंगली जीवों की संभाल प्रति जागरूक करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है और इस सम्बन्धित लोगों की तरफ से भरपूर सर्मथन मिल रहा है।

वन और वन्यजीव सुरक्षा मंत्री ने बताया, सिर्फ जनवरी महीने दौरान ही छत्तबीड़ चिड़ियाघर में 48, 719 सैलानियों की आमद हुई, जबकि फरवरी में 31, 789 सैलानी शांत और प्राकृतिक माहौल में पक्षियों और जानवरों की अलग- अलग प्रजातियों को देखने के लिए आए। चिड़ियाघर में पक्षियों और जानवरों की सुरक्षा और संभाल के लिए की पहलकदमियों को उजागर करते मंत्री लाल चंद कटारूचक्क ने कहा, जंगली जीवों की संभाल और सुरक्षा प्रति हमारी वचनबद्धता के हिस्के तौर पर, छत्तबीड़ चिड़ियाघर में कई अहम पहलकदमियां की गई हैं। उन्होंने कहा, देश का सबसे बड़ा और सबसे लंबा वाक- इन क्षेत्र आर्कषण का मुख्य केंद्र बन गया है। इसके साथ, सैलानियों के लिए शैक्षिक और मनोरंजन अनुभव यकीनी बनाने के लिए एक अति- आधुनिक डायनासौर पार्क स्थापित किया गया है। चिड़ियाघर के बुनियादी ढांचो के नवीनीकरण बारे जानकारी देते हुए मंत्री लाल चंद कटारूचक्क ने कहा, 1200 मीटर के जंगली जीव सफारी क्षेत्र में, चारदीवारी को मजबूत किया गया है और साफ- सुथरी ऊर्जा का प्रयोग को उत्साहित करने के लिए 260 केवी सोलर प्लांट लगाया गया है। उन्होंने कहा, मांसाहारी जानवरों को विशेष इलाज प्रदान करने के लिए लोआइन सफारी में क्रिटीकल केयर यूनिट स्थापित की गई है और सैलानियों, विशेष कर स्कूली बच्चों के लिए एक ओपन-एयर जू एजुकेशन प्लाजा तैयार किया गया है। वन्य जीवों की संभाल सम्बन्धित एजंडे के बारे में बताते हुए, मंत्री लाल चंद कटारूचक्क ने कहा, सिंधु नदी डौलफिन को पंजाब का प्रांतीय जल जीव घोषित किया गया है और राज्य भर की 13 वन्यजीव अभ्यारण्य को प्लास्टिक मुक्त घोषित किया गया है। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार द्वारा प्राथमिक विकास के लिए चुने गए 100 वैटलैंडज में राज्य के पांच वैटलैंड हरीके, रोपड़, कांजली, केशोपुर और नंगल को शामिल किया गया है।

नेपाल-भारत के बीच पारस्परिक कानूनी सहायता संबंधी समझौते पर हस्ताक्षर

खुलेगा सीमापार अपराधों की संयुक्त जांच से लेकर एक-दूसरे देश से साक्ष्यों के आदान-प्रदान का मार्ग

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

फोटोः हि.स.

नेपाल और भारत के बीच आपराधिक मामलों में पारस्परिक कानूनी सहायता से संबंधित समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। पहली बार हुए इस समझौते से । यह समझौता बुधवार को कानून, न्याय तथा संसदीय मामिला मंत्रालय में हुआ।

इस समझौते पर नेपाल की ओर से कानून मंत्रालय के सह सचिव विनोदकुमार भट्टराई और भारत की ओर से नेपाल के लिए भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर कानून मंत्री अनिलकुमार सिन्हा, कानून सचिव पाराश्वर ढुंगाना, विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधि तथा भारतीय दूतावास के कर्मचारी उपस्थित रहे। कानून मंत्रालय के सचिव ढुंगाना के अनुसार, लंबे समय से भारत के साथ ऐसे समझौते पर चर्चा चल रही थी। अब इसे अंतिम रूप दिया गया है। उन्होंने कहा, आपराधिक मामलों में दोनों देशों के बीच पारस्परिक कानूनी सहायता के आदान-प्रदान के उद्देश्य से यह समझौता किया गया है। इस समझौते को पिछले वर्ष 17 अक्तूबर को प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक से स्वीकृति मिली थी। ढुंगाना ने बताया कि इसमें साक्ष्यों के आदान-प्रदान के साथ-साथ सीमा-पार अपराधों की संयुक्त जांच का भी प्रावधान है। उन्होंने कहा, ट्रांसनेशनल अपराधों में संयुक्त रूप से जांच करने की व्यवस्था भी की गई है। अपराध नियंत्रण में यह समझौता दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। इस संवैधानिक प्रावधान के अनुसार, संसद को जानकारी दिए जाने के बाद ऐसे समझौते लागू होते हैं।

सचिव ढुंगाना के अनुसार, यह समझौता नेपाल में होने वाले वित्तीय अपराधों को कम करने तथा जांच, अभियोजन और न्यायिक निर्णय को अधिक प्रभावी बनाने में मील का पत्थर साबित होगा। मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि हाल के समय में बढ़ संगठित अपराध, मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवादी गतिविधियों में वित्तीय निवेश के नियंत्रण तथा पारस्परिक मूल्यांकन में भी इससे सकारात्मक सहयोग मिलेगा।

समझौते के अनुसार, किसी अपराध से जुड़े मामलों में यदि किसी व्यक्ति को उपस्थित कराना संभव न हो, तो साक्ष्य, शपथपत्र और बयान दर्ज कराना, प्रमाण जुटाना, नोटिस तामील कराना तथा जांच के लिए अन्य सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जाएगा। जांच के दायरे में आए किसी नेपाली नागरिक के भारत में वित्तीय लेन-देन की स्थिति में अब बैंक विवरण प्राप्त करना भी आसान होगा। अभी तक अपराध की जांच में सहयोग से संबंधित किसी ठोस समझौते या तंत्र के अभाव में दोनों देशों के कानून प्रवर्तन अधिकारियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता रहा है। वर्ष 1953 में नेपाल और भारत के बीच प्रत्यर्पण संधि हुई थी। उसी संधि के तहत प्रक्रिया पूरी कर भारत में अपराध कर नेपाल आए सुच्चा सिंह को गिरफ्तार कर भारत को सौंपा गया था। पंजाब के मुख्यमंत्री सरदार प्रताप सिंह कैरों की हत्या कर नेपाल आए सुच्चा को 2 फरवरी 1966 को अदालत के निर्णय के बाद भारतीय सुरक्षा कर्मियों को प्रत्यर्पित किया गया था। कई विवादों के बाद, नेपाल में गिरफ्तारी के लगभग एक वर्ष बाद ही उनका प्रत्यर्पण संभव हो सका।

बाद में कोई प्रत्यर्पण न होने के कारण वह संधि लगभग निष्क्रिय हो गई। वर्ष 2003 में भी सचिव स्तरीय प्रत्यर्पण संधि पर हस्ताक्षर हुए थे, लेकिन सरकार द्वारा अनुमोदन न मिलने के कारण वह लागू नहीं हो सकी। प्रत्यर्पण संधि के अभाव में दोनों देशों के बीच अनौपचारिक रूप से अभियुक्तों का आदान-प्रदान होता रहा है, जिससे अनावश्यक विवाद उत्पन्न होते रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में जंगली सूअरों में अफ्रीकन स्वाइन फीवर की पुष्टि

एजेंसी (हि.स.)
रायपुर

छत्तीसगढ़ में जंगली सूअरों में अफ्रीकन स्वाइन फीवर (एएसएफ) की पुष्टि होने से वन विभाग और पशुपालन विभाग में हड़कंप है। बरेली स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ वेटरनरी रिसर्च की जांच रिपोर्ट में इस घातक वायरस की पुष्टि हुई है। छत्तीसगढ़ के प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) अरुण पाण्डेय ने बताया है कि कुछ दिनों पूर्व छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार, महासमुंद समेत कई इलाकों में बड़ी संख्या में जंगली सूअरों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी।

इन मौतों के बाद सैंपल जांच के लिए बरेली भेजे गए थे। अब आई रिपोर्ट में अफ्रीकन स्वाइन फीवर से मौत की पुष्टि हो गई है। रिपोर्ट मिलने के बाद वन विभाग ने कई जिलों के डीएफओ को सतर्कता बढ़ाने और निगरानी तेज करने के निर्देश दिए गए हैं। नेशनल लायब्रेरी ऑफ मेडिसिन के अनुसार, भारत में 90 लाख से अधिक सूअर हैं, जिनमें से 45 फीसदी भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों में हैं। सूअरों को प्रभावित करने वाली वायरल बीमारियां

फोटोः हि.स.

मृत्यु दर का एक प्रमुख कारण हैं, जिससे सूअर पालकों को भारी नुकसान होता है। अफ्रीकी स्वाइन फीवर (एएसएफ) सूअरों और जंगली सूअरों की एक अत्यधिक संक्रामक, विनाशकारी बीमारी है जिससे गंभीर मृत्यु दर होती है। एएसएफ, अफ्रीकी स्वाइन फीवर वायरस के कारण होता है, जो कि एस्फरविरिडे परिवार के एस्फीवायरस जीनस से संबंधित एक आनुवंशिक रूप से जटिल वायरस है। एएसएफ को एक अधिसूचित बीमारी के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

इस बीमारी का पहला बार वर्णन 1900 के दशक की शुरूआत में किया गया था जब यूरोपीय सूअर की नस्लों को केन्या कॉलोनी में लाया गया था और बाद में यह बीमारी 1957 में यूरोप (पुर्तगाल) में प्रवेश कर गई, जिसे जल्दी ही नियंत्रित कर लिया गया, लेकिन 1960 में पुर्तगाल में फिर से प्रवेश कर गई और इबेरियन प्रायद्वीप और शेष यूरोप में फैल गई। इसके अलावा, 2007 में रूसी संघ में प्रगति हुई और 2018 में चीन, फिर वियतनाम और म्यांमार और भारत में फैल गई।

एएसएफवी अंतरमहाद्वीपीय रूप से फैल रहा है। अफ्रीकन स्वाइन फीवर घरेलू और जंगली सूअरों में फैलने वाला एक अत्यधिक संक्रामक और जानलेवा वायरल रोग है, जिसमें मृत्यु दर लगभग 100 फीसदी तक हो सकती है। बताया गया है कि यह बीमारी सूअरों के सीधे संपर्क, दूषित मांस/अपशिष्ट, या टिक्स के माध्यम से फैलती है, लेकिन मनुष्यों के लिए हानिरहित है।

इसका कोई टीका या उपचार उपलब्ध नहीं है। इसके लक्षण हैं तेज बुखार, त्वचा में लाली/नीलापन, कमजोरी, भूख न लगना, दस्त, उल्टी और सांस लेने में कठिनाई। यह संक्रमित जानवरों, दूषित भोजन, या कपड़ों/उपकरणों के माध्यम से फैलता है।

नेपाल में आयोग ने चुनाव पूर्व सर्वेक्षण और भविष्यवाणी पर रोक लगाई

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

नेपाल के निर्वाचन आयोग ने सभी मीडिया हाउस और सर्वे एजेंसियों के चुनाव-पूर्व सर्वेक्षणों और चुनावी परिणाम की भविष्यवाणी के प्रकाशन पर रोक लगाने का निर्देश दिया है।

निर्वाचन आयोग के कार्यवाहक प्रमुख निर्वाचन आयुक्त राम प्रसाद भंडारी ने आज सुबह बयान जारी कर कहा कि आयोग के तरफ से सभी मीडिया और सर्वे एजेंसियों को किसी भी प्रकार के चुनावी सर्वेक्षण और चुनाव परिणाम की भविष्यवाणी के प्रकाशन और प्रसारण पर पूर्ण रूप से रोक लगाने का निर्देश जारी किया है। आयोग ने कहा कि मतदान से पहले जीत-हार के अनुमान और जनमत सर्वेक्षण के नतीजे प्रकाशित करने जैसी गतिविधियां चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन है। भंडारी ने व्यक्तियों और मीडिया संस्थानों से यह भी अपील की कि वे सोशल मीडिया पर एआई और अन्य डिजिटल उपकरणों से तैयार भ्रामक सामग्री का निर्माण या प्रसार न करें। चुनाव की निष्पक्षता की रक्षा और मतदाताओं के गुप्त मतदान के अधिकार को साझा संवैधानिक दायित्व बताते हुए भंडारी ने पांच मार्च को निर्धारित चुनाव के सफल आयोजन के लिए सभी से सकारात्मक भूमिका निभाने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री ने गूगल सीईओ सुंदर पिचाई से की मुलाकात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट से इतर गूगल एवं अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई से यहां हैदराबाद हाउस में बुधवार को मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में हो रहे कार्यों और गूगल द्वारा भारतीय छात्रों एवं पेशेवरों के साथ मिलकर सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में लिखा कि उन्हें सुंदर पिचाई से मिलकर खुशी हुई। उन्होंने कहा कि बातचीत में भारत के एआई क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों और गूगल के साथ मिलकर प्रतिभाशाली छात्रों एवं पेशेवरों को जोड़ने के तरीकों पर विचार-विमर्श हुआ। उल्लेखनीय है कि 16 फरवरी से शुरू हुआ यह शिखर सम्मेलन अपनी तरह का दुनिया का चौथा शिखर सम्मेलन है।

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री से नेपाल के विदेशमंत्री ने की मुलाकात

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

फोटोः हि.स.

नेपाल के विदेशमंत्री बालानंद शर्मा ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान से शिष्टाचार मुलाकात की है। शर्मा ने उन्हें बधाई दी और नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की ओर से शुभकामना संदेश सौंपा। संदेश में रहमान की चुनावी जीत की सराहना करते हुए आपसी सम्मान, साझा प्राथमिकताओं और साझेदारी के आधार पर नेपाल-बांग्लादेश संबंधों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई गई। ढाका स्थित नेपाली राजदूतावास के तरफ से आज जारी एक बयान में कहा गया है कि नेपाल के विदेशमंत्री शर्मा ने 12 फरवरी को हुए राष्ट्रीय चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी को निर्णायक जीत दिलाने के लिए भी रहमान को बधाई दी और बांग्लादेश में शांतिपूर्ण व सफल लोकतांत्रिक सत्ता हस्तांतरण की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री रहमान ने शपथ ग्रहण समारोह में शर्मा की उपस्थिति के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि यह बांग्लादेश के प्रति नेपाल सरकार और नेपाली जनता की एकजुटता तथा सद्भावना को दशार्ता है।

बयान में दोनों नेताओं के बीच व्यापार, निवेश, ऊर्जा, संपर्क, शिक्षा और पर्यटन के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराने की जानकारी दी गई है। रहमान ने नेपाल में आगामी पांच मार्च को होने जा रहे संसदीय चुनाव के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नेपाल में भी आम चुनाव के जरिए जनता के चुने हुए प्रतिनिधि को शांतिपूर्ण ढंग से सत्ता हस्तांतरण किया जाएगा। बैठक से पहले विदेशमंत्री शर्मा ने बांग्लादेश के नवनियुक्त प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद के सदस्यों के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लिया। अपनी यात्रा के दौरान शर्मा ने विपक्ष के नेता डॉ. शफीकुर रहमान तथा जमात-ए-इस्लामी के अमीर से भी मुलाकात कर द्विपक्षीय सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा की। विदेशमंत्री की बांग्लादेश यात्रा 19 फरवरी तक चलेगी।

संक्षिप्त-समाचार

निसान ने भारत में लॉन्च की ऑल-न्यू ग्रेवाइट, शुरूआती कीमत 5.65 लाख रुपये

नई दिल्ली। जापान की वाहन विनिमार्ता कंपनी निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनएमआईपीएल) ने मंगलवार को भारत में अपनी नई कार ग्रैवाइट लॉन्च की। इसकी शुरूआती कीमत 5.65 लाख रुपये से 8.49 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ वत्स ने कहा कि ऑल-न्यू निसान ग्रेवाइट भारतीय परिवारों की विविधता, व्यापकता एवं महत्वाकांक्षाओं से प्रेरित है। कंपनी 2026 में ब्रांड के पुनरुत्थान के लिए कई नए वहान पेश करने और बिक्री ढांचे को मजबूत करने की तैयारी में है।कंपनी फिलहाल देश में केवल एक मॉडल मैग्नाइट बेचती है। सौरभ वत्स ने बताया कि कंपनी ने अपना दूसरा मॉडल सात सीट वाली कार ग्रैवाइट पेश की है। ग्रैवाइट की (एक्स शोरूम) कीमत 5.65 लाख रुपये से 8.49 लाख रुपये के बीच है। उन्होंने कहा कि करीब 12 महीनों के भीतर हम तीन नए वाहन पेश करने जा रहे हैं। इसलिए यह पुनरुत्थान का वर्ष होगा, जो मुख्य रूप से स्पोर्ट यूटिलिटी वाहनों पर आधारित उत्पाद श्रृंखला पर टिका होगा। वत्स ने बताया कि मैग्नाइट देश में कंपनी के उत्पाद खंड में अहम भूमिका निभाती रहेगी। उन्होंने कहा कि कंपनी की योजना वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक बिक्री केंद्रों की संख्या बढ़ाकर 250 करने की है। फिलहाल देशभर में कंपनी के लगभग 160 डीलर हैं। वत्स ने कहा कि भविष्य में निर्यात हमारे बुनियादी एवं मजबूत स्तंभों में से एक बना रहेगाड्ढवित्त वर्ष 2026-27 में हम भारत से एक लाख इकाई निर्यात का आंकड़ा पार कर जाएंगे। उन्होंने बताया कि ग्रैवाइट के अलावा कंपनी इस वर्ष के दौरान एक टेकटन स्पोर्ट यूटिलिटी वाहन और सात सीट वाले मध्यम श्रेणी का स्पोर्ट यूटिलिटी वाहन भी लाने की योजना बना रही है।

सरकारी स्कूल में युवक-युवती के शव मिलने से सनसनी

डूंगरपुर। जिले के चौरासी थाना क्षेत्र स्थित गैंजी सीनियर सैकेंडरी स्कूल में बुधवार सुबह एक युवक और युवती के शव मिलने से इलाके में दहशत फैल गई। आशंका जताई जा रही है कि दोनों ने प्रेम-प्रसंग के चलते आत्महत्या की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस के अनुसार बुधवार सुबह ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी कि स्कूल की नई बन रही बिल्डिंग की छत पर निकले लोहे के सरियों से एक युवक और युवती के शव लटके हुए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को नीचे उतरवाया। घटना की खबर फैलते ही स्कूल परिसर में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। चौरासी थाने के हेड कॉन्स्टेबल हजारीलाल गुर्जर ने बताया कि दोनों शव क्लासरूम के पीछे निमार्णाधीन हिस्से में मिले हैं। मृतक युवक की पहचान मनोज (22) पुत्र सुरेश खराड़ी निवासी पाकरोन के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार मनोज मजदूरी करता था और पहले से शादीशुदा था। उसकी एक बेटी भी है। प्रेम-प्रसंग को लेकर एक फरवरी को उसका पत्नी से झगड़ा हुआ था, जिसके बाद वह घर से निकल गया था। मनोज की पत्नी ने 17 फरवरी को चौरासी थाने में पति की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। युवती की पहचान फिलहाल नहीं हो पाई है। स्कूल की प्रिंसिपल जशोदा कलासुआ ने बताया कि स्कूल सुबह 10 बजे खुलता है। इन दिनों परीक्षाओं के चलते स्टाफ कभी-कभी सुबह जल्दी पहुंचता है, लेकिन बुधवार को परीक्षा नहीं होने से कोई स्टाफ मौजूद नहीं था। शव स्कूल के पिछले हिस्से में मिले। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में प्रेम-प्रसंग के चलते आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है। युवती की पहचान और घटना के कारणों को लेकर जांच जारी है।

अभिनेता सलमान खान के पिता मशहूर पटकथा लेखक सलीम खान वेंटिलेटर पर

मुंबई। अभिनेता सलमान खान के पिता और दिग्गज पटकथा लेखक सलीम खान को मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के अनुसार 90 वर्षीय सलीम खान की हालत फिलहाल स्थिर है, लेकिन उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है और कड़ी निगरानी की जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनका ब्लड प्रेशर अचानक बढ़ने से मस्तिष्क के दाहिने हिस्से में आंतरिक रक्तस्राव हुआ। अस्पताल के स्वास्थ्य बुलेटिन में बताया गया कि विशेषज्ञों की टीम उनका इलाज कर रही है। डॉ. जलील पारकर ने जानकारी दी कि न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. विनय चव्हाण, कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अजीत मेनन, न्यूरोसर्जन डॉ. नितिन डांगे और डॉ. बिनीत अहलूवालिया की टीम उपचार में जुटी है। बताया जा रहा है कि 18 फरवरी को उनकी सर्जरी की जाएगी। इस बीच सलमान खान समेत पूरा खान परिवार अस्पताल में मौजूद है। परिवार के सदस्य और करीबी मित्र भी हालचाल लेने पहुंचे हैं। सभी ने सलीम खान के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। खान परिवार की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

उत्तराखंड राज्य संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा 2025-27 की चतुर्थ काउंसलिंग 19 से

नैनीताल। उत्तराखंड राज्य संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा 2025झ्र27 के अंतर्गत बीएड पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु चतुर्थ एवं अंतिम चरण की काउंसलिंग 19 से 23 फरवरी 2026 तक आयोजित की जाएगी। यह प्रक्रिया प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय चरण में प्रवेशित तथा 31 जनवरी को साझा की गई सूची में पुष्टि किए गए अभ्यर्थियों को छोड़कर स्वीकृत सीटों के सापेक्ष शेष रिक्त सीटों पर संचालित होगी। काउंसलिंग आरक्षण नियमावली तथा उत्तराखंड उच्च न्यायालय में दायर रिट याचिका संख्या 629, 704 एवं 705 वर्ष 2025 में पारित आदेशों को ध्यान में रखते हुए कराई जाएगी। कुमाऊँ विवि के कुलसचिव डॉ. मंगल सिंह मंद्रवाल ने बताया कि तृतीय चरण की महाविद्यालय स्तर की काउंसलिंग के उपरांत उपलब्ध रिक्त सीटों पर पूर्व में जारी सीट मैट्रिक्स के अनुसार ही प्रवेश दिए जाएंगे। सीट मैट्रिक्स अथवा आरक्षण नियमों के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित परिसर, महाविद्यालय या संस्थान पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगा। चतुर्थ काउंसलिंग में प्रवेशित अभ्यर्थियों का पूर्ण विवरण संबंधित विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी एवं उच्च शिक्षा विभाग के समन्वय से समर्थ पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज कराया जाना सुनिश्चित किया जाएगा। सभी संस्थानों को निदेर्शों का अक्षरश पालन करने को कहा गया है।

दक्षिण अफ्रीका से लाई गई गामिनी के घर गूंजी किलकारी, तीन चीता शावक जन्मे

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में तीन चीता शावकों का जन्म हुआ है। इसी के साथ कुनो में चीतों की संख्या बढ़कर 38 हो गई है। केंद्रीयमंत्री भूपेंद्र यादव ने आज खुशखबरी साझा करते हुए नए शावकों के अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।

उन्होंने एक्स पर बताया कि कूनो राष्ट्रीय उद्यान में तीन नए चीता शावकों का जन्म हुआ है। दक्षिण अफ्रीका से लाई गई चीता गामिनी ने दूसरी बार तीन शावकों को जन्म दिया है। यह भारत में चीता पुनर्वास की दिशा में एक और बड़ी उपलब्धि है। यह भारतीय धरती पर चीता का नौवां सफल प्रयास है। उन्होंने बताया कि अब तक 27 भारतीय-जन्मे शावक जीवित हैं। इन नए शावकों के साथ भारत में चीतों की कुल संख्या 38 हो गई है। यह उपलब्धि प्रोजेक्ट चीता के तहत चल रहे ऐतिहासिक संरक्षण प्रयासों की सफलता को दशार्ती है।

केंद्रीयमंत्री ने इसे देश के वन्यजीव संरक्षण अभियान का गौरवपूर्ण क्षण बताया और फील्ड स्टाफ व पशु-चिकित्सा टीमों की सराहना की, जिन्होंने दिन-रात मेहनत कर इस सपने को साकार किया। उन्होंने कामना की कि गामिनी और उसके तीनों शावक स्वस्थ और मजबूत बनें तथा भारत की चीता पुनरुत्थान गाथा को आगे बढ़ाएं।

उल्लेखनीय है कि भारत में प्रोजेक्ट चीता की औपचारिक शुरूआत 17 सितंबर 2022 को हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने जन्मदिन के अवसर पर नामीबिया से लाए गए पहले 8 चीतों को मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में छोड़ इस परियोजना का शुभारंभ किया। यह दुनिया की पहली अंतरमहाद्वीपीय बड़ी जंगली मांसाहारी जीव स्थानांतरण परियोजना है।

एआई इंपैक्ट एक्सपो एक दिन के लिए आगे बढ़ा

नई दिल्ली। इंडिया एआई इंपैक्ट सम्मिट को मिले रिस्पांस के चलते इसे एक दिन आगे बढ़ा दिया गया है। भारत मंडप में चल रहा एआई इंपैक्ट एक्सपो अब शनिवार, 21 फरवरी को भी खुला रहेगा। हालांकि कल 19 तारीख को विश्व के नेताओं के महत्वपूर्ण संवाद के चलते इसे आमजन के लिए बंद रखा गया है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस. कृष्णन ने मीडिया से बातचीत में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रिस्पांस को देखते हुए इसे एक दिन और आगे बढ़ाने का फैसला किया गया है और कल विदेशी मेहमानों के आगमन और सुरक्षा के चलते 19 फरवरी को एक्सपो आमजन के लिए बंद रहेगा। गलगोटिया यूनिवर्सिटी को लेकर हुए विवाद पर सचिव ने कहा कि हम नहीं चाहते थे कि यह एक्सपो नकारात्मक प्रचार के चलते प्रभावित हो। इसके लिए गलत जानकारी देने वाले प्रदर्शक को इसे छोड़ने के लिए कहा गया है।

गलगोटिया विवि ने एआई इंपैक्ट एक्सपो में चीन के रोबोटिक डॉग को अपना बता प्रदर्शित किया

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

केंद्र सरकार का एक्सपो खाली करने के आदेश

ग्रेटर नोएडा के गलगोटिया विश्वविद्यालय (यूनिवर्सिटी) पर चीन के रोबोटिक डॉग को अपना बताकर पेश करने के लगे आरोपों के बाद केंद्र सरकार ने उन्हें तुरंत एक्सपो खाली करने के आदेश दिए हैं। बुधवार को यूनिवर्सिटी का फजीवाड़ा सामने आने के बाद सरकारी सूत्रों ने बताया कि उन्हें भारत एआई इंपैक्ट एक्सपो को तत्काल खाली करने के लिए कहा गया है।

आरोप है कि भारत मंडपम में चल रहे भारत एआई इंपैक्ट समिट में यूनिवर्सिटी की तरफ से इस रोबोट को भारत में विकसित टेक्नोलॉजी के तौर पर पेश किया गया था। दावा था कि यह रोबोट यूनिवर्सिटी की इन हाउस विकसित तकनीक है। उल्लेखनीय है कि एआई एक्सपो के दूसरे दिन दो रोबोटिक डॉग देखते ही देखते वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए और इस वीडियो के सामने आने के बाद कई टेक एक्सपर्ट्स और यूजर्स ने दावा किया कि यह असल में चीनी कंपनी यूनिट्री का रोबो मॉडल है, जो बाजार में 2 से 3 लाख रुपये की कीमत में उपलब्ध है। इस एआई-पावर्ड रोबोटिक डॉग में 4 डी लीडार तकनीक का इस्तेमाल हुआ है, जिसकी मदद से ये सीढ़ियां चढ़ने के अलावा ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर भी आसानी से चल सकता है। गलगोटिया विश्वविद्यालय ने इस पर सफाई देते हुए एक्स पर जारी बयान में कहा ह्ययूनिट्री से हाल ही में खरीदे गये रोबोडॉग केवल प्रदर्शन के लिए रखी गई है। इसका प्रयोग छात्रों को सिखाने के लिए किया जा रहा है। हमारे छात्र इसके साथ प्रयोग कर रहे हैं, इसकी सीमाओं का परीक्षण कर रहे हैं और इस प्रक्रिया में अपने ज्ञान का विस्तार कर रहे हैं।

लैलूंगा में दो नाबालिग से दुष्कर्म, मुख्य आरोपित सहित सहयोगी गिरफ्तार

रायगढ़। जिले के धरमजयगढ़ पुलिस ने दो नाबालिग पीड़िता से दुष्कर्म के आरोपितों को गिरफ्तार कर आज बुधवार को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। 16 फरवरी को थाना लैलूंगा में दो नाबालिग बालिकाओं ने अपने परिजनों के साथ थाना उपस्थित होकर लैलूंगा निवासी युवक प्रकाश उर्फ राहुल पैंकरा के विरुद्ध दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंचीं। घटना की जानकारी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के संज्ञान में आते ही उन्होंने तत्काल एसडीओपी धरमजयगढ़ को आरोपितों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने एवं पीड़िताओं की निजता का विशेष ध्यान रखने निर्देशित किया। एसडीओपी धरमजयगढ़ सिद्धांत तिवारी के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी लैलूंगा उपनिरीक्षक गिरधारी साव द्वारा मंगलवार को त्वरित कार्रवाई करते हुए लैलूंगा पुलिस ने मुख्य आरोपित ओमप्रकाश पैंकरा उर्फ प्रकाश उर्फ राहुल पैंकरा तथा घटना में सहयोगी आरोपित जयकिशन धोबा को हिरासत में ले लिया। बाद में दोनों को विधिवत गिरफ्तार कर आज न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिसि से प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों पीड़िता आपस में सहेली हैं। 17 वर्षीय बालिका ने लिखित आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि उसका दिसंबर 2025 में ओमप्रकाश उर्फ प्रकाश उर्फ राहुल पैंकरा से मोबाइल के माध्यम से परिचय हुआ था। आरोपित ने उसे प्रेमजाल में फंसाकर शादी करने का प्रलोभन दिया। 14 फरवरी को आरोपित ने लड़की को लैलूंगा मिलने बुलाया। लड़की अपनी सहेली (16 वर्षीय) के साथ पत्थलगांव होते बस से लैलूंगा पहुंची। अटल चौक लैलूंगा पर आरोपित राहुल अपने दोस्त जयकिशन धाबो के साथ मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 13 एमयू 3456 से दोनों को लेने आया। चारों ग्राम सोनाजोरी गए, जहां रात में आरोपित प्रकाश और उसके साथी चारों एक मोटरसाइकिल से सोनाजोरी जंगल गये। वहां मुख्य आरोपित ओमप्रकाश पैंकरा ने पहले उसकी कथित प्रेमिका के साथ दुष्कर्म किया, फिर उसकी सहेली के साथ भी दुष्कर्म किया तथा घटना किसी को बताने पर मारपीट की धमकी दी। दोनों पीड़िताओं द्वारा अलग-अलग आवेदन प्रस्तुत कर थाना लैलूंगा में रिपोर्ट दर्ज कराई गई, जिस पर पृथक-पृथक अपराध पंजीबद्ध किया गया। अपराध क्रमांक 50/2026 व 51/2026 धारा 70 भारतीय न्याय संहिता एवं 4, 6 पाक्सो एक्ट के तहत दर्ज किया गया। आरोपित ओमप्रकाश पैंकरा ने पूछताछ में दोनों युवतियों के साथ दुष्कर्म करना स्वीकार किया है, जबकि जयकिशन धोबा घटना में सहयोगी पाया गया। आरोपितों से एक घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल सीजी 13 एमयू 3456 जब्त किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों में ओमप्रकाश पैंकरा उर्फ प्रकाश उर्फ राहुल पैंकरा (उम्र 22 वर्ष) निवासी ग्राम किलकिला, थाना लैलूंगा (मुख्य आरोपित), जयकिशन धोबा (उम्र 20 वर्ष) निवासी ग्राम टुरटुरा, थाना लैलूंगा शामिल हैं।

चुनाव **26 फरवरी को अधिसूचना जारी की जाएगी**

निर्वाचन आयोग ने 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों के द्विवार्षिक चुनाव की घोषणा की

16 मार्च को मतदान होगा

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

भारत निर्वाचन आयोग ने 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटें के लिए होने वाले द्विवार्षिक चुनाव की घोषणा कर दी है। सभी सीटों के लिए 26 फरवरी को अधिसूचना जारी की जाएगी और 16 मार्च को मतदान होगा। इसी दिन नतीजे की भी घोषणा की जाएगी।

आयोग ने बुधवार को एक विज्ञप्ति जारी कर इसकी जानकारी दी। आयोग का कहना है कि इन सभी राज्यसभा सदस्यों का साल का कार्यकाल अप्रैल माह में समाप्त होने जा रहा है। इन 37 सीटों में महाराष्ट्र की सात, ओडिशा की चार, तमिलनाडु की छह, पश्चिम बंगाल की पांच, असम की तीन, बिहार की पांच, छत्तीसगढ़ की दो, हरियाणा की दो, हिमाचल प्रदेश की एक सीट और तेलंगाना की दो सीट शामिल हैं।

महाराष्ट्र : डॉ. भगवत किशनराव कराड, डॉ. (श्रीमती) फौजिया तहसीन अहमद खान, प्रियंका विक्रम चातुर्वेदी, शरदचंद्र गोविंदराव पवार, धैर्यशील मोहन पाटिल, रजनी अशोकराव पाटिल, रामदास बांदु आठवले।

ओडिशा : ममता मोहंता, मुजिबुल्ला खान, सुजीत कुमार, निरंजन बिशी।

तमिलनाडु: एन.आर. एलंगो, पी. सेल्वारासु, एम. थम्बिदुरई, तिरुचि शिवा, डॉ. कनिमोझी एनवीएन सोमु, जी.के. वासन।

पश्चिम बंगाल : साकेत गोखले, रीताब्रत बनर्जी, बिकाश रंजन भट्टाचार्य, मौसाम नूर (05.01.2026 से रिक्त), सुभ्रत बक्शी।

असम : रामेश्वर तेली, भुवनेश्वर कलिता, अजीत कुमार भुइयां।

बिहार : अमरेंद्र धारी सिंह, प्रेम चंद गुप्ता, रामनाथ ठाकुर, उपेंद्र कुशवाहा, हरिवंश नारायण सिंह।

छत्तीसगढ़ : कवि तेजपाल सिंह तुलसी, फूलो देवी नेताम।

हरियाणा : किरण चौधरी, राम चंदर जांगड़ा।

हिमाचल प्रदेश : इंदु बाला गोस्वामी।

तेलंगाना : डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी, के.आर. सुरेश रेड्डी।

हरे निशान पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 10.51 अंक चढ़ा

नई दिल्ली। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को घरेलू बाजार हरे निशान पर खुला। शुरूआती कारोबार में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 10.51 अंक यानी 0.01 फीसदी बढ़कर 83,461.47 अंक पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 5.65 अंक यानी 0.022 फीसदी बढ़कर 25,725.65 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। शेयर बाजार में शुरूआती कारोबार में करीब 1292 शेयरों में तेजी देख रही है, जबकि 921 शेयरों में गिरावट है और 176 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। बााजार की चाल से संकेत मिल रहे हैं कि निवेशक फिलहाल चुनिंदा शेयरों पर फोकस बनाए हुए हैं। विश्लेषकों का मानना है कि वैश्विक संकेत, कच्चे तेल की कीमतें और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां बाजार की दिशा तय करेंगी। फिलहाल बाजार सीमित दायरे में कारोबार करता दिख रहा है, लेकिन कॉरपोरेट घोषणाओं और सेक्टोरल मूवमेंट से स्टॉक-विशेष में अवसर बन सकते हैं। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को बीएसई का सेंसेक्स 173.81 अंक यानी 0.21 फीसदी उछलकर 83,450.96 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई का निफ्टी भी 42.65 अंक यानी 0.17 फीसदी चढ़कर 25,725.40 के स्तर पर बंद हुआ था।

घरेलू टी-20 पंजाब प्रीमियर लीग में गिल अभिषेक, अर्शदीप का दिखेगा जलवा

फोटोः हि.स.

कुल छह टीमें लेंगी भाग, जून में शुरू

एजेंसी (हि.स.)
चंडीगढ़

पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) इस साल जून में पंजाब की घरेलू टी-20 प्रतियोगिता पंजाब प्रीमियर लीग (पीपीएल) का आयोजन करेगा। इस बार टूर्नामेंट नए नाम और नए प्रारूप के साथ आयोजित किया जाएगा।

पंजाब प्रीमियर लीग 2026 में कुल छह टीमें भाग लेंगी और सभी टीमें फ्रेंचाइजी मॉडल पर आधारित होंगी। खिलाड़ियों की खरीद नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से की जाएगी। इस लीग में केवल पंजाब में पंजीकृत खिलाड़ी ही हिस्सा ले सकेंगे। लीग में पंजाब के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी आकर्षण का केंद्र होंगे। भारतीय टेस्ट और सीमित ओवरों के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल, भारत के नंबर-1 टी-20 बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को मार्की खिलाड़ियों के रूप में शामिल किया जाएगा।

इनके अलावा रामनदीप सिंह, नेहल वढेरा, नमन धीर, अनमोलप्रीत सिंह, प्रभसिमरन सिंह जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी मार्की सूची में शामिल हो सकते हैं। वर्तमान भारत अंडर-19 टीम के सदस्य युवा खिलाड़ी विहान मल्होत्रा भी इस लीग में खेलते नजर आएंगे।

सीनियर खिलाड़ियों के साथ-साथ पंजाब की अंडर-23 टीम के खिलाड़ियों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। मयंक मार्कंडे, अश्वनी कुमार, गुरनूर बराड़, हरनूर सिंह, रमन धीर और हरप्रीत बराड़ जैसे खिलाड़ी भी टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए तैयार हैं, जिससे लीग की प्रतिस्पर्धा और मजबूत होगी।

इसके अतिरिक्त सलील अरोड़ा, रघु शर्मा और अन्य उभरते खिलाड़ी भी पीपीएल का हिस्सा होंगे।

सभी खिलाड़ी ड्राफ्ट प्रक्रिया से गुजरेंगे। खिलाड़ियों को अलग-अलग मूल्य वर्गों में रखा जाएगा और टीमें अपनी पसंद के खिलाड़ियों पर बोली लगा सकेंगी। पंजाब प्रीमियर लीग 2026 में छह फ्रेंचाइजी भाग लेंगी। राज्य के कई प्रमुख उद्योगपति और कॉर्पोरेट समूह इस घरेलू टी-20 लीग से जुड़ने और स्वामित्व हिस्सेदारी लेने के इच्छुक हैं।

एक साल बाद भारतीय हॉकी टीम में लौटे अंगद बीर सिंह

कहा, इस बार दिखेगा बड़ा बदलाव

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के युवा फॉरवर्ड अंगद बीर सिंह की लगभग एक वर्ष बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी हुई है। उन्हें एफआईएच प्रो लीग 2025-26 के होबार्ट चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल किया गया है। 23 वर्षीय हमलावर खिलाड़ी ने पिछली बार 2024-25 सत्र में भुवनेश्वर में आयरलैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था।

इसके बाद से वह सीनियर टीम का हिस्सा नहीं थे। होबार्ट में होने वाले मुकाबले उनके करियर का पहला विदेशी दौरा भी होगा। अंगद ने वापसी को खास बताते हुए हॉकी इंडिया के हवाले कहा, मैं इस अवसर को लेकर बेहद उत्साहित हूं। लंबे समय से प्रशिक्षण कर रहा था और मौके का इंतजार कर रहा था। अब मैं खुद को साबित करना चाहता हूं और भारत के लिए अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं। होबार्ट चरण में भारत का सामना

फोटोः हि.स.

ऑस्ट्रेलिया और स्पेन जैसी मजबूत टीमों से होगा। अंगद का मानना है कि टीम ने इन प्रतिद्वंद्वियों की शैली को ध्यान में रखते हुए तैयारी की है। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय शिविर से ही हमारी तैयारी काफी अच्छी रही है। ऑस्ट्रेलिया और स्पेन की मजबूत ह्यमैन-टू-मैनह्न शैली को ध्यान में रखते हुए अभ्यास सत्र तैयार किए गए हैं। फिटनेस और मैच के लिए तैयार रहने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। हाल ही में राउरकेला चरण में भारतीय टीम का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था, लेकिन अंगद का कहना है कि टीम सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा, हर टीम के जीवन में कठिन दौर आता है। हमारा लक्ष्य यहां चारों मैच जीतना है और हम पिछले परिणामों के बजाय अपने प्रदर्शन पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि ऑस्ट्रेलिया का मौसम बेंगलुरु जैसा ही है, जिससे टीम को परिस्थितियों में ढलने में आसानी हुई है। राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के दौरान अंगद बेंगलुरु में राष्ट्रीय प्रशिक्षण समूह का हिस्सा रहे और ह्यइंडिया एह्न के लिए विभिन्न एक्सपोजर दौरों में खेले। उन्होंने कोचों के मार्गदर्शन में अपनी गति और कौशल पर विशेष काम किया। अंगद ने कहा, कोचों ने जिन क्षेत्रों में सुधार की सलाह दी थी, उन पर गंभीरता से काम किया। मुझे विश्वास था कि निरंतर मेहनत से फिर मौका मिलेगा। हाल ही में हॉकी इंडिया लीग 2025-26 में वेदांता कलिंगा लांसर्स के साथ खिताब जीतने से भी उनकी वापसी का रास्ता मजबूत हुआ। इस दौरान उनके प्रदर्शन को कोचिंग स्टाफ ने सराह

।। अंगद ने बताया कि उन्हें स्ट्राइकर या विंगर की भूमिका पसंद है, जहां वह अपनी गति का उपयोग कर आक्रामक खेल दिखा सकते हैं और टीम के लिए पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा, मेरा लक्ष्य है कि टीम के लिए अधिक से अधिक पेनल्टी कॉर्नर अर्जित करूं और न्यूनतम गलतियां करूं। यह मेरी यात्रा की शुरूआत है और मैं अनुभव के साथ टीम की सफलता में योगदान देना चाहता हूं।

रणजी ट्रॉफीः जम्मू-कश्मीर पहली बार फाइनल में, बंगाल को हराकर रचा इतिहास

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

रणजी ट्रॉफी के इतिहास में नया अध्याय जुड़ गया है। जम्मू और कश्मीर ने बुधवार को सेमीफाइनल में बंगाल को छह विकेट से हराकर पहली बार खिताबी मुकाबले में जगह बना ली। यह मुकाबला कल्याणी स्थित बंगाल क्रिकेट अकादमी मैदान पर खेला गया। मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बंगाल की टीम पहली पारी में 328 रन पर सिमट गई थी, जिसके जवाब में जम्मू कश्मीर की टीम 302 रनों पर ऑल आउट हो गई।

पहली पारी के आधार पर बंगाल को 26 रन की बढ़त मिली। हालांकि दूसरी पारी में बंगाल की बल्लेबाजी पूरी तरह से विफल रही और केवल 99 रनों पर ही सिमट गई। जम्मू-कश्मीर की ऐतिहासिक जीत के नायक रहे आकिब नबी। उन्होंने मैच में कुल नौ विकेट लिए और पहली पारी में 54 गेंदों पर 42 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। दूसरी

फोटोः हि.स.

पारी में बंगाल की टीम मात्र 99 रन पर सिमट गई। नबी और सुनील कुमार ने चार-चार विकेट लेकर विपक्ष को पूरी तरह दबाव में ला दिया। बंगाल द्वारा दिए गए 126 रनों के साधारण लक्ष्य का पीछा करते हुए जम्मू-कश्मीर ने संयमित बल्लेबाजी की। लक्ष्य का पीछा करते हुए वंशज शर्मा ने धैर्य के साथ नाबाद 43 रन बनाए। उन्होंने मुकेश कुमार की गेंद पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। वहीं अब्दुल समद ने 27 गेंदों पर 30 रन बनाकर अहम योगदान दिया। आकिब नबी इस सत्र में जम्मू-कश्मीर की सफलता के केंद्र में रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई भारतीय महिला फुटबॉल टीम पर्थ में दो मैत्री मैच खेलेगी

नई दिल्ली। भारतीय महिला राष्ट्रीय फुटबॉल टीम ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में दो मैत्री मैच खेलेगी। भारतीय टीम 19 फरवरी को पर्थ रेडस्टार फुटबॉल क्लब और 23 फरवरी को पर्थ अज्जुरी फुटबॉल क्लब के खिलाफ मैदान में उतरेगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अनुसार तुर्किये में प्रशिक्षण शिविर समाप्त करने के बाद भारतीय महिला टीम 11 फरवरी को पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया पहुंचीं। टीम अगले महीने होने वाले एशियाई महिला फुटबॉल कप की तैयारियों में जुटी है। **मैच कार्यक्रमः** 19 फरवरी, दोपहर 2 बजकर 30 मिनट (भारतीय समयानुसार) झ्र भारत बनाम पर्थ रेडस्टार फुटबॉल क्लब, डालमाटिनैक पार्क, पर्थ, 23 फरवरी, शाम 4 बजे (भारतीय समयानुसार) झ्र भारत बनाम पर्थ अज्जुरी फुटबॉल क्लब, मैसेडोनिया पार्क, पर्थ, दोनों मुकाबले बंद दरवाजों के पीछे, बिना दर्शकों की उपस्थिति में खेले जाएंगे। **तुर्किये दौरे का प्रदर्शनः** भारत ने तुर्किये दौरे के दौरान यूक्रेन, रूस, स्विट्जरलैंड, जर्मनी और रोमानिया के क्लबों के खिलाफ कुल छह अभ्यास मुकाबले खेले, जिनमें तीन में जीत, एक मुकाबला बराबरी पर और दो में हार का सामना करना पड़ा। हालिया मुकाबले में भारतीय टीम को रोमानिया के क्लब एफके चिकसेरेडा मिएरकुरिया चिउक फुटबॉल क्लब के खिलाफ 0-1 से पराजय झेलनी पड़ी।

कतर ओपन 2026: अल्कराज की दमदार वापसी, मेदवेदेव बनाम सितसिपास मुकाबला तय

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

दोहा में खेले जा रहे कतर ओपन 2026 में विश्व नंबर एक कार्लोस अल्कराज ने ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने के बाद शानदार वापसी करते हुए पहले दौर में फ्रांस के आर्थर रिंदरकनेश को 6-4, 7-6 (7/5) से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया।

मेलबर्न में खिताब जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने अल्कराज को 30वीं रैंकिंग वाले रिंदरकनेश के खिलाफ कड़ा मुकाबला झेलना पड़ा। दोनों सेट बेहद प्रतिस्पर्धी रहे, लेकिन स्पेनिश स्टार ने निर्णायक मौकों पर संयम बनाए रखा। मैच के बाद अल्कराज ने कहा, यह मुकाबला बेहद कठिन था। आर्थर बहुत खतरनाक खिलाड़ी हैं। पहले दौर में कोई भी उनके खिलाफ नहीं खेलना चाहता। मैं खुश हूं कि मैंने कठिन पलों में धैर्य बनाए रखा और सकारात्मक रहकर शानदार टेनिस खेला। अब अल्कराज का सामना दूसरे दौर में फ्रांस के 60वीं

फोटोः हि.स.

रैंकिंग वाले वैलेंटिन रॉयर से होगा। पहले सेट में पांचवें गेम में सर्विस ब्रेक हासिल कर अल्कराज ने बढ़त बनाई, जबकि दूसरे सेट में रिंदरकनेश ने कड़ा प्रतिरोध किया। हालांकि टाई-ब्रेक में अल्कराज ने शानदार फोरहैंड विनर लगाकर मैच अपने नाम कर लिया। अल्कराज के मुख्य प्रतिद्वंद्वी यानिक सिनर ड्रॉ के दूसरे हिस्से में हैं। मई 2024 में मैड्रिड में आंद्रेई रुबलेव के खिताब जीतने के बाद से, इन दोनों खिलाड़ियों की मौजूदगी वाले किसी भी टूर्नामेंट में कोई अन्य खिलाड़ी खिताब नहीं जीत पाया है। अल्कराज यदि अगले दौर में जीत दर्ज करते हैं तो क्वार्टर फाइनल में उनका सामना पूर्व चैंपियन करेन खाचानोव से हो सकता है।

नॉर्वे शतरंज में छठी बार हिस्सा लेंगे वेस्ली सो, बोले- रोमांचक और चुनौतीपूर्ण होगा टूर्नामेंट

स्टावांगर (नॉर्वे)। विश्व शतरंज के दिग्गज खिलाड़ियों में शुमार वेस्ली सो ने नार्वे चेस 2026 में अपनी वापसी की पुष्टि कर दी है। यह उनका इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में छठा सहभाग होगा। महज 14 वर्ष की उम्र में ग्रैंडमास्टर का खिताब हासिल करने वाले वेस्ली सो ने जल्द ही अपनी पीढ़ी के अग्रणी खिलाड़ियों में स्थान बना लिया है। वेस्ली सो ने एक आधिकारिक बयान में कहा, मैं नॉर्वे शतरंज में फिर से खेलने को लेकर बेहद खुश हूं। शानदार धूप में यहां आना सुखद अनुभव है। एक मजेदार और चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं। पूर्व विश्व नंबर दो रह चुके वेस्ली सो पिछले एक दशक से अंतरराष्ट्रीय शतरंज के शीर्ष स्तर पर लगातार अपनी मौजूदगी दर्ज कराते रहे हैं। अपने करियर के शिखर पर उन्होंने 2800 से अधिक रेटिंग हासिल की और 2016 से 2017 के बीच क्लासिकल प्रारूप में 67 मुकाबलों तक अपराजित रहने का अद्भुत रिकॉर्ड बनाया। वेस्ली सो 2019 में फिडे विश्व फिशर रैंडम चैंपियन बने। इसके अलावा वे तीन बार अमेरिकी चैंपियन रह चुके हैं और संयुक्त राज्य अमेरिका की टीम के साथ ओलंपियाड स्वर्ण पदक भी जीत चुके हैं।

टी-20 विश्व कप के बाद संन्यास लेंगे नवनीत ढालीवाल, खेलेंगे आखिरी मुकाबला

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

कनाडा के पूर्व कप्तान नवनीत ढालीवाल ने जारी आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप में कनाडा के अंतिम मुकाबले के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की है। कनाडा गुरुवार को अफगानिस्तान के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेलेगा। ढालीवाल ने मंगलवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ हार के बाद अपने फैसले की पुष्टि की।

इस हार के साथ ही कनाडा की सुपर आठ चरण में पहुंचने की उम्मीदें समाप्त हो गईं। टी-20 विश्व कप 2026 में ढालीवाल अब तक 108 रन बना चुके हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले मुकाबले में 49 गेंदों पर 64 रन की शानदार पारी खेली थी। इसके बाद यूएई के खिलाफ 34 रन बनाए। ढालीवाल टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कनाडा के सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज के रूप में संन्यास लेने जा रहे हैं। वर्ष 2015 में अंतरराष्ट्रीय

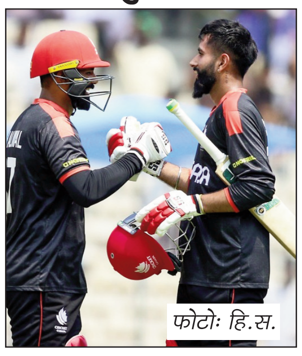
फोटोः हि.स.

क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद उन्होंने 29 टी-20 और 4 एकदिवसीय मैचों में टीम की कप्तानी की। उनकी कप्तानी में कनाडा ने टी-20 प्रारूप में 21 जीत दर्ज कीं। ढालीवाल ने बताया कि उन्होंने विश्व कप में आने से पहले ही यह तय कर लिया था कि यह उनका अंतिम टूर्नामेंट होगा। उन्होंने कहा कि 2024 टी-20 विश्व कप के लिए कनाडा का क्वालीफाई करना, पहले मैच में रन बनाना और कप्तान नियुक्त होना उनके करियर के सबसे यादगार पल रहे।

प्रत्येक वर्ष फरवरी के तीसरे वीरवार मनाया जाता है विश्व मानव विज्ञान दिवस

मानव विज्ञान हमारे जीवन के विभिन्न हिस्सों, भोजन, नस्ल, राजनीति, अर्थशास्त्र, पालन-पोषण आदि पर असर डालता है। विश्व मानव विज्ञान दिवस प्राचीन काल से लेकर आधुनिक समाज तक मानव विकास के विभिन्न पहलुओं को चरणबद्ध तरीके से जानने में मदद करता है। विश्व मानव विज्ञान दिवस हर साल फरवरी के तीसरे वीरवार को मनाया जाता है और इस साल आज यानी 19 फरवरी को मनाया जा रहा है। इस दिन पेशेवरों को सम्मानित करने और दुनिया भर में मानव विज्ञान के महत्व को प्रचारित करने का भी दिन है।

आखिर मानव विज्ञान है क्या

मानव विज्ञान में बहुत सारी चीजों का अध्ययन किया जाता है, इसमें छात्र, पेशेवर और विद्वान प्राचीन काल से लेकर वर्तमान समय तक मानव समाज, व्यवहार, संस्कृति, विकास और उत्पत्ति का अध्ययन करते हैं। यह शोधकताओं को प्राचीन काल से लेकर आधुनिक समाज तक मानव विकास के विभिन्न पहलुओं को चरणबद्ध तरीके से जानने में मदद करता है। उनका मुख्य उद्देश्य आदिम समाज से लेकर सुसंस्कृत समाज तक मानव विकास को समझना है। इसके अंतर्गत जीवाश्मों, डीएनए और अन्य जैविक सबूतों का अध्ययन करके, मानव विज्ञानियों ने हमारी प्रजाति के विकासवादी इतिहास को फिर से बनाया है और उन जैविक और आचरण अनुकूलनों पर प्रकाश डाला है जिन्होंने हमें असाधारण रूप से मानव बनाया है। मानव विज्ञान में लोगों, उनके व्यवहार के तरीके और उनके सामाजिक स्वभाव का वैज्ञानिक अध्ययन है। इस क्षेत्र में भाषा, पुरातत्व, संस्कृति, जीव विज्ञान और इतिहास सहित कई विषय शामिल हैं। विश्व मानव विज्ञान दिवस के इतिहास की बात करें तो इसकी नींव 1902 में अमेरिकन एंथ्रोपोलॉजिकल एसोसिएशन (एएए) की स्थापना से जुड़ी है। तब से यह एसोसिएशन दुनिया भर में मानव विज्ञानियों के लिए सबसे बड़ा पेशेवर संघ बन गया है, जिसमें 10,000 से अधिक सदस्य हैं। मानव विज्ञान अनुसंधान और अभ्यास की विविधता और गहराई का जश्न मनाने के लिए अमेरिकन एंथ्रोपोलॉजिकल एसोसिएशन (एएए) द्वारा 2015 में विश्व मानव विज्ञान दिवस की स्थापना की गई थी। 'एंथ्रोपोलॉजी' शब्द ग्रीक शब्द 'एंथ्रोलॉजी' से लिया गया है, जिसका अर्थ है 'मानव व्यवहार।

ऐतिहासिक संदर्भ

विश्व मानवविज्ञान दिवस की शुरूआत मानवविज्ञान के बारे में व्यापक जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी। इस दिन का पहला उत्सव केवल अकादमिक अनुशासन के लिए एक संकेत नहीं था, बल्कि आज दुनिया के सामने आने वाली असंख्य चुनौतियों और संघर्षों को संबोधित करने में मानवशास्त्रीय अंतर्दृष्टि के महत्व को पहचानने के लिए व्यापक जनता के लिए कार्रवाई का आान था। यह अवसर वैश्विक मुद्दों को सुलझाने और हल करने में मानवशास्त्रीय अनुसंधान की महत्वपूर्ण भूमिका को दोहराने के लिए एक चिंतनशील मोड़ के रूप में कार्य करता है।

मानवीय समझ का विस्तार

विश्व मानव विज्ञान दिवस मानव स्थिति के बारे में हमारी समझ का विस्तार करने में मानव विज्ञान के महत्व को रेखांकित करने के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। यह वैज्ञानिक और व्यापक समुदाय को ऐसे अनुसंधान में शामिल होने के लिए प्रेरित करता है जो मानव व्यवहार और सामाजिक कार्यप्रणाली की गहराई में उतरता है। यह खोज न केवल हमारे सामूहिक ज्ञान को समृद्ध करती है बल्कि हमें समसामयिक चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक अंतर्दृष्टि से भी सुसज्जित करती है।

वैश्विक संबंधों को बढ़ावा देना

मानवविज्ञान के लेंस के माध्यम से, विश्व मानवविज्ञान दिवस दुनिया भर के व्यक्तियों को साझा मानवीय अनुभवों और चुनौतियों से जुड़ने के लिए एक अद्वितीय मंच प्रदान करता है। यह विभिन्न समुदायों के बीच बाधाओं को तोड़ने और पुलों के निर्माण को प्रोत्साहित करता है, सहानुभूति और समझ के वैश्विक नेटवर्क को बढ़ावा देता है।

20 लाख साल पहले शुरू हुआ मानव विकास

सरगुजाः विश्व मानव विज्ञान दिवस पर हम आपको मानव इतिहास से जुड़े कुछ ऐसे रोचक तथ्य बताने जा रहे हैं, जो हर व्यक्ति को जानना चाहिए। ऐसे कई लेखक हुए जिन्होंने मानव विज्ञान पर बेहतर रिसर्च और बातें लिखी हैं। इनमे सबसे चर्चित और समसामयिक पुस्तक सेपियंस है, जो मानव विज्ञान के बेहद रोचक तथ्य और वैज्ञानिक प्रमाणिकता बताती है। खासकर इंसान, जिसे होमो सेपियन्स कहा जाता है, इसकी उत्पति और इसके स्वभाव पर बेहद शानदार व्याख्या की गई है। इस विषय पर हमने बायोटेक साइंटिस्ट डॉ प्रशांत शर्मा से बातचीत की और मानव विज्ञान विषय पर उनकी राय जानी। विज्ञान के संबंध में डॉ युवाल नोआ के विचारः इस रोचक विषय पर एक महान लेखक डॉ युवाल नोआ हरारी ने कहा आग ने हमें शक्ति दी, वातार्लाप ने हमें परस्पर सहयोग करने मदद की, कृषि ने हमें और अधिक के लिए भूखा बनाया, मिथकों ने कानून और व्यवस्था कायम की, धन ने हमें एक ऐसी चीज दी, जिस पर हम सचमुच भरोसा कर सकते थे। अन्तर्विरोधियों ने संस्कृति की रचना की और विज्ञान ने हमें घातक बनाया।

मानव विज्ञान दिवस का महत्व

मानव विज्ञान हमारे जीवन के विभिन्न हिस्सों, भोजन, नस्ल, राजनीति, अर्थशास्त्र, पालन-पोषण आदि पर असर डालता है। विश्व मानव विज्ञान दिवस इन महत्वपूर्ण विषयों के बारे में मुद्दों को प्रभावी ढंग से प्रकाश में लाता है, जीवन की बेहतर समझ को प्रोत्साहित करता है। विशेषज्ञ इस दिन का उपयोग आम जनता के साथ अपनी खोजों को साझा करने, रुचि जगाने और नए अन्वेषण को सशक्त बनाने के लिए करते हैं। मानव विज्ञान के महत्व को उजागर करने के अलावा, यह उत्सव व्यक्तियों को इस विविध क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह दिन छात्रों और शोधकताओं को मानव विज्ञान को एक कैरियर के रूप में तलाशने में भी मदद करता है। इस दिन को मनाकर, लोग मानव विविधता के बारे में और अधिक जानकारी हासिल कर सकते हैं।

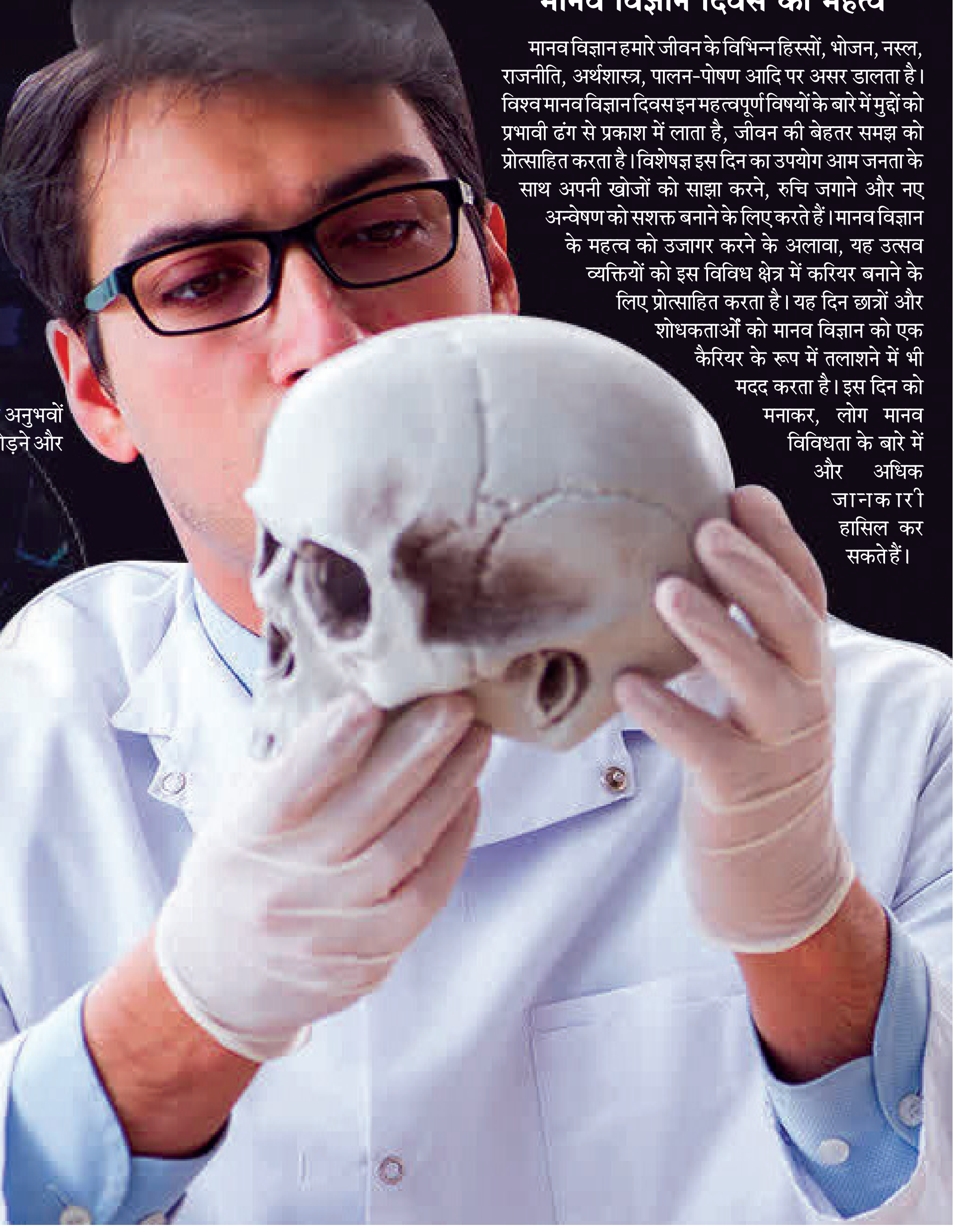

अब कॉपोर्रेट सेवाओं को मिलेगी नयी गति

रीजनल डायरेक्टर और आरओसी हरियाणा ऑफिस का संचालन शुरू

आरसी मिश्रा व संजय वर्मा ने संभाला कार्यभार

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़। भारत सरकार के मिनिस्ट्री ऑफ कॉपोर्रेट अफेयर्स (एमसीए) द्वारा आज शहर में रीजनल डायरेक्टर (नॉर्दर्न रीजनझ्2) कार्यालय तथा हरियाणा के रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज (आरओसी) कार्यालय का औपचारिक शुभारंभ किया गया। मंत्रालय द्वारा आरसी मिश्रा को नॉर्दर्न रीजनझ्2, चंडीगढ़ के प्रथम रीजनल डायरेक्टर के रूप में तथा संजय वर्मा को हरियाणा के प्रथम रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज के रूप में नियुक्त किया गया है। मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन एवं राजपत्र अधिसूचना के अनुसार दोनों कार्यालय विधिवत कार्यरत हो गए हैं।

उद्घाटन समारोह का संचालन नव-नियुक्त रीजनल डायरेक्टर (एनआरझ्2) आरसी मिश्रा द्वारा किया गया। यह पहल कॉर्पोरेट प्रशासन के विकेन्द्रीकरण तथा उत्तर भारत में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को सुदृढ़ बनाने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

इस अवसर पर अपने संबोधन में मिश्रा ने कहा कि चंडीगढ़ में रीजनल डायरेक्टोरेट की स्थापना उत्तर भारत में अधिक जवाबदेह, पारदर्शी एवं प्रभावी कॉर्पोरेट गवर्नेंस सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि विभाग का मुख्य फोकस विधिक मामलों के समयबद्ध निपटान, नियामकीय व्याख्याओं में एकरूपता तथा हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख सहित पूरे क्षेत्र में हितधारकों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने पर रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि नया कार्यालय सुदृढ़ नियामकीय व्यवस्था बनाए रखते हुए सहायक एवं समाधान-उन्मुख दृष्टिकोण अपनाएगा।

हरियाणा के रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज संजय वर्मा ने कहा कि आरओसी, हरियाणा कार्यालय के संचालन से राज्य में कॉर्पोरेट सेवाएं अधिक सरल, सुलभ एवं त्वरित होंगी। कंपनियों और पेशेवरों को नियामकीय प्रक्रियाओं तक सीधी पहुंच मिलेगी, ई-फॉर्म एवं आवश्यक फाइलिंग का निष्पादन शीघ्र होगा तथा अनुपालन, निगरानी और अधिक प्रभावी बनेगी। उन्होंने समाधान-आधारित अनुपालन प्रणाली को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर पंजाब एवं चंडीगढ़ के रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज अनुपम वाशिष्ठ ने कहा कि चंडीगढ़ में रीजनल डायरेक्टर (एन-आरझ्2) एवं आरओसी, हरियाणा कार्यालयों के प्रारंभ होने से मंत्रालय की क्षेत्रीय संरचना सुदृढ़ होगी। इससे विभागीय समन्वय बेहतर होगा, लंबित मामलों में कमी आएगी तथा हितधारकों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध होंगी।

नए कार्यालय पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, चंडीगढ़, जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख के हितधारकों को सेवाएं प्रदान करेंगे। फास्ट-ट्रैक मर्जर, रजिस्टर्ड ऑफिस शिफ्टिंग, कंपनी कन्वर्जन, अपील एवं अन्य वैधानिक अनुमोदनों से संबंधित मामलों के निस्तारण में तेजी आने की अपेक्षा है। यह पहल उत्तर भारत में कॉर्पोरेट पारिस्थितिकी तंत्र को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी तथा दक्ष बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम सिद्ध होगी।

जिला नगर योजनाकार, पंचकूला की टीम ने अर्बन एरिया पंचकूला में बड़ी कार्यवाही

गांव रायपुररानी में 2 अवैध कॉलोनियों में तोड़-फोड़ और 2 डीपीसी व सड़क नेटवर्क को जेसीबी ने धवस्त किया

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

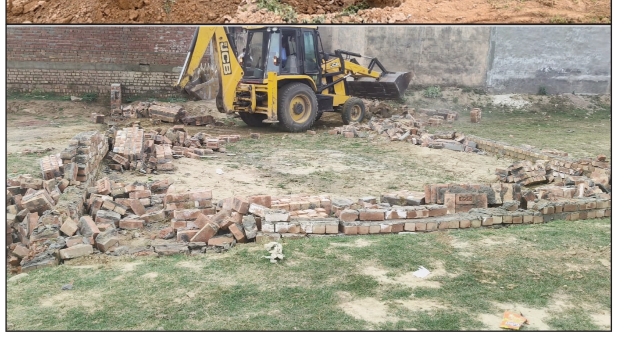

उपायुक्त सतपाल शर्मा के मार्गदर्शन में डीटीपी बबीता गुप्ता के नेतृत्व में जिला नगर योजनाकार, पंचकूला की टीम द्वारा अर्बन एरिया पंचकूला में बड़ी कार्यवाही की गई। इस कार्यवाही में गांव रायपुररानी में 2 अवैध कॉलोनियों में तोड़-फोड़ की गई जिनका एरिया लगभग 1.75 एकड है। इसमें 2 डीपीसी व सड़क नेटवर्क को जेसीबी द्वारा धवस्त किया गया।

उक्त कार्यवाही ड्यूटी मैजिस्ट्रेट, नरेन्द्र कुमार, एसडीई, पंचायती राज, पंचकूला, अशोक कुमार, सहायक नगर योजनाकार, पंचकूला और डिम्पी राठी, सहायक नगर योजनाकार, पचंकूला एवं भारी पुलिस बल की उपस्थिति में संपन्न हुई।

जानकारी देते हुए डीटीपी बबीता गुप्ता ने बताया कि कोई भी निर्माण या कॉलोनी विकसित करने से पहले निदेशक, नगर तथा ग्राम आयोजना विभाग हरियाणा से अनुमति प्राप्त किया जाना अनिवार्य है। यदि कोई व्यक्ति बिना अनुमति से किसी प्रकार का अवैध निर्माण या कॉलोनी विकसित करता पाया गया तो उसके विरूद्ध सख्त कानूनी कार्यवाही जारी रखी जाऐगी। उन्होंने आम जनता से अनुरोध करते हुए कहा कि विभाग से सीएलयु/लाईसेंस की अनुमति लिए बिना कोई भी निर्माण व अनाधिकृत कॉलोनी विकसित न करें।

नगराधीश जागृति ने जिला बाल कल्याण परिषद के प्रशिक्षण केंद्रों के 40 बच्चों को प्रमाण-पत्र वितरित किए

फोटोः हि.स.

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त सतपाल शर्मा की अध्यक्षता में आज बाल भवन सेक्टर-14 पंचकूला में आयोजित कार्यक्रम में जिला बाल कल्याण परिषद द्वारा संचालित कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र, पंचकूला, ब्यूटी केयर प्रशिक्षण केंद्र तथा सिलाई एवं कढ़ाई केंद्र के 40 बच्चों को नगराधीश जागृति द्वारा प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। नगराधीश जागृति ने बाल भवन में संचालित विभिन्न गतिविधियों का निरीक्षण किया तथा परिषद की स्वच्छता व्यवस्था और बच्चों एवं महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर शिवानी सूद, जिला बाल कल्याण अधिकारी, पंचकूला ने बताया कि बाल भवन पंचकूला, मिनी बाल भवन कालका तथा रायपुर रानी में प्रतिदिन लगभग 300 से 400 बच्चे कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र, सिलाई एवं कढ़ाई केंद्र, ब्यूटी केयर प्रशिक्षण केंद्र, फैशन डिजाइनिंग प्रशिक्षण केंद्र और पुस्तकालय में प्रशिक्षण एवं पाठ्यक्रम हेतु आते हैं। उन्होंने बताया कि गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों की महिलाओं और बालिकाओं को इन केंद्रों में निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

भाजपा चंडीगढ़ के ओबीसी, एससी, अल्पसंख्यक एवं किसान मोर्चा ने किया 'बजट संवाद' का आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

फोटोः हि.स.

भाजपा चंडीगढ़ के ओबीसी मोर्चा, एससी मोर्चा, किसान मोर्चा एवं अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा संयुक्त रूप से 'बजट संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं नागरिकों ने भाग लेकर केंद्रीय बजट और उसके समाज के विभिन्न वर्गों पर प्रभाव पर विस्तृत चर्चा की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जतिंदर पाल मल्होत्रा, प्रदेश अध्यक्ष भाजपा चंडीगढ़, ने अपने संबोधन में कहा कि यह 'कर्तव्य बजट' समाज के हर वर्ग–किसान, युवा, महिला, उद्यमी एवं वंचित वर्ग–को संतुलित रूप से प्राथमिकता देता है। उन्होंने नागरिकों से आ'ान किया कि वे शहर और राष्ट्र के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाएँ, ताकि भारत को वास्तविक अर्थों में 'विकसित भारत' बनाया जा सके। इस अवसर पर प्रदेश मुख्य प्रवक्ता डॉ धीरेंद्र तायल ने कहा कि वर्ष 2014 से केंद्र सरकार 'अंत्योदय' की भावना के साथ देश के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने प्री-बजट टैक्स राहत को मध्यम वर्ग के लिए एक स्वागतयोग्य कदम बताया। प्रदेश संयोजक (आर्थिक प्रकोष्ठ) नवीन सोनी ने बजट में अधोसंरचना विकास, सड़क एवं रेल परिवहन के विस्तार तथा रोजगार सृजन की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह बजट लघु व्यवसायियों एवं छोटे विक्रेताओं के लिए व्यापार सुगमता को भी मजबूत करेगा। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक राज किशोर की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सफल संचालन मोर्चा अध्यक्षों– नाजिम खान (अल्पसंख्यक मोर्चा), अमित खैरवाल (एससी मोर्चा), मंदीप सिंह (किसान मोर्चा) एवं सतपाल वर्मा (ओबीसी मोर्चा) के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर मनीष शर्मा, रुचि सेखरी, मीनाक्षी ठाकुर, सरगुन अरोड़ा, मुकेश जनझोत्रा एवं समीर चाकू सहित अनेक कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन समावेशी विकास के संकल्प और चंडीगढ़ व भारत को विकसित राष्ट्र बनाने हेतु सामूहिक प्रयास के आह्वान के साथ हुआ।

संक्षिप्त-समाचार

अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद की लीगल टीम का हुआ गठन

चंडीगढ़। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद व राष्ट्रीय बजरंग दल की स्थानीय टीम के द्वारा अपनी लीगल टीम वकील परिषद का प्रसार करने हेतु परिषद के चंडीगढ़ इकाई के अध्यक्ष बलबीर कृष्णा गर्ग की अगुवाई में एक बैठक हुई। बैठक में संस्था की लीगल टीम वकील परिषद में एडवोकेट दान बहादुर सिंह, एडवोकेट जमुना दास, एडवोकेट हिना चंदेल, एडवोकेट मनीष गोठवाल व वरिष्ठ आदिवक्ता एडवोकेट शिव मूर्ति यादव को शामिल किया गया व इन सभी ने संगठन के लिए सेवाएं देने के लिए शपथ ली। इस अवसर पर अंतराष्ट्रीय हिन्दू परिषद टीम के कार्यकारी अध्यक्ष राम बहादुर मिश्रा, वरिष्ठ अधिकारी डॉ मीना गर्ग, महामंत्री रामपाल, कार्यलय सचिव देविदयाल व अनिरुद्ध मिश्रा आदि भी उपस्थित रहे।

43वां विशाल मां संतोषी जागरण 19 को

चंडीगढ़। संतोषी सेवा मंडल एवं महिला मंडल की ओर से प्रति वर्ष की भांति इस बार भी 43वां विशाल मां संतोषी जागरण एवं भंडारा शिव एवं संतोषी माता मंदिर, फेज-1, बापूधाम कालोनी, सेक्टर 26, चण्डीगढ़ में कराया जा रहा है। मंदिर परिसर के प्रधान खरौंटूमल भगत तथा संचालिका माता जी कला देवी ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि वीरवार 19 फरवरी को प्रातः छह बजे प्रभातफेरी निकाली जाएगी जबकि रात्रि नौ बजे ज्योति प्रचंड होगी व जागरण होगा। उसके बाद शुक्रवार 20 फरवरी को प्रातः छह बजे आरती एवं भोग होगा तथा दोपहर एक बजे अटूट भंडारा बरताया जाएगा।

अनुसूचित जाति के किसानों के लिए 45 एचपी व ट्रैक्टर का 20 फरवरी को ऑनलाईन ड्रॉ

पंचकूला। सहायक कृषि अभियन्ता, पंचकूला ओमप्रकाश महिवाल ने बताया कि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा, पंचकूला द्वारा वर्ष 2025-26 के दौरान जिलें के अनुसूचित जाति के किसानों के लिए 45 एचपी व अधिक क्षमता के ट्रैक्टर पर किसानों को 50 प्रतिशत अनुदान पर अधिकतम 3 लाख रुपए अनुदान देने के लिए जिला पंचकूला में आवेदन आमन्त्रित किए गए थें। इसमें 48 अनुसूचित जाति के किसानों ने अनुदान राशि लेने के लिए आवेदन किया है। उन्होने बताया कि निदेशालय से प्राप्त लक्ष्य के अनुसार जिलें में 4 किसानों को अनुदान पर ट्रैक्टर उपलब्ध करवाए जाएंगे। उन्होने बताया कि अतिरिक्त उपायुक्त के निदेर्शानुसार लाभार्थियो के चयन हेतु ऑनलाईन ड्रॉ 20 फरवरी को दोपहर 12:30 बजे उपायुक्त पंचकूला के कांफ्रेंस हाल में आयोजित किया जाना है। उन्होने सभी सम्बन्धित आवेदक किसानों से उपरोक्त वर्णित ड्रॉ में उपस्थित होने का आहवाहन किया है। किसान अधिक जानकारी के लिए उप कृषि निदेशक, पंचकूला एवं सहायक कृषि अभियन्ता, पंचकुला, के कार्यालय में संपर्क कर सकते है ।

पूर्व महापौर कुलभूषण गोयल ने विपुल गोयल से की मुलाकात

पंचकूला। पंचकूला के पूर्व महापौर कुलभूषण गोयल ने बुधवार को हरियाणा के कैबिनेट मंत्री एवं पंचकूला नगर निगम चुनाव प्रभारी विपुल गोयल से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान पंचकूला में चल रही विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कुलभूषण गोयल ने विपुल गोयल को अपने पांच वर्षीय कार्यकाल पर आधारित पुस्तक भी भेंट की। उन्होंने बताया कि अपने कार्यकाल के दौरान पंचकूला में लगभग 400 करोड़ रुपये के विकास कार्य करवाए गए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया गया और पक्ष व विपक्ष दोनों के पार्षदों के वार्डो में समान रूप से करोड़ों रुपये के विकास कार्य संपन्न कराए गए।

एआई की बढ़ती भूमिका पर सेमिनार आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग की ओर से मंगलवार को ह्लकॉलेज छात्रों में थेरेपिस्ट के रूप में एआई का उपयोगह्व विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार का संचालन मोहाली के मैक्स हॉस्पिटल की काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट श्रिया मिगलानी द्वारा किया गया। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए बताया कि आज के समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआईक) मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में तेजी से अपनी जगह बना रहा है और विशेष रूप से कॉलेज छात्रों के बीच एक सहायक उपकरण के रूप में उभर रहा है।

सेमिनार के दौरान यह भी चर्चा की गई कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की भूमिका कॉलेज छात्रों को सुलभ मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रदान करने में तेजी से बढ़ रही है। मिगलानी ने बताया कि एआई आधारित प्लेटफॉर्म छात्रों तक समय पर सहायता पहुंचाने में उपयोगी साबित हो रहे हैं, लेकिन इसके साथ जुड़े नैतिक पहलुओं पर ध्यान देना भी आवश्यक है। सत्र में थेरेपी और मनोचिकित्सा में मानवीय संवेदनशीलता और सहानुभूति के महत्व पर विशेष जोर दिया गया। यह बताया गया कि एआई आधारित उपकरण अब मनोचिकित्सकीय प्रक्रियाओं में सहायक माध्यम के रूप में शामिल किए जा रहे हैं, जिससे प्रारंभिक मार्गदर्शन और समर्थन उपलब्ध हो सके।

हालांकि, यह स्पष्ट रूप से रेखांकित किया गया कि एआई किसी भी स्थिति में क्लाइंट और थेरेपिस्ट के बीच बनने वाले विश्वासपूर्ण और मानवीय संबंध का स्थान नहीं ले सकता। इसलिए, एआई को एक सहयोगी साधन के रूप में अपनाना चाहिए, न कि मानव थेरेपिस्ट के विकल्प के रूप में। सेमिनार में लगभग 200 छात्रों ने भाग लिया और एआई के मनोवैज्ञानिक देखभाल में उपयोग, उसकी सीमाओं तथा भविष्य में संभावित प्रभावों पर सक्रिय रूप से चर्चा की। छात्रों ने एआई के लाभ, चुनौतियों और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं में इसकी भूमिका को लेकर अपने विचार साझा किए। यह सत्र ज्ञानवर्धक रहा और इसने मानसिक स्वास्थ्य तथा मनोचिकित्सा के क्षेत्र में तकनीक के जिम्मेदार और नैतिक उपयोग को बढ़ावा देने के लिए छात्रों को प्रेरित किया। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने सेमिनार की सफलता सुनिश्चित करने में कन्वीनर डॉ. तरनदीप कौर तथा आयोजन सचिव डॉ. जतिंदर कौर और डॉ. राहुल सिंह के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने सभी आयोजकों की मेहनत को कार्यक्रम की सफलता का मुख्य आधार बताया।

गुरु तेग बहादुर स्कूल में मैथ्स ओलिंपियाड सम्मान प्रमाण पत्र समारोह आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

फोटोः हि.स.

गुरु तेग बहादुर स्मार्ट स्कूल, खुड्डा अली शेर गांव में में मैथ्स ओलिंपियाड सामान प्रमाण पत्र समारोह आयोजित किया गया। स्कूल की डायरेक्टर हिमानी शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में वॉयस ऑफ वूमेन की अध्यक्ष एवं भाजपा महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष रूबी गुप्ता मुख्य अतिथि थीं जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के प्रिंसिपल संजय शर्मा जी द्वारा की गई। उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए रुबी गुप्ता ने कहा कि शिक्षकों द्वारा योग्य विद्यार्थी तैयार कर राष्ट्र व समाज को सुदृढ़ करने की आधारशिला रखी जाती है। शिक्षक अपने विद्यार्थियों को एक मूर्ति कलाकार की तरह तराशकर बहुमुखी प्रतिभाशाली बना सकता है। मैथ्स ओलिंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र रुबी गुप्ता द्वारा प्रदान किए गए।

मैथ्स ओलिंपियाड में गुरप्रीत कौर ने प्रथम स्थान, प्रभु नूर कौर ने द्वितीय स्थान एवं हर्षित ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। हिमानी शर्मा ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया और उन्हें निरंतर परिश्रम करने के लिए प्रेरित किया। प्रिंसिपल संजय शर्मा ने विद्यार्थियों को अनुशासन और मेहनत का महत्व बताया। समारोह को सफल बनाने में विद्यालय के सभी शिक्षकों विशेष रूप से राधा रानी, हरप्रीत कौर, सुखविंदर कौर, शिव देवी, सुनीता, मलकीत कौर, शिल्पा, दीपिका, साक्षी व जोशना का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर स्पेशल बच्चों की शिक्षिका गुरलीन कौर विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

खेल | **ताऊ देवीलाल स्टेडियम में जिला स्तरीय ग्रामीण महिला खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन**

खेल आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता को सुदृढ़ करते हैं: डॉ. सविता नेहरा

विभिन्न खेलों के विजेताओं को मेडल, प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर किया गया सम्मानित

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

फोटोः हि.स.

ताऊ देवीलाल स्टेडियम, सैक्टर-3 पंचकूला में जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास, पंचकूला डॉ. सविता नेहरा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय ग्रामीण महिला खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

पिंजौर, बरवाला, रायपुररानी तथा मोरनी में आयोजित हुई खंड स्तरीय ग्रामीण महिला खेलकूद प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों ने जिला स्तरीय ग्रामीण महिला खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लिया। जिला कार्यक्रम अधिकारी, डॉ. सविता नेहरा द्वारा प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए बताया गया कि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं, बल्कि आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता को भी सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने महिलाओं को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ने तथा स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

ग्रामीण महिला खेलकूद प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागियों ने जोश एवं उत्साह के साथ भाग लिया। विभिन्न खेलों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली प्रतिभागियों को मेडल, प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग, पंचकूला से जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय के सभी कर्मचारी, जिला बाल संरक्षण इकाई के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी, सभी महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी, सुपरवाइजर तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी सुपरवाइजर तथा अन्य कर्मचारियों की नींबू रेस भी करवाई गई, जिसमें सभी ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस ग्रामीण महिला खेलकूद प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं जनसमूह में खेलों के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना, स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना तथा महिलाओं को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनने हेतु प्रेरित करना रहा।

18 से 30 वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं के लिए आयोजित प्रतियोगिताओं के परिणाम

300 मीटर रेस में प्रथम स्थान बेबी (खंड रायपुररानी), द्वितीय स्थान दिव्या (खंड मोरनी) तथा तृतीय स्थान सानिया (खंड बरवाला) ने प्राप्त किया। 400 मीटर रेस में प्रथम स्थान साक्षी (खंड बरवाला), द्वितीय स्थान अंजलि (खंड बरवाला) तथा तृतीय स्थान तेजस्वरी (खंड मोरनी) ने प्राप्त किया। साइकिल रेस में प्रथम स्थान परमिंदर (खंड पिंजौर), द्वितीय स्थान सोनम (खंड पिंजौर) तथा तृतीय स्थान अमर देवी (खंड मोरनी) ने प्राप्त किया। 30 से 45 वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं के लिए आयोजित प्रतियोगिताओं के परिणाम- 100 मीटर रेस में प्रथम स्थान निर्मला देवी (खंड मोरनी), द्वितीय स्थान लाजवंती देवी (खंड मोरनी) तथा तृतीय स्थान दीना देवी (खंड मोरनी) ने प्राप्त किया। डिस्कस थ्रो में प्रथम स्थान नीलम (खंड पिंजौर), द्वितीय स्थान सुखविंदर (खंड रायपुररानी) तथा तृतीय स्थान प्रोमिला (खंड रायपुररानी) ने प्राप्त किया। म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कविता (खंड मोरनी), द्वितीय स्थान रजनी (खंड बरवाला) तथा तृतीय स्थान नीलम (खंड रायपुररानी) ने प्राप्त किया।

नार्थ जोन फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में एजी दिल्ली और एजी जम्मू-कश्मीर के बीच होगा मुकाबला

टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 20 फरवरी को खेला जाएगा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

फोटोः हि.स.

इंडियन ऑडिट एंड अकाउंट्स डिपार्टमेंट नार्थ जोन फुटबॉल टूर्नामेंट के तीसरे दिन एजी उत्तर प्रदेश ने एजी हिमाचल प्रदेश के खिलाफ 3-0 से मैच जीता। सबसे पहले, मैच के चौथे मिनट में ही प्रति कनौजिया ने मैच का पहला गोल किया। इसके बाद अंकित पिल्लै ने मैच के छठे मिनट में मैच का दूसरा गोल कर दिया। मैच के 46वें मिनट में प्रति कनौजिया के एक और गोल के बाद एजी यूपी ने एजी हिमाचल प्रदेश से 3-0 से मुकाबला जीत लिया। लेकिन गोल औसत में अंतर के कारण एजी यूपी की टीम इस टूर्नामेंट से बाहर हो गई। दूसरा मैच एजी दिल्ली और एजी हरियाणा के बीच खेला गया जिसमें एजी दिल्ली ने 3-0 से मैच जीतकर न केवल फाइनल में जगह बनाई बल्कि ऑल इंडिया (इंटर-जोनल) फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए भी क्वालीफाई कर लिया। इस मैच में नितेश शर्मा ने 10वें मिनट में पहला गोल किया, ओबेद कम्बेई ने 50वें मिनट में दूसरा गोल किया। इसके बाद 56वें मिनट में हितेन्द्र सिंह रावत ने मैच का तीसरा गोल किया।

बुवार का तीसरा मैच एजी जम्मू-कश्मीर और एजी पंजाब के बीच खेला गया। यह मैच बहुत रोमांचक रहा। दोनों ही टीमों को गोल के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा। हालांकि मैच के 46वें मिनट में आसिफ ने एजी जम्मू-कश्मीर टीम का खाता खोला। लेकिन एजी पंजाब के सौरभ ने मैच के 65वें मिनट में गोल करके 1-1 की बराबरी कर ली। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर ने भी न सिर्फ.फाइनल में अपना स्थान पक्का किया बल्कि इंटर-जोनल फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई भी कर लिया। इसके साथ ही एजी दिल्ली और एजी जम्मू-कश्मीर की टीमों ने अपने-अपने ग्रुप की ओर से फाइनल में जगह बना ली। इस टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 20 फरवरी को खेला जाएगा।